@Qpatrika · @qaumipatrika hindi · instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार 15 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 215 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने अहमदाबाद से लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान की गुरुवार को हुई दुर्घटना की समग्रता से जांच के लिए केन्द्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में एक 11 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है जो इस दुर्घटना को लेकर हर तरह के सवाल का जवाब तलाशेगी और तीन माह के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडु ने शनिवार को यहां उड़ान भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। श्री नायडु ने दुर्घटना में जान गंवाने वालों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की और कहा कि वह यात्रियों के परिजनों के दर्द को समझते हैं क्योंकि उन्होंने स्वयं अपने पिता को एक दुर्घटना में खोया है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना होने के तीन घंटे बाद जब वह अहमदाबाद में घटनास्थल पर पहुंचे तो गुजरात सरकार की एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में लगे थे। विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (एएआईबी) ने अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय में तकनीकी जांच शुरू कर दी है। इस जांच से उत्तर मिलेगा कि तकनीकी स्तर पर क्या कमी या चूक हुई थी।

श्री नायडु ने कहा, 'पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। अहमदाबाद हवाईअड्डे के पास हुए हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं... मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया, ताकि देख सकूँ कि क्या किया जाना चाहिए, क्या सहायता प्रदान की जानी चाहिए और यही रवैया गुजरात सरकार का भी था। भारत सरकार और मंत्रालय के अन्य लोगों का भी यही रवैया था। जब हम घटनास्थल पर पहुँचे, तो हमने देखा कि सभी संबंधित विभागों की प्रतिक्रिया टीमें ज़मीन पर काम कर रही थीं, जो भी संभव हो, बचाव करने की कोशिश कर रही थीं, आग को कम करने और मलबे को हटाने की कोशिश कर रही थीं ताकि शवों को जल्द से जल्द अस्पताल भेजा जा सके। विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो, जिसे विशेष रूप से विमानों के आसपास होने वाली घटनाओं, दुर्घटनाओं की जाँच करने के लिए बनाया गया था, को तुरंत सक्रिय किया गया। एएआईबी के माध्यम से चल रही तकनीकी जांच से एक महत्वपूर्ण अपडेट यह है कि कल शाम 5 बजे के आसपास घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया है। एएआईबी टीम का मानना है कि ब्लैक बॉक्स की यह डिकोडिंग इस बात की गहराई से जानकारी देगी कि दुर्घटना की प्रक्रिया के दौरान या दुर्घटना से पहले वास्तव में क्या हुआ होगा। हम इस बात का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि एएआईबी द्वारा पूरी जांच के बाद क्या परिणाम या रिपोर्ट सामने आएगी।'

नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच समग्रता से की जाएगी ताकि इसे लेकर उठ रहे हर तरह के सवाल का जवाब मिल सके। उन्होंने कहा, 'घटना की आगे की जांच करने और इस घटना के इर्द-गिर्द घूम रहे सभी सिद्धांतों और अन्य सूचनाओं को देखने के लिए, हमें लगा कि इस दुर्घटना और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक और समिति का होना बेहतर होगा। हम एक और उच्चस्तरीय समिति बनाने जा रहे हैं, और हमने तुरंत समिति का गठन कर दिया है। केन्द्रीय गृह सचिव समिति के अध्यक्ष होंगे तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव, गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव, गुजरात राज्य से एक प्रतिनिधि जहां वास्तव में घटना हुई, गुजरात राज्य आपदा प्रतिक्रिया प्राधिकरण के प्रतिनिधि, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त, भारतीय वायु सेना में निरीक्षण एवं सुरक्षा के महानिदेशक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के महानिदेशक, नागर विमानन महानिदेशक, खुफिया ब्यूरो (आईबी) से विशेष निदेशक और फोरेंसिक विज्ञान सेवा निदेशालय के निदेशक इस समिति के सदस्य होंगे।'

श्री नायडु ने कहा, 'उच्च स्तरीय समिति की संरचना में विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग शामिल हैं और हमें लगता है कि वे समिति में बहुत उच्च विशेषज्ञता पूर्ण निष्कर्ष ला सकते हैं जो घटना की समग्र तरीके से जांच करने जा रही है। और हमने उनके लिए 3 महीने की समय सीमा तय की है ताकि वे उनकी जांच के अनुसार विभिन्न पक्षों से बात कर सकें और आवश्यक होने पर किसी अन्य महत्वपूर्ण विशेषज्ञ को शामिल करके उनसे चर्चा कर सकें।'

उन्होंने कहा, 'हमारे देश में सुरक्षा के बहुत सख्त मानक हैं जिसका विदेशी एजेंसियां भी बार बार उल्लेख करती रही हैं, फिर भी यह दुखद दुर्घटना हुई है। जब यह घटना घटी, तो हमें भी लगा कि बोइंग 787 सीरीज की विस्तृत जांच करने की जरूरत है। डीजीसीए ने भी 787 विमानों की विस्तृत जांच करने का आदेश दिया है। आज हमारे भारतीय विमान बेड़े में इस श्रेणी के 34 विमान हैं। मेरी जानकारी के अनुसार अब तक 8 विमानों की जांच हो चुकी है और बाकी सभी विमानों की जांच भी शीघ्रातिशीघ्र की जाएगी।'

नागर विमानन मंत्री ने कहा, 'अपनी जान गंवाने वाले लोगों की कहानियां देखना बहुत ही दुखद है। हमने एयर इंडिया को निर्देश दिया है कि वह यात्रियों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करे। एक तरफ डीएनए परीक्षण भी हो रहा है ताकि शवों की पहचान की जा सके और उन्हें संबंधित परिवारों को दिया जा सके। गुजरात सरकार इसके साथ समन्वय कर रही है। डीएनए परीक्षण की पुष्टि होने के बाद शवों को संबंधित परिवारों को दिया जाएगा और हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह प्रक्रिया भी जल्द से जल्द पूरी हो जाएगी, लेकिन दस्तावेज़ीकरण और प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रक्रिया या प्रोटोकॉल में कोई चूक न हो।'

अमेरिका में दो डेमोक्रेटिक सांसदों के घरों में गोलीबारी, दो की मौत, दो घायल

मिनेसोटा (एजेंसी)। अमेरिका के मिनेसोटा के दो डेमोक्रेटिक सांसदों के घर हमला हुआ है। पहली घटना में डेमोक्रेटिक स्टेट रिप्रेजेंटेटिव मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति मार्क की गोली लगने से मौत हो गई है। दूसरी घटना में डेमोक्रेटिक स्टेट सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी येवेट को कई गोलियां मारी गई हैं। दोनों घायल हैं। दोनों की सर्जरी हुई है और डॉक्टरों को उम्मीद है कि वे बच जाएंगे। यह जानकारी मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने दी है। उन्होंने कहा कि यह हमला राजनीतिक वजह से किया गया लगता है। वाल्ज ने कहा कि पुलिस को मिनियापोलिस के पास के दो इलाकों – चैंपलिन और ब्रुकलिन पार्क में गोलीबारी की सूचना मिली थी। हम मामले को गंभीरता ले रहे हैं।

शनि शिंगणापुर मंदिर से 167 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

- इनमें मुस्लिम ज्यादा, ट्रस्ट ने किया धार्मिक भेदभाव से इनकार

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर मंदिर के ट्रस्ट श्री शनैश्वर देवस्थान ने हाल ही में 167 कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया है। हटाए गए कर्मचारियों में से 114 यानी करीब 68 फीसदी मुस्लिम हैं। हालांकि ट्रस्ट ने अपने आधिकारिक बयान में धार्मिक आधार पर भेदभाव से इनकार किया है और बताया कि यह कदम कर्मचारियों के खराब प्रदर्शन और लंबे समय से अनुपस्थित रहने के कारण उठाया गया है। यह छटनी दो चरणों में की गई। पहले चरण में 8 जून को इन्हें नौकरी से निकाला। दूसरा चरण 13 जून को हुआ। ये कर्मचारी पिछले 2 से 10 सालों से मंदिर ट्रस्ट से जुड़े हुए थे। इस कार्रवाई से पहले सकल हिंदू समाज संगठन ने 14 जून को प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। संगठन ने मंदिर परिसर में गैर–हिंदू कर्मचारियों को हटाने की मांग की थी। बता दें मई महीने का एक वायरल वीडियो में एक व्यक्ति मंदिर में पेंटिंग का काम करता दिख रहा है। ऐसा कहा जाता है कि वह हिंदू नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देवस्थान के सीईओ ने सफाई दी और कहा कि इस कार्रवाई में किसी प्रकार का धार्मिक भेदभाव नहीं किया गया है। यह शुद्ध रूप से अनुशासनात्मक कदम था। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के पास 2,400 से ज्यादा कर्मचारी हैं, जिनमें से कई लोग लगातार काम पर नहीं आ रहे थे। इन्हें पहले वेतन रोका गया और कारण बताओ नोटिस भी दिया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हटाए गए कर्मचारियों को कृषि, कचरा प्रबंधन और शिक्षा विभाग से निकाला है। कुछ कर्मचारी पिछले पांच महीनों से काम पर नहीं आ रहे थे।

पुर्तगाल, ब्रिटेन और कनाडा के संपर्क में हैं विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना के संबंध में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी और अपने कनाडाई तथा पुर्तगाली समकक्षों के संपर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अहमदाबाद विमान दुर्घटना के संबंध में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी, पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रेंजेल और कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के संपर्क में हूं। दुख की इस घड़ी में अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। बाद में लैमी ने जयशंकर के पोस्ट को साझा करते हुए कहा, अहमदाबाद में हुए विनाशकारी विमान हादसे ने ब्रिटेन और भारत, दोनों देशों के परिवारों को प्रभावित किया है। मैंने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए डॉ एस जयशंकर से बात की। ब्रिटेन हमारे सबसे करीबी भागीदारों में से एक भारत को इस कठिन समय में हर प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। बता दें कि बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे। एअर इंडिया ने पुष्टि की है कि विमान में सवार 241 लोग दुर्घटना में मारे गए। एक व्यक्ति बच गया है और उसका इलाज जारी है।

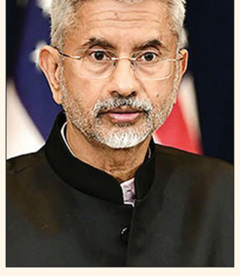

सुरक्षा बलों ने मणिपुर के 5 जिलों में की सर्चिंग

300 से ज्यादा राइफल और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से ज्यादा राइफल समेत हथियारों और गोला–बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। यह बरामदगी मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को एक जॉइंट ऑपरेशन के दौरान की। जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर राइफलें, 65 इंसास राइफलें, 73 अन्य राइफलें, पांच कार्बाइन गन, दो एमपी5 गन, 12 लाइट मशीन गन, छह एके सीरीज राइफलें, दो अमोघ राइफलें, एक मोर्टार, छह पिस्तौल, एक एआर–15 और दो फ्लेयर गन शामिल हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण: एपी सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक बार फिर बयान दिया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण है। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि इस अभियान ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया है। वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड में सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। उन्होंने युवा अधिकारियों से आह्वान किया कि वे सेवा में आगे बढ़ने के साथ-साथ एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण है। आप वायुसेना का भविष्य हैं और आपको यह समझना होगा कि वायुसेना हमेशा से ही सबसे पहला कदम उठाने वाली रही है और रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक द्वारा भारतीय वायुसेना पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। यह कार्यक्रम भारतीय वायुसेना की कई शाखाओं में फ्लाइट कैडेट्स के सेवा में शामिल होने से पहले के प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा होने पर आयोजित किया गया था।

हमला नहीं रोका तो जलाकर खाक कर देंगे, ईरान को इजरायल की चेतावनी

यरुशलम (एजेंसी)। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने शनिवार को ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इजरायल पर मिसाइल हमले जारी रहे तो तेहरान जल जाएगा। कैट्ज की यह टिप्पणी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों के जवाब में ईरान द्वारा रात भर किए गए मिसाइल हमले के बाद आई है। सुरक्षा आकलन के दौरान आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल ज़मीर और मोसाद निदेशक डेविड बार्निया के साथ बोलते हुए, कैट्ज़ ने सीधे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को संबोधित किया। कैट्ज़ ने कहा कि ईरानी तानाशाह ईरान के नागरिकों को बंधक बना रहा है, और विशेष रूप से तेहरान के निवासियों को इजरायली नागरिकों पर आपराधिक हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

इज़रायली सेना ने शनिवार को पुष्टि की कि उसके ऑपरेशन, जिसका कोडनेम राइजिंग लॉयन था, ने नौ वरिष्ठ ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को सफलतापूर्वक मार गिराया है। आईडीएफ के अनुसार, वैज्ञानिक सीधे तौर पर ईरान की परमाणु हथियार क्षमताओं को बढ़ाने में शामिल थे। सेना ने कहा किये हमले सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए थे। उनका खात्मा ईरानी शासन की सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने की क्षमता के लिए एक बड़ा झटका है। ड्रोन और युद्धक विमानों से किए गए हवाई हमलों ने कथित तौर पर नतांज़ और इस्फ़हान सहित संवेदनशील परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाया, जिससे व्यापक क्षति हुई।

जवाबी कार्रवाई में ईरान ने शुक्रवार रात को इजरायली क्षेत्र में दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। विस्फोटों ने यरुशलम और तेल अवीव के आसमान को जगमगा दिया, जबकि इजरायल की आयरन डोम रक्षा प्रणाली और अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए इंटरसेप्टर आने वाले खतरों को बेअसर करने के लिए काम कर रहे थे। मध्य इजरायल में नागरिकों से आश्रय लेने का आग्रह किया गया। इजरायली अधिकारियों ने कम से कम तीन मौतों और दर्जनों लोगों के घायल होने की पुष्टि की। इस बीच, ईरान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत ने बताया कि इजरायल के हमलों में 78 ईरानी मारे गए और 320 से अधिक घायल हुए।

अब 19 जून को एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होगा, भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि 19 जून को एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होगा। एक्सिओम-4 मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के रूप में पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएंगे। 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला लखनऊ में जन्मे हैं। उन्हें जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला। उन्हें 2000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल है। वे सुखोई-30 एमके 1, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे फाइटर जेट्स को उड़ा चुके हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के लिए भी मिशन महत्वपूर्ण होगा। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोग करेंगे।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्च तारीख अब 19 जून 2025 के लिए फिर से निर्धारित की गई है। साथ ही स्पेस एक्स टीम ने पुष्टि की है कि लॉन्च को पहले स्थगित करने वाले सभी मुद्दों पर पूरी तरह से काम किया गया है।' उन्होंने कहा कि आगे का कोई भी अपडेट समय के अनुसार साझा किया जाएगा।

दरअसल, 11 जून को मिशन कुछ तकनीकी परेशानी के कारण स्थगित करना पड़ा। चौथी बार ऐसा हुआ कि मिशन लॉन्च करने की तारीख बदली गई। 11 जून को मिशन स्थगित करने की घोषणा करते हुए इसरो ने जानकारी दी कि लॉन्च से पहले टेस्टिंग के दौरान प्रोपल्शन बे में एलओएक्स रिसाव का पता चला था।

13 जून को इसरो प्रमुख वी नारायणन ने एक बयान में कहा, 'इसरो, नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के ज्वेज्दा मॉड्यूल में देखी गई समस्या को जिम्मेदारी के साथ हल करने के लिए काम कर रहा है, जिसके कारण एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) में देरी हुई।'

असम के धुबरी में तनाव के बाद सीएम ने दिए सीधे गोली मारने के आदेश

नबीन बांग्ला नामक संगठन ने धुबरी में लगाए थे भड़काऊ पोस्टर

धुबरी (एजेंसी)। असम के धुबरी में तनाव के चलते सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने उपद्रवियों के खिलाफ शूट एंड साइट का ऑर्डर दिया है। उन्होंने बांग्लादेश की सीमा से लगे धुबरी जिले में रात में देखते ही गोली मारने का आदेश दिया है, क्योंकि एक सांप्रदायिक समूह अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है, जिसे सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। बता दें विगत रविवार को धुबरी शहर में एक मंदिर के पास मांस के टुकड़े पाए जाने के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था।

सीएम ने शुक्रवार को स्थिति की समीक्षा करने के लिए धुबरी का दौरा किया। साथ ही सीएम ने कहा कि जिले में रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया जाएगा। वहीं धुबरी में सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय में मंदिर के सामने मांस के टुकड़े मिले थे। इसके बाद हिंदू और मुस्लिम दोनों समूहों ने शांति और सद्भाव की अपील की थी। सरमा ने कहा कि अगले दिन मंदिर के सामने फिर जानवर का सिर रखा गया और रात में पत्थर फेंके गए। सरमा ने कहा कि नबीन बांग्ला नामक संगठन ने धुबरी को बांग्लादेश में शामिल करने के अपने उद्देश्य को उजागर करते हुए भड़काऊ पोस्टर लगाए थे।

सरमा ने आरोप लगाया कि कुछ लोग गोमांस खाते थे, लेकिन इस बार पश्चिम बंगाल से हजारों मवेशी लाए गए हैं और धुबरी में एक नया गोमांस माफिया उभरा है, जिसने त्योहार से ठीक पहले हजारों जानवरों की खरीद की है। इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं।

राजस्थान-मप्र में दिनभर लू चली, शाम को बारिश, असम के गुवाहाटी में बाढ़ के हालात

नई दिल्ली/भोपाल। मानसून ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। पिछले 6 दिन से पड़ रही तेज गर्मी के बाद राजस्थान, मप्र के कई शहरों में शनिवार शाम को बारिश हुई। मप्र में 16 जून तक मानसून की एंट्री हो सकती है। जबकि राजस्थान के जैसलमेर में बारिश हुई। बीती रात पुणे में भारी बरसात हुई। पुणे में पिंपरी चिंचवड़ शहर की सडक़ों पर पानी भर गया। नाले में चार से पांच गाडियां बह गईं, गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला में शनिवार को सुबह पूरा पहाड़ भरभराकर सडक़ पर गिर गया। गनीमत यह रही कि कोई वाहन इसकी चपेट में नहीं आया। मौके पर मौजूद लोगों ने खतरे को भांपते हुए पहले ही ट्रैफिक रोक दिया। इसके बाद पहाड़ देखते ही देखते सडक़ पर गिर गया। किसी ने इसका वीडियो बना दिया, जो अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। यह लैंडस्लाइड चंबा जिला के भरमौर विधानसभा क्षेत्र की बसु कुंडी सुनारा सडक़ पर हुआ। पहाड़ी गिरने के बाद चार से पांच मिनट तक धूल के गुबार उड़ते रहें। पहाड़ी का मलबा सडक़ से करीब 500 मीटर नीचे नाले में गया। वहीं उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा में अभी भी गर्मी और लू से राहत नहीं मिली है। वाराणसी में 42 डिग्री टेम्प्रेचर के कारण ट्रांसफॉर्मर फेल हो गए, जिन्हें कूलर से ठंडा किया गया। मथुरा में पारा 41 डिग्री पहुंच गया। यहां स्प्रिंकलर से सडक़ों पर पानी छिडक़ा गया।

पांच साल बाद फिर शुरु हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा, हर-हर महादेव के जयकारों के बीच पहला जत्था रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच वर्षों के लंबे इंतजार के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर बाबा के करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए शुरू हो गई है। शुक्रवार को हर-हर महादेव के जयकारों के बीच पहला जत्था धार्मिक उत्साह और आस्था के साथ रवाना हुआ। वर्ष 2019 के बाद पहली बार है जब यह पवित्र यात्रा फिर शुरू की गई है। कोरोना महामारी के कारण यात्रा पर रोक लगा दी गई थी, जो अब हट दी गई है।

विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित विशेष समारोह में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने चीनी पक्ष द्वारा सहयोग प्रदान करने और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों की सक्रिय भूमिका के लिए आभार प्रकट किया।

उन्होंने बताया कि यात्रा 15 जून से 25 अगस्त तक चलेगी। यात्रा उत्तराखंड और सिक्किम के मार्गों से हो रही है, जिसमें कुल पांच बैच भेजे जाएंगे। हर बैच में 50 तीर्थयात्रियों को शामिल किया गया है। इस साल कुल 750 यात्रियों का चयन किया गया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा न केवल हिंदू श्रद्धालुओं, बल्कि जैन और बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए भी गहन धार्मिक महत्व रखती है। इस यात्र को मोक्ष की ओर ले जाने वाली यात्रा माना जाता है।

धर्मार्थ कार्य विभाग और यूपीएसटीडीसी की ओर से तीर्थयात्रियों के ठहरने, खानपान और मार्गदर्शन की विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। तीर्थ यात्रियों के लिए विशेष वातनूकुलित भवन तैयार किया गया है, इसमें एक समय में 288 श्रद्धालु ठहर सकते हैं। साथ ही, यात्रियों को राज्य पर्यटन विभाग द्वारा तैयार ब्रोशर किट भी दी जा रही हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत और चीन के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण प्रतीक भी बन चुकी है। केंद्र सरकार इस यात्रा के पुनः संचालन को एक सकारात्मक संकेत मान रही है, जो धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मिसाल भी है।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस दौरे पर जयशंकर की मैक्रों से मुलाकात, आतंकवाद के खिलाफ समर्थन पर जताया आभार

पेरिस, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पेरिस में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं राष्ट्रपति मैक्रों को पहुंचाई और आतंकवाद के खिलाफ भारत को मिले फ्रांस के मजबूत समर्थन के लिए उनका आभार जताया। सोशल मीडिया पर जयशंकर ने दी जानकारी जयशंकर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर सम्मानित महसूस किया। पीएम मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और आतंकवाद के खिलाफ फ्रांस के मजबूत समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत में आपसी विश्वास, सहजता और रणनीतिक साझेदारी की महत्वाकांक्षा स्पष्ट रूप से दिखी। बता दें कि जयशंकर इन दिनों अपने यूरोप दौरे पर हैं, जहां वे भारत और यूरोपीय देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराने में जुटे हैं, खासकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से। इसके साथ ही जयशंकर ने फ्रांस के मार्से शहर में आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान से भी मुलाकात की। जयशंकर ने इसे महत्वपूर्ण बातचीत बताया, जिसमें दोनों देशों के बीच सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले जयशंकर ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी और भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की थी।

इजराइल को ''कड़ी सजा'' दी जाएगी: खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने शुक्रवार को कहा कि उनके देश पर हमले के लिए इजराइल को ''कड़ी सजा'' दी जाएगी। ईरान की सरकारी सामाचार एजेंसी 'आईआरएनए' ने खामनेई के बयान को जारी किया। इसने पुष्टि की कि हमले में सेना के शीर्ष अधिकारी और वैज्ञानिक मारे गए हैं। खामनेई ने कहा कि उनके देश में हुए इस अपराध में ''इजराइल के शैतानी और रक्त-रंजित हाथ शामिल हैं''। उन्होंने कहा कि इजराइल ने आवासीय इलाकों पर हमला करके अपनी दुर्भावनापूर्ण प्रकृति को उजागर किया है।

ईरान का इजराइल पर जवाबी हमला :100 से ज्यादा ड्रोन दागे

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान ने इजराइल पर जवाबी हमले में 100 से ज्यादा ड्रोन दागे हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने कहा है कि ये ड्रोन अगले 1 से 2 घंटे में इजराइल पहुंच सकते हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक ढ्ढष्ठस्न ने चेतावनी दी है कि ईरान जल्द ही एक बड़ा मिसाइल हमला कर सकता है। इससे पहले आज सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन 6 में से 4 जगहों पर परमाणु ठिकाने भी मौजूद हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि इजराइली हमले में इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर हुसैन सलामी की मौत हो गई है। अल-जजीरा के मुताबिक हमले में ईरान के दो प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद मेहदी तेहरांची और फरदून अब्बासी भी मारे गए हैं। इजराइल ने यह दावा किया है कि हमले में ईरान के आर्मी चीफ मोहम्मद बाघेरी, सेना के अन्य बड़े अधिकारी और कुछ वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। इस बीच, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने कहा कि हमारी सेना इजराइल को सजा दिए बिना नहीं जाने देगी।

उत्तर-पश्चिमी कांगो में नौका डूबने से 30 लोगों की मौत

किंशासा , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के उत्तर-पश्चिमी इक्वेटर प्रांत में खराब मौसम के कारण एक नौका के डूब जाने से कई छात्रों सहित कम से कम 30 यात्रियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों और मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कई लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। क्षेत्रीय प्रशासक जस्टिन मपुतु ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नौका बिकोरो क्षेत्र में टुम्बा झील के किनारे ग्रामीणों और सामान को ले जा रही थी, जब बुधवार देर रात यह डूब गई। उन्होंने बताया कि 30 शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि कई अन्य लोग लापता हैं।

अमेरिकी सांसदों ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसदों ने बृहस्पतिवार को हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर संवेदना व्यक्त की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि वाशिंगटन इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित लोगों की मदद के लिए काम कर रहे आपातकालीन कर्मियों के साथ खड़ा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य ग्रेस मेंग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह भारत में हुए घातक विमान हादसे के बारे में जानकर बहुत दुखी हैं। सांसद ब्रायन फिट्जपैट्रिक, न्यूयॉर्क राज्य से सीनेटर जेरेमी कूनी और सांसद राजा कृष्णमूर्ति समेत अमेरिका के कई सांसदों एवं संस्थाओं ने भी इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। लंदन के गैटविक जा रहा एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

ईरान पर हमले के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की दो टूक, कहा- हमने सबक सिखाया, खतरे को कम किया

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान पर किए गए हमले की इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि हमारे हमले का उद्देश्य ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के खतरे को कम करना है। हमें उम्मीद है कि ईरान को करारा सबक सिखाया गया है। उम्मीद है कि यह अब दोबारा नहीं होगा।

खतरे के खत्म न होने तक जारी रहेगा ऑपरेशन राइजिंग लायन त्न इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू करने का एलान किया। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। कुछ ही समय पहले इस्राइल ने ऑपरेशन राइजिंग लॉयन शुरू किया, जो इस्राइल के अस्तित्व के लिए ईरानी खतरे को कम करने के लिए सैन्य अभियान था। उन्होंने कहा कि यह मिशन खतरे को खत्म करने के लिए जितने दिन लगेंगे, उतने दिन तक जारी रहेगा।

वैश्विक चेतावनियों को नजरअंदाज कर रहा ईरान : उन्होंने ईरान पर वैश्विक चेतावनियों को दरकिनार करते हुए परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में ईरान ने नौ परमाणु बमों के लिए पर्याप्त संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान ने यूरेनियम को हथियार बनाने के लिए कदम उठाए हैं। और कुछ ही महीनों में परमाणु हथियार विकसित कर सकता है। उन्होंने मौजूदा हालात की तुलना द्वितीय विश्व युद्ध की प्रस्तावना से

की। नेतन्याहू ने कहा कि अस्सी साल पहले यहूदी लोग नाजी शासन द्वारा किए गए नरसंहार के शिकार थे। आज यहूदी राज्य ईरानी शासन द्वारा किए गए परमाणु नरसंहार का शिकार होने से इनकार करता है।

परमाणु ठिकानों पर किया हमला : नेतन्याहू ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री के रूप में मैंने इसे बार-बार स्पष्ट कर दिया है। इस्राइल उन लोगों को कभी भी यह लक्ष्य हासिल करने के साधन विकसित करने की अनुमति नहीं देगा जो हमारे विनाश का आह्वान करते हैं। इस्राइल उन शब्दों को कार्रवाई के साथ समर्थन देता है। हमने ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम के केंद्र पर हमला किया। हमने ईरान के परमाणु हथियारीकरण कार्यक्रम के केंद्र पर हमला किया। हमने नतांज़ में ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा को निशाना बनाया। हमने ईरानी बम पर काम कर रहे ईरान के प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। हमने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के केंद्र पर भी हमला किया।

ईरान के मिसाइल विकास को लेकर चेताया : इस्राइल के पीएम ने ईरान के मिसाइल विकास से बढ़ते खतरों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पिछले साल ईरान ने इस्राइल पर 300 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इनमें से प्रत्येक मिसाइल में एक टन विस्फोटक होता है और इससे सैकड़ों लोगों की जान को खतरा है। ये मिसाइलें परमाणु पेलोड ले जा सकती हैं, जिससे सैकड़ों नहीं, बल्कि लाखों लोगों की जान को खतरा हो सकता है। ईरान तीन साल के भीतर 10,000 बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने की तैयारी कर रहा है। अगर न्यूजर्सी के आकार के देश पर 10,000 टन टीएनटी गिरे। यह एक असहनीय खतरा है। इसे रोका जाना चाहिए।

हमारे लोग और सैनिक शेर की तरह : नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की इस्राइल को नष्ट करने की नई योजना में देश को क्षेत्रीय प्रॉक्सी के साथ घेरना और सीधे हमले करना शामिल है। लेकिन इस्राइल के लोग और सैनिक हमारे देश की रक्षा के लिए शेरों की तरह उठ खड़े हुए। हमने हमास को कुचल दिया। हमने हिजबुल्ला को तबाह कर दिया। हमने सीरिया और यमन में ईरानी प्रॉक्सी को मारा। जब ईरान ने पिछले साल दो बार हम पर सीधा हमला किया, तो हमने ईरान के अंदर ही जवाबी हमला किया। फिर भी खुद की रक्षा करते हुए हम दूसरों की भी रक्षा करते हैं।

हिजबुल्ला को खत्म किया, सीरिया में असद शासन का अंत किया : उन्होंने कहा कि इस्राइल की कार्रवाई उसकी सीमाओं से परे तक फैली हुई है। हम अपने अरब पड़ोसियों की रक्षा करते हैं। वे भी ईरान के अराजकता और नरसंहार के अभियान से पीड़ित हैं। ईरान के प्रॉक्सी हिजबुल्ला के खिलाफ हमारी कार्रवाई से लेबनान में एक नई सरकार की स्थापना हुई और सीरिया में असद के हत्यारे शासन का पतन हुआ। उन दोनों देशों के लोगों के पास अब एक अलग और बेहतर भविष्य का मौका है।

ईरानियों से बोले: हमारी लड़ाई आपसे नहीं : ईरानियों को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि हमारी लड़ाई आपसे नहीं है। हमारी लड़ाई उस क्रूर तानाशाही से है जिसने 46 वर्षों तक आप पर अत्याचार किया है। मेरा मानना है कि आपकी मुक्ति का दिन निकट है। जब ऐसा होगा तो हमारे दो प्राचीन लोगों के बीच महान मित्रता एक बार फिर पनपेगी। हम दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को दुनिया के सबसे खतरनाक हथियार नहीं मिलने देंगे। ईरान उन परमाणु हथियारों को अपने आतंकवादी सहयोगियों को देने की योजना बना रहा है। इससे परमाणु आतंकवाद का दुःस्वप्न और भी वास्तविक हो जाएगा। ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों की बढ़ती रेंज उस परमाणु दुःस्वप्न को यूरोप के शहरों और अंततः अमेरिका तक ले आएगी। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान इस्राइल को छोटा शैतान कहता है। वह अमेरिका को बड़ा शैतान कहता है। इसलिए दशकों से उसने लाखों लोगों को इस्राइल और अमेरिका के लिए मौत के नारे लगाने के लिए प्रेरित किया है।

किसी भी समस्या का समाधान कर सकता हूं, भारत और पाकिस्तान को एक साथ ले आऊंगाः ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से दुश्मनी रही है और वह दोनों देशों को एक साथ ले आएंगे। ट्रंप ने दावा किया कि वह किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में एक विधेयक पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम उन दोनों (भारत और पाकिस्तान) को एक साथ लाने जा रहे हैं। मैंने उनसे-भारत और पाकिस्तान से कहा कि कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और मैं कुछ भी हल कर सकता हूं। भारत लगातार यह कहता रहा है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से पूछा कि यह दुश्मनी कब से चली आ रही है, तो उन्होंने कहा 2,000 साल से, जिस पर उन्होंने (ट्रंप ने) मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह, यह एक बड़ी समस्या है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने फोन पर बातचीत और व्यापार के जरिये भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का अपना दावा दोहराया। उन्होंने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, मैंने इसे व्यापार के जरिये रोका। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में कभी कोई खबर लिखी हुई देखी है, लेकिन यह बहुत, बहुत बढ़िया था। वे तैयारी कर रहे थे। ट्रंप ने कहा कि हमला करने की बारी पाकिस्तान की थी और अंततः वे परमाणु हथियारों का रुख करते। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने इसे रोक दिया। मैंने दोनों से बात की, मैं दोनों देशों के नेताओं का बहुत सम्मान करता हूं। मैं उन्हें जानता हूं और मैंने उनसे बात की। मैंने व्यापार के बारे में बात की। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेताओं से कहा कि अगर आप युद्ध में उलझेंगे, एक-दूसरे पर परमाणु हथियार दागेंगे, तो आप अमेरिका के साथ व्यापार नहीं कर पाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने यह बात उन दोनों (भारत और पाकिस्तान के नेताओं) से कही। उन्होंने मेरी बात को बखूबी समझ लिया और (संघर्ष) रोक दिया।

कैलिफोर्निया से तकरार तेजः ट्रंप ने रोका गैस संचालित कारों पर बैन, इलेक्ट्रिक कारों की क्षमता पर भी उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कैलिफोर्निया की सरकार के बीच तकरार दिन-प्रतिदिन और गहराता ही जा रहा है। इसी बीच ट्रंप ने गुरुवार को एक ऐसा प्रस्ताव साइन किया, जिससे कैलिफोर्निया में 2035 तक नई गैस से चलने वाली कारों की बिक्री पर बैन लगाने का कानून रुक गया। ट्रंप ने इस कानून को पागलपन भरा और देश के लिए विनाशकारी बताया। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान तीन अहम प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कैलिफोर्निया के गैस कारों पर बैन को रोकना, भारी ट्रकों से निकलने वाले धुएं पर लगाम के नियम हटाना और टेलपाइप से होने वाले प्रदूषण को कम करने वाली नीतियों को खत्म करना शामिल है। इतना ही नहीं व्हाइट हाउस में ट्रंप ने इलेक्ट्रिक कारों की क्षमता और भरोसे पर सवाल उठाए, लेकिन एलन मस्क की कंपनी के लिए कुछ सकारात्मक बातें भी कहीं, हालांकि दोनों के रिश्ते हाल में तनावपूर्ण रहे हैं। ट्रंप के प्रस्ताव पर दस्तखत होने से पहले ही कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बॉन्टा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि राज्य इस कदम को अदालत में चुनौती देगा। उन्होंने कहा कि ये फैसले न सिर्फ अवैध हैं, बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से भरे हुए हैं।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ने पर ग्रीनलैंड-पनामा पर कब्जा करेंगे, सिग्नल चैट के इस्तेमाल पर जवाब देने से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर पेंटागन ने ग्रीनलैंड और पनामा पर बलपूर्वक कब्जा करने की योजना बनाई है। कांग्रेस की तीखी बहस के दौरान बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को जब उनसे सिग्नल चैट के इस्तेमाल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी संसदीय समिति- हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की बैठक के दौरान डेमोक्रेटिक सदस्यों ने हेगसेथ से कई तीखे सवाल पूछे। सबसे कठिन सवाल सैन्य दिग्गजों की ओर से पूछे गए। इस दौरान हेगसेथ ने पेंटागन प्रमुख के रूप में अपने कार्यों के बारे में पूछे गए कई सवालों के सीधे जवाब देने से बचने की कोशिश की, जिससे बहस और तेज हो गई। हमारा काम संभावित स्थिति के लिए योजना बनानाः हेगसेथ प्रतिनिधि एडम स्मिथ ने हेगसेथ से जब पूछा कि क्या पेंटागन ने ग्रीनलैंड या पनामा पर जबरन कब्जा करने की कोई योजना बनाई है, तो उन्होंने जवाब दिया, हमारा काम हर संभावित स्थिति के लिए योजना बनाना होता है। हेगसेथ के गोलमोल जवाब पर सांसद टर्नर ने किया हस्तक्षेप यह सामान्य बात है कि पेंटागन कई ऐसे संघर्षों की योजना बनाता है जो हो भी सकते हैं और नहीं भी। लेकिन जब हेगसेथ ने इस पर बार-बार गोलमोल जवाब दिए, तो एक

रिपब्लिकन सांसद माइक टर्नर ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, आपकी गवाही का मतलब यह नहीं है कि पेंटागन ग्रीनलैंड पर हमला करने की तैयारी कर रहा है, सही है? हम ग्रीनलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहते हैंः हेगसेथ जैसे ही हेगसेथ ने आकस्मिक योजनाओं के बारे में फिर से वही जवाब दोहराया, तो टर्नर ने जोर देकर कहा, मुझे उम्मीद है कि आप ऐसा ही कहेंगे। इस पर हेगसेथ ने जवाब दिया, हम ग्रीनलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं ताकि वो किसी भी संभावित खतरे से सुरक्षित रहे। डेमोक्रेट्स की नाराजगी और तीखे आरोप बार-बार सांसदों ने हेगसेथ पर कई सवालों के जवाब नहीं देने का आरोप लगाया, खासकर कैपिटल हिल परपिछले दो दिनों की सुनवाई में। इस दौरान सांसद सालुद कार्बाजल इतने नाराज हो गए कि उन्होंने कहा, आप इस देश के लिए शर्म की बात हैं। आप नेतृत्व के लायक नहीं हैं। आपको तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

सिग्नल चैट पर गोपनीय जानकारी के सवाल तीखी बहस

हेगसेथ पर आरोप है कि उन्होंने दो सिग्नल चैट का इस्तेमाल कर यमन में किए जाने वाले अमेरिकी हमलों की जानकारी अपने परिवार और कुछ अधिकारियों के साथ साझा की। इस पर सवाल उठे कि क्या उन्होंने गोपनीय जानकारी लीक की है? इस पर हेगसेथ ने जवाब दिया कि उन्होंने जो भी जानकारी साझा की, वह गोपनीय नहीं थी। लेकिन सांसद सेठ मौलटन (जो खुद मरीन सेना में रह चुके हैं) ने कहा, आपको अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कौन-सी जानकारी गोपनीय है। हेगसेथ ने अपने जवाब में कहा कि जो बात साफ है वो ये कि ये एक सफल सैन्य अभियान था।

दुख की घड़ी में हैं भारत के साथ, अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुनिया भर के नेताओं ने जताया शोक

वाशिंगटन, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रामफोसा ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका की संवेदनाएं भारत, ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा की सरकारों और लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अहमदाबाद में आज (गुरुवार को) हुए हृदय विदारक हवाई हादसे में अपने नागरिकों को खो दिया। हम आपके दुख में शामिल हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। जॉर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुखी हूं। इटली सरकार और अपनी ओर से मैं पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और इस दुख की घड़ी में भारतीय लोगों के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त करती हूं। यूरोपियन

कमीशन के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, भारत से अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर आई है। इस भयानक क्षति के पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। हम आपके दर्द को साझा करते हैं। यूरोप इस दुख की घड़ी में भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में 242 यात्रियों को ले जा रहे एयर इंडिया विमान की दुखद दुर्घटना से स्तब्ध हूं। हम सभी शोक संतप्त लोगों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना में शामिल हैं। बांग्लादेश इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ एकजुटता में खड़ा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमरा दिसानायके ने कहा, अहमदाबाद के पास एयर इंडिया की उड़ान एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने से बहुत दुखी हूं। हम विमान में सवार सभी प्रभावित लोगों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। नागरिक का हताहत होना भी उतना ही दुखद है, जिनमें युवा मेडिकल छात्र भी शामिल हैं, जिनका जीवन और भविष्य इस त्रासदी से प्रभावित हुआ है। इस गहरे दुख की घड़ी में, श्रीलंका के लोग भारत के साथ एकजुटता में खड़े हैं। भारत स्थित ईरानी दूतावास में विमान हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। दूतावास के बयान में कहा गया, इस्लामी गणराज्य ईरान यात्री विमान की दुखद दुर्घटना पर अपना गहरा दुख और हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। हम भारत सरकार और भारत के लोगों, विशेष रूप से पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती अवैध; संघीय जज का आदेश

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। लॉस एंजिलिस में आव्रजन के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती के फैसले को संघीय अदालत ने खारिज कर दिया है। संघीय न्यायाधीश ने एक आदेश में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैलिफोर्निया से नेशनल गार्ड हटाने के लिए कहा है। आदेश में कहा गया कि गार्ड की तैनाती अवैध है। यह 10वें संशोधन का उल्लंघन है तथा ट्रंप के वैधानिक अधिकार का अतिक्रमण है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश चार्ल्स ब्रेयर ने कहा कि आव्रजन दमन के विरोध में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में करीब चार हजार नेशनल गार्ड की तैनाती का आदेश देकर अपनी सीमा का अतिक्रमण किया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही गार्ड को उचित तरीके से नहीं बुलाया था। जज ने कहा कि इस देश की स्थापना एक राजा के प्रति सम्मान के रूप में की गई थी, और संविधान सीमाओं का एक दस्तावेज है। मैं यह पता लगाने का प्रयास कर रहा हूं कि सीमाएं कहां खींची गई हैं? कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने नेशनल गार्ड की तैनाती को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था। उन्होंने आपातकालीन याचिका दायर कर जज से गार्ड को आव्रजन छापों में सहायता करने से रोकने का अनुरोध किया। गवर्नर ने तर्क दिया कि सैनिकों को संघीय भवनों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। कोर्ट से अपील की गई थी

कि सैनिकों को छापों के दौरान आव्रजन एजेंटों की सुरक्षा करने से रोके। उन्होंने कहा कि गार्ड को शामिल करने से केवल तनाव बढ़ेगा और नागरिक अशांति को बढ़ावा मिलेगा। मेजर जनरल स्कॉट शेरमैन ने कहा कि बुधवार तक लगभग 500 गार्ड सैनिकों को आव्रजन अभियानों में एजेंटों के साथ जाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। एजेंटों को सुरक्षा प्रदान करने वाले गार्ड सैनिकों की तस्वीरें आव्रजन अधिकारियों द्वारा पहले ही प्रसारित की जा चुकी हैं। शेरमैन टास्क फोर्स 51 के कमांडर हैं, जो लॉस एंजिलिस में भेजे गए गार्ड सैनिकों और मरीन की देखरेख कर रहे हैं। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद लॉस एंजिलिस में 4,000 नेशनल गार्ड और 700 मरीन तैनात किए हैं। मामले में ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ये तैनाती फेडरल इमारतों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए है।

इजराइल ने ईरान के 4 एटमी ठिकाने तबाह किए: 2 सैन्य अड्डे भी बर्बाद, सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स चीफ और दो परमाणु वैज्ञानिकों की मौत

तेहरान, एजेंसी। इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान के एटमी और दूसरे सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला किया है। इसमें ईरान के 2 बड़े सैन्य अधिकारी और 2 परमाणु वैज्ञानिक मारे गए हैं। एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि राजधानी तेहरान में शाहरक शाहिद महालती नामक जगह पर हमला हुआ। यहां पर हाई रैंक वाले ईरानी सैन्य अफसर रहते हैं। हमले में 3 इमारतें तबाह हो गई हैं। एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने दावा किया कि ईरान गुपचुप तरीके से परमाणु हथियार बना रहा है और उसके पास कुछ ही दिनों में 15 परमाणु बम बनाने लायक सामग्री है। इसे रोकने के लिए यह हमला किया गया। इजराइल के हमले में ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी की मौत हो गई। देश के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। टेलीविजन में समाचार प्रस्तोता ने एक बयान पढ़ा जिसमें कहा गया, ''जनरल हुसैन सलामी की हत्या कर दी गई है।'' हालांकि बयान में इसके अलावा कोई जानकारी नहीं दी गई। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने ईरान के परमाणु और सैन्य स्थलों, उसके परमाणु कार्यक्रम का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों और उसके बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार को निशाना बनाया है।

उन 6 जगहों के बारे में जानिए जहां हमला हुआ

1. नतांज- ईरान का मेन परमाणु फैसिलिटी सेंटर : हमला क्यों हुआ- यहां एडवांस सेंट्रीफ्यूज लगे हैं जो यूरेनियम को हथियार-योग्य स्तर तक ले जा सकते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इसे ईरान का सबसे बड़ा परमाणु खतरा बताया। आईएईए रिपोर्ट- साइट को भूमिगत 7.6 मीटर मोटी दीवार से ढका गया था, लेकिन फिर भी हमले में मुख्य ट्रांसफॉर्मर को नुकसान हुआ।

2. तेहरान- ईरान की राजधानी, कई अहम मिलिट्री ठिकाने : ईरान की राजधानी, जहां प्रमुख सैन्य और परमाणु अधिकारी रहते हैं। यहां पर आईआरजीसीकमांडर हुसैन सलामी, सेनाध्यक्ष मोहम्मद बघेरी और परमाणु वैज्ञानिकों के ठिकानों पर हमला किया गया। हमला क्यों हुआ- इजराइल ने नेतृत्व पर सीधा हमला कर यह जताया कि वो ईरान के सबसे सुरक्षित केंद्रों तक पहुंच सकता है।

3. इस्फहान- परमाणु टेक्नोलॉजी सेंटर : इस शहर में यूरेनियम कन्वर्जन फैसिलिटी है, जहां कच्चे यूरेनियम को गैस में बदला जाता है। यहां न्यूक्लियर फैसिलिटी की शुरुआत साल 1999 में हुई। इस शहर में ईरान का एक बड़ा एयरबेस भी है, यहां पुराने अमेरिकी स्न-14 टॉमकैट फाइटर जेट रखे गए हैं, जो ईरान ने 1979 की क्रांति से पहले खरीदे थे। माना जा रहा है कि इस बार के हमले में एयरबेस पर स्थित एक रडार केंद्र को निशाना बनाया गया था। इस्फहान में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियां भी हैं, जिनमें से एक पर पिछले साल भी इजराइल ने हमला किया था। इस बार 3 ड्रोन से यहां हमला हुआ। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि दो ड्रोन मार गिराए गए और एक ने फैक्ट्री की छत को थोड़ा नुकसान पहुंचाया।

हमला क्यों हुआ- ईरान की वायुसेना और रक्षा सिस्टम को कमजोर करना और हिजबुल्लाह जैसे संगठनों को हथियार मिलने से रोकना।

4. अराक- हैवी वाटर रिएक्टर : अराक में हैवी वाटर रिएक्टर है। इससे प्लूटोनियम बन सकता है। यह परमाणु हथियार बनाने का एक और तरीका है। हमला क्यों हुआ- ईरान के एटमी प्रोग्राम के दूसरे रास्ते को भी रोकना।

5. तबरीज- न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर, सैन्य बेस और एक बड़ा तेल रिफाइनरी : ईरान के अजरबैजान प्रांत की राजधानी है। यहां कई मिलिट्री वेयरहाउस, मिसाइल प्रोडक्शन यूनिट और ढ्ढक्रत्नष्ट से जुड़े ठिकाने हैं। हमला क्यों हुआ- सैन्य और आर्थिक ढांचे को कमजोर करना।

6. करमनशाह- यूरेनियम कन्वर्जन फैसिलिटी : ईरान के मिसाइल बेस और औद्योगिक कॉम्प्लेक्स इराक सीमा के पास हैं।

हमला क्यों हुआ- अक्टूबर 2024 के ईरानी मिसाइल हमलों के बाद, करमनशाह से संभावित जवाबी हमलों को रोकना।

पंचकूला जोन की उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच

चण्डीगढ, 14 जून: उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। 'पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके। बिजली निगम के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच रेगुलेशन 2.8.2 के अनुसार प्रत्येक मामले में एक लाख रुपये से अधिक और 3 लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगा। पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों नामत: कुरुक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, कैथल और यमुनानगर के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण 16 और 23 जून को जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, पंचकूला में उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जु? मामलों, ख़राब हुए मीटरों से सम्बंधित मामलों, वोल्टेज से जु? हुए मामलों का निपटान किया जाएगा। उपभोक्ता और निगम के बीच किसी भी विवाद के निपटान के लिए फोरम में वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायत प्रस्तुत करने से पहले पिछले छ: महीनों के दौरान उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए बिजली के औसत शुल्क के आधार पर गणना की गई प्रत्येक माह के लिए दावा की गई राशि या उसके द्वारा देय बिजली शुल्क के बराबर राशि, जो कम है

आनंदपुर साहिब

दुनिया बहुत रंगीन है। यहां हर तरह के लोग पाए जाते हैं। लेकिन अवसरवादी और मतलबी लोगों की इस दुनिया में कुछ लोग अलग-अलग प्रवृत्ति और अलग-अलग स्वभाव के होते हैं। इन्हीं में से एक हैं- आसरा फाउंडेशन श्री आनंदपुर साहिब के अध्यक्ष और स्टेट अवार्डी मास्टर संजीव धर्माणी। गौरतलब है कि मास्टर

संजीव धर्माणी वर्ष 1995 से लेकर अब तक लगातार दूरदराज के जंगलों और पहाड़ों पर जाकर पक्षियों के लिए दाना-पानी, जानवरों के लिए फल, कीड़ों के लिए पंच अनाज और हर तरह के मौसम में उनके खाने-पीने की वस्तुओं का प्रबंध करते आ रहे हैं। इस काम के लिए वह अपनी कमाई में से करीब 15 हजार रुपये प्रतिमाह खर्च करते हैं और इस काम में सहयोग करने के लिए उन्होंने 2000 रुपये प्रतिमाह के खर्च पर एक व्यक्ति को भी अपने साथ रखा हुआ है। अगर बात करें उनकी पृष्ठभूमि की तो वह काफी संघर्षशील व्यक्ति हैं और अपने माता-पिता के इकलौते बेटे हैं। करीब 14 साल के संघर्ष के बाद उन्होंने अपने जीवन में बड़ी ऊंचाइयां हासिल कीं और दो बार इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया। उनकी पत्नी मैडम रजनी धर्माणी भी सरकारी अध्यापिका हैं तथा उनकी बड़ी बेटी सलोनी धर्माणी सरकारी पटवारी के पद पर कार्यरत हैं तथा उनकी छोटी बेटी वंदना धर्माणी अभी 11वीं कक्षा में पढ़ रही है। पर्यावरण प्रकृति प्रेमी मास्टर संजीव धर्माणी को अब तक पांच दर्जन से अधिक (60) सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं व महान हस्तियों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है तथा वह आसरा फाउंडेशन श्री आनंदपुर साहिब, अलायंस क्लब इंटरनेशनल, भ्रष्टाचार एवं अपराध नियंत्रण संगठन/ट्रस्ट इंडिया, श्री रामड्रामेटिक कमेटी गंगूवाल जैसी अनेक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं तथा वहां भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। इस संबंध में जब राज्य पुरस्कार प्राप्त अध्यापक मास्टर संजीव धर्माणी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि शुरू से ही मेरा प्रकृति की ओर झुकाव रहा है, मैं प्रकृति से प्रेम करता हूं तथा अपने अध्यापकों प्रिंसिपल कुलवंत सिंह नौरा व माता श्रीमती कमला देवी की शिक्षा से मुझे पक्षियों व वन्य जीवों व उनकी सेवा से भी प्रेम पैदा हुआ है। इस पूरे कार्य में मेरे पूरे परिवार व विशेषकर मेरी पत्नी मैडम रजनी धर्माणी का भरपूर सहयोग रहता है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि जो कुछ भी होता है ईश्वर की आज्ञा से होता है और मुझे खुशी है कि ईश्वर मुझसे यह सेवा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने दान का अधिकतम भाग पशु-पक्षियों और प्रकृति के कल्याण के लिए खर्च करते हैं और अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना और उनकी निरंतर देखभाल करना और उन्हें पानी देना, इन पशु-पक्षियों की रक्षा करना वे अपना कर्तव्य समझते हैं और ऐसा करके उन्हें बहुत खुशी महसूस होती है। अपनी बात जारी रखते हुए मास्टर संजीव धर्माणी ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि ईश्वर ने उन्हें इस नेक कार्य के लिए चुना है। ईश्वर ऐसे लोगों को आशीर्वाद दे! वे जीवन में और आगे बढ़ें और जीव-जगत, प्रकृति और पर्यावरण की देखभाल करते रहें। सचमुच! मास्टर संजीव धर्माणी जैसे परोपकारी महान लोग पर्यावरण और प्रकृति के सच्चे रक्षक हैं जो शब्दों की बजाय कर्म पर विश्वास करते हैं।

फ़ादर्स डे: -संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

'फ़ादर्स डे' एक ऐसा दिन है जबकि हम अपने-अपने पिता के प्रति विशेष सम्मान व आभार प्रकट करते हैं। यह एक ऐसा दिन भी है जबकि हम परमात्मा को याद करते हैं, जोकि हम सबके पिता-परमेश्वर हैं। इस दिन हम अपने शारीरिक पिता से मिले प्रेम को और उनसे मिले उपहारों को दिल से याद करते हैं, तथा उनका धन्यवाद करते हैं। यह एक ऐसा समय भी है जबकि हम प्रभु से मिली देनों व बरक़तों को याद करते हैं, तथा उनका शुक्राना अदा करते हैं। प्रभु ही हमारे सच्चे पिता हैं, और हर तरह से हमारा ख़याल रखते हैं। हरेक माता-पिता अपनी संतान में वो सद्गुण एवं नैतिक मूल्य देखना चाहते हैं जो स्वयं उनके अंदर होते हैं। हरेक माता-पिता चाहते हैं कि उनका बेटा या बेटी बड़े होकर अच्छे इंसान बनें। प्रभु हमसे अलग नहीं हैं। यह हमारा मन है जो हमें प्रभु से दूर कर देता है। परमात्मा का अंश, आत्मा, प्रत्येक इंसान के अंदर पाई जाती है। परमात्मा ने आत्मा को अपने ही नमूने पर बनाया है। समस्त मानव जाति परमात्मा के स्वरूप के आधार पर ही बनाई गई है। प्रभु चाहते हैं कि हम सभी उस महान् स्वरूप के अनुसार ही अपना जीवन जिएँ, सद्गुणों एवं नैतिक मूल्यों को अपने अंदर धारण करें। प्रभु चाहते हैं कि हम केवल उनसे ही नहीं, बल्कि उनकी बनाई हुई सृष्टि में मौजूद सभी इंसानों व जीवों से प्रेम करें। इसी उद्देश्य से सृष्टि का निर्माण किया गया था। कहा जाता है कि प्रभु ने समस्त मानव जाति को एक-दूसरे से प्रेम व करुणा का व्यवहार करने के लिए ही बनाया है, नहीं तो अगर प्रभु को केवल अपनी भक्ति ही करानी होती, तो उसके लिए तो फ़रिश्ते ही काफ़ी थे। परंतु प्रभु ने फिर भी इंसानों को बनाया, ताकि व न केवल प्रभु से प्रेम करें, बल्कि आपस में एक-दूसरे से भी प्रेम करें। जो इंसान अपने साथी इंसानों की मदद करता है, वो प्रभु को अच्छा लगता है। अपनी इच्छाओं व सुखों का त्याग करके भी दूसरों की सहायता करना, यह विशिष्ट गुण परमात्मा को बहुत अच्छा लगता है; और जिसके अंदर भी यह सद्गुण मौजूद होता है, वो इंसान भी परमात्मा को बहुत भाता है। इस धरती पर अरबों आत्माएँ जी रही हैं। उनमें से बहुत से लोग स्वार्थ एवं लापरवाही से भरपूर जीवन जी रहे हैं। बहुत से लोग तो आपे से बाहर जाकर भी अधिकार, शोहरत, सत्ता, मान-प्रतिष्ठा चाहते हैं। इसका अर्थ यह है कि वे लोग प्रभु की विपरीत दिशा में क़दम उठा रहे हैं। जबकि प्रभु तो वास्तव में यही चाहते हैं कि हम न केवल उनसे बल्कि सभी इंसानों से एक समान ही प्रेम करें। जो लोग ऐसा करते हैं, केवल वे ही सच्चे मायनों में प्रभु की संतान हैं। 'फ़ादर्स डे' के दिन हम अपने-अपने पिता को सम्मान देने की सोचते हैं। लेकिन इसके साथ ही हमें प्रभु को भी सम्मान व धन्यवाद देना चाहिए, जोकि हम सबके सच्चे व सर्वोपरि पिता हैं। इसका सबसे अच्छा तरीक़ा यह है कि हम उनके द्वारा मिली देनों एवं बरक़तों को याद करें तथा उनका शुक्रिया अदा करें। दूसरे, हमें जिस महान् उद्देश्य के लिए यह मानव जन्म मिला है, उसे हम पूरा करें और अपने आध्यात्मिक लक्ष्य को प्राप्त करें। आइए, आज के दिन हम लोग अपने शारीरिक पिता को धन्यवाद देने के साथ-साथ पिता-परमेश्वर, जिनसे हमें अपने जीवन के सभी उपहार प्राप्त हुए हैं, का भी दिल से शुक्राना अदा करें।

मई माह तक अनुसूचित जाति के 311 लाभार्थियों को 221.74 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की प्रदान

चण्डीगढ, 14 जून। हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मई माह तक विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुसूचित जाति के 311 लाभार्थियों को 221.74 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिसमें 24.14 लाख रुपये की सब्सिडी भी शामिल है। श्री कृष्ण कुमार बेदी ने बताया कि निगम द्वारा अनुसूचित जाति से संबंधित लोगों को विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत ऋण मुहैया करवाया जाता है ताकि वे अपना कारोबार और स्व-रोजगार स्थापित कर सकें। इन श्रेणियों में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, व्यापार और कारोबार क्षेत्र तथा स्व-रोजगार क्षेत्र शामिल हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की सहायता से लागू योजनाओं के तहत भी उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र के अंतर्गत 130 लाभार्थियों को डेरी फार्मिंग, भे? पालन और सूअर पालन के लिए 104.72 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध करवाया गया है, जिसमें से 97.61 लाख रुपये बैंक ऋण और 7.11 लाख रुपये सब्सिडी के रूप में जारी किए गए हैं। इसी प्रकार, औद्योगिक क्षेत्र, व्यापार और कारोबार क्षेत्र के अंतर्गत 177 लाभार्थियों को 114.52 लाख रुपये की राशि मुहैया करवाई गई, जिसमें से 86.44 लाख रुपये बैंक ऋण, 16.63 लाख रुपये की सब्सिडी और 11.45 लाख रुपये मार्जिन मनी के रूप में जारी किए गए। इसी प्रकार, व्यावसायिक एवं स्व-रो?गार क्षेत्र के अंतर्गत 4 लाभार्थियों को 2.50 लाख रुपये की राशि मुहैया करवाई गई, जिसमें से 1.85 लाख रुपये बैंक ऋण, 40 हजार रुपये की सब्सिडी और 25 हजार रुपये मार्जिन मनी के रूप में जारी किए गए।

योगी सरकार प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती का सौंपेगी नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 14 जून। योगी सरकार रविवार को यूपी पुलिस विभाग की सबसे बड़ी आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती 60,244 का नियुक्ति पत्र वितरित करेगी। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। योगी सरकार द्वारा आयोजित आरक्षी पुलिस नियुक्ति पत्र को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा वितरित किया जाएगा। बता दें कि योगी सरकार द्वारा प्रदेश के इतिहास में पहली बार पुलिस विभाग में इतने बड़े पैमाने पर आरक्षी सिपाही भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया गया। इतना ही नहीं योगी सरकार ने सकुशल भर्ती प्रक्रिया संपन्न कराने के साथ हाईटेक ट्रेनिंग देने के साथ रिकार्ड समय में ज्वाइनिंग देकर नया कीर्तिमान रचने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में पुलिस बल को सशक्त और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से 60,244 आरक्षियों की सीधी भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। देश की अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती प्रक्रिया को अभूतपूर्व तकनीकी नवाचारों और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न किया गया, जिसकी प्रशंसा न केवल प्रदेश में बल्कि पूरे देश में हो रही है। आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती-2023 के तहत 48,196 पुरुष और 12,048 महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ। यह प्रक्रिया उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा संचालित की गई। इस परीक्षा के लिए कुल 48.17 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 15.49 लाख महिलाएं थीं। इतने विशाल स्तर पर परीक्षा आयोजित करना शासन और भर्ती बोर्ड दोनों के लिए एक बड़ी चुनौती थी, जिसे अत्याधुनिक तकनीक और सख्त निगरानी से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। योगी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के

लिए कई नवाचार किए। परीक्षा केंद्रों का चयन नगर क्षेत्र के सरकारी या सहायता प्राप्त विद्यालयों तक सीमित रखा गया और पूर्व में संदिग्ध पाए गए केंद्रों को पूरी तरह बाहर कर दिया गया। प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिए डबल लॉक स्ट्रॉंग रूम, चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी, बॉयोमेट्रिक सत्यापन, फेशियल रिकग्निशन और रियल टाइम आधार सत्यापन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। इसके अलावा परीक्षा के संचालन में किसी भी निजी व्यक्ति को शामिल नहीं किया गया और केवल राजपत्रित अधिकारियों को ही तैनात किया गया। योगी सरकार ने लिखित परीक्षा पांच दिनों में 10 शिफ्टों में सम्पन्न कराई गई और ओएमआर शीट्स की स्कैनिंग सीसीटीवी निगरानी में की गई। परीक्षा परिणाम रिकॉर्ड समय में जारी करते हुए 1.74 लाख अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए अर्ह घोषित किया गया। दस्तावेज़ सत्यापन (छ्ड्ड,शारीरिक मानक परीक्षण (क्कस्ञ्ज)और दौड़ (क्कश्वञ्ज)को प्रदेश के 75 जिलों और 12 पीएसी बटालियनों में सख्त निगरानी और ऋस्नड्ढष्ठ तकनीक के माध्यम से पूर्ण किया गया। अंतत: कुल 60,244 अभ्यर्थियों की चयन सूची 13 मार्च को जारी की गई। भर्ती प्रक्रिया ने प्रदेश के हर जिले के युवाओं को अवसर प्रदान किया। सबसे अधिक अभ्यर्थी आगरा (2,349) से चयनित हुए, जबकि सबसे कम श्रावस्ती (25) से सेलेक्ट हुए। वहीं अन्य राज्यों बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली आदि से भी 1,145 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। सामाजिक विविधता को ध्यान में रखते हुए सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी और एसटी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रतिनिधित्व मिला। योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अभ्यर्थियों के सिर्फ चयन ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षण व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया है। सभी अभ्यर्थियों को हाईटेक ट्रेनिंग दी जा रही है और प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता भी बढ़ाई गई है, जिससे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित हो सके। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित यह भर्ती न केवल तकनीकी श्रेष्ठता और प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण बनी है, बल्कि यह युवाओं के सपनों को साकार करने वाली पहल के पीएसी बटालियनों में सख्त निगरानी और ऋस्नड्ढष्ठ तकनीक के माध्यम से पूर्ण किया गया। अंतत: कुल 60,244 अभ्यर्थियों की चयन सूची 13 मार्च को जारी की गई। भर्ती प्रक्रिया ने प्रदेश के हर जिले के युवाओं को अवसर प्रदान किया। सबसे अधिक अभ्यर्थी आगरा (2,349) से चयनित हुए, जबकि सबसे कम श्रावस्ती (25) से सेलेक्ट हुए। वहीं अन्य राज्यों बिहार, मध्यप्रदेश, रूप में भी याद की जाएगी। योगी सरकार की यह पहल 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को सच्चे अर्थों में चरितार्थ करती है। मालूम हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदैव युवाओं को सरकारी सेवाओं से जोड़ने और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है। यह भर्ती प्रक्रिया इस नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें रिकॉर्ड समय में निष्पक्ष तरीके से योग्य युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया। पुलिस बल को सशक्त बनाकर कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह एक मील का पत्थर है।

अंडरपास से गुजर रहे हिरण, गजराज

देहरादून, 14 जून। देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस वे पर आवागमन को त्वरित, सुविधाजनक बनाने के साथ वन्यजीवों की फिक्र के तहत 14 किमी अंडरपास निर्मित किया गया है। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया के अंडरपास में वन्यजीवों की हलचल देखने के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप में हाथी, हिरण समेत अन्य वन्यजीव गुजरते हुए दिख रहे हैं। वनाधिकारियों के अनुसार संभावना है कि नीचे का रास्ता पूरी तरह बंद होगा, उसके बाद वन्यजीवों की हलचल में और बढ़ोतरी होगी। दून- दिल्ली एक्सप्रेस वे की योजना का खाका खींचा जा रहा था, तो वन्यजीवों के आवागमन के मद्देनजर भारतीय वन्यजीव संस्थान ने अध्ययन किया था, इसके बाद संबंधित क्षेत्र में 14 किमी अंडरपास की योजना बनी, यह कार्य पूरा हो चुका है। पर अभी एक्सप्रेस वे मार्ग को विधिवत खुलना बाकी है। इस अंडरपास से वन्यजीवों की हलचल समेत अन्य अध्ययन के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान ने 160 कैमरा ट्रैप लगाए। अब कैमरा ट्रैप में आए फोटोग्राफ देखकर वैज्ञानिक और वन विभाग खुश है। अंडरपास से हाथी, हाथी का झुंड, हिरण, सांभर जाते हुए दिख रहे हैं। इसमें कई फोटोग्राफ रात और शाम के समय के हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक बिलाल हबीब कहते हैं कि इसमें जो फोटोग्राफ आए हैं, उसमें हाथी समेत दूसरे वन्यजीवों की हलचल होती दिख रही है। यह बेहतर संकेत है। राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक कोको रोसो कहते हैं कि कैसे बिना वन्यजीवों को प्रभावित हुए साथ विकास कार्य किए जा सकते हैं, उसका यह बढ़िया उदाहरण है।

जाम मुक्त होगा दिल्ली का सबसे व्यस्त चौराहा

नई दिल्ली, 14 जून। आईटीओ चौराहे पर हर दिन लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग ने इस व्यस्त चौराहे पर फ्लाईओवर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह परियोजना रिंग रोड और विकास मार्ग को जोड़ने वाले ट्रांजिट कॉरिडोर को बेहतर बनाने का हिस्सा है, जिससे दिल्लीवासियों का सफर आसान और तेज होगा। इस परियोजना की विस्तृत कार्य योजना (डीपीआर) तैयार करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने करीब दो करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इसमें एक सलाहकार एजेंसी के जरिए ट्रैफिक और तकनीकी पहलुओं का अध्ययन (पीसिबिलिटी स्टडी) होना है। ये सलाहकार एजेंसी करीब सात महीने में डीपीआर तैयार करेगी। इसमें ट्रैफिक अध्ययन, परियोजना पर होने वाला खर्च और पर्यावरणीय मंजूरी, पेड़ों की कटाई के लिए सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) की मंजूरी, यूटीपेक और डीयूएसी से डिजाइन मंजूरी शामिल होगी। दो जुलाई तक सलाहकार एजेंसी तय की जानी है। पीब्ल्यूडी के मुकाबिक इस परियोजना में सिर्फ फ्लाईओवर

और अंडरपास ही नहीं, बल्कि पूरे कॉरिडोर और उसके आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क और कनेक्टिविटी को भी सुधारा जाएगा। आईटीओ और इसके आस पास के सभी चौराहों, मध्य-खंडों का विस्तृत थ्री-डी डिजाइन तैयार किया जाएगा। इसके शुरुआती सर्वे में पाया गया है कि रिंग रोड से विकास मार्ग की ओर फ्लाईओवर बनाना संभव है, लेकिन बहादुर शाह जफर मार्ग पर रेलवे लाइन और मेट्रो के कारण फ्लाईओवर या अंडरपास बनाना मुश्किल है। सलाहकार एजेंसी को ट्रैफिक सर्वे, जियो-टेक्निकल जांच और थ्री-डी डिजाइन बनाकर इसका हल निकालना होगा। आईटीओ चौराहा दिल्ली का एक प्रमुख ट्रैफिक हब है, जहां रिंग रोड, विकास मार्ग और बहादुर शाह जफर मार्ग मिलते हैं। यहां भारी ट्रैफिक और पैदल यात्रियों की भीड़ के कारण अक्सर जाम लगता है। सरकारी दफ्तरों, जैसे आयकर भवन और आईसीएआई के साथ आईटीओ मेट्रो स्टेशन, बस स्टॉप इस इलाके को और व्यस्त बनाते हैं। इस कारण कई बार विकास मार्ग और अक्षरधाम तक घंटों जाम लगता है। पीडब्ल्यूडी का लक्ष्य है कि यहां एक फ्लाईओवर बनाकर ट्रैफिक को सुचारू किया जाए।

शादी टूटने से खफा दूल्हे ने रेता दुल्हन का गला

लोटन, 14 जून। यूपी के सिद्धार्थनगर स्थित लोटन कोतवाली क्षेत्र के तरघौना गांव में गुरुवार को घर में सो रही किशोरी के गले को एक सिरफिरे ने रेत दिया और लहूलुहान हाल में छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज से गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हमला करने के पीछे शादी को टूटना बताया जा रहा है। लड़की और आरोपी की शादी तय थी, जो किन्हीं कारणों से टूट गई। इससे नाराज होकर उसने ऐसा कदम उठाया है। वहीं, पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज करके आरोपी के तलाश में जुटी हुई है। परिजनों ने लोटन कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि प्रियंका की शादी महराजगंज जिले के थाना कोल्हुई अन्तर्गत ग्राम बेलवा बकहनिहां में पसंद कुमार पुत्र जयकिशन के साथ तय था। बाद में किसी कारण वश टूट गया। जिससे क्षुब्ध होकर सिरफिरे युवक पसंद ने हथियार लेकर गुरुवार आधी रात को तरघौना पहुंचकर घर के बाहर सो रही प्रियंका का गला रेत दिया। जिससे लहूलुहान हो गई। छटपटाने पर परिजनों की आंख खुल गई और आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वो भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की को अपने अभिरक्षा में लेकर सीएचसी लोटन ले गई। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज भेज दिया। लेकिन लड़की की लगातार हालत बिगड़ता देख वहां से भी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेज दिया गया। जहां उसकी लड़की की हालत गम्भीर बनी हुई है। वहीं, मिले शिकायती पत्र के आधार पर पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धारा में केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु कर दी है। इस संबंध में एसओ लोटन डीके सरोज ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

दिल्ली में जल संकट! पानी का संयम से उपयोग करने की अपील

नई दिल्ली, 14 जून। यमुना नदी स्थित वजीराबाद बैराज पर जल स्तर सामान्य से काफी नीचे पहुंच गया है। इस कारण दिल्ली जल बोर्ड के प्रमुख जल संयंत्र वजीराबाद और चंद्रावल में पानी का उत्पादन 25 से 30 प्रतिशत तक घट गया है। लिहाजा भीषण गर्मी में दिल्ली के करीब 30 प्रतिशत इलाकों में पेयजल संकट गहरा गया है। जल बोर्ड के अनुसार, वजीराबाद बैराज का जल स्तर सामान्यत 674.50 फीट होना चाहिए, लेकिन फिलहाल यह घटकर 668.70 फीट रह गया है। इस गिरावट के चलते दोनों संयंत्रों को आवश्यक कच्चे जल की आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिससे संयंत्रों की उत्पादन क्षमता पर असर पड़ा है। सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा से यमुना नदी के जरिए आने वाले जल की आपूर्ति में कमी इस संकट का मुख्य कारण है। दिल्ली हर साल गर्मी के मौसम में इस कारण जल संकट से जूझती है। वजीराबाद संयंत्र से जुड़े अनेक इलाकों में पानी का दबाव बेहद कम हो गया है। इनमें मजनूं का टीला, आईएसबीटी, जीपीओ, आईटीओ, हंस भवन, एलएनजेपी अस्पताल, डिफेंस कॉलोनी, ग्रेटर कैलाश, बुराड़ी, शालीमार बाग, वजीरपुर, जहांगीरपुरी, मॉडल टाउन, पंजाबी बाग, आजादपुर, राजघाट, रामलीला मैदान और साउथ दिल्ली के कुछ हिस्से शामिल हैं। वहीं, चंद्रावल संयंत्र से जुड़े सिविल लाइन्स, हिंदू राव अस्पताल, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाड़गंज, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, प्रेम नगर और इंदरपुरी में भी पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। दिल्ली जल बोर्ड ने जनता से अपील की है कि जब तक जल स्तर सामान्य नहीं हो जाता, तब तक पानी का उपयोग संयमपूर्वक करें। जरूरत पड़ने पर टैंकर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिसके लिए जल बोर्ड की हेल्पलाइन पर संपर्क किया ज सकता है।

डायरिया मुक्त भारत अभियान 16 जून से 31 जुलाई 2025 तक- डीसी पार्थ गुप्ता

यमुनानगर, 14 जून। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि जिला यमुनानगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों और वयस्कों में दस्त (डायरिया) से बचाव व रोकथाम करना है। सिविल सर्जन डॉ. मंजीत सिंह ने बताया कि डायरिया एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से रोके जाने योग्य रोग है। गर्मी और बरसात के मौसम में इसके मामले बढ़ जाते हैं। यदि समय रहते सही उपचार और बचाव किया जाए तो इससे जान बचाई जा सकती है। घोल और जिंक की गोलियों का प्रयोग डायरिया के इलाज में बेहद प्रभावी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर ओआरएस पैकेट और जिंक की गोलियां

निःशुल्क वितरित की जाएंगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पुनीत कालरा ने बताया कि अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे साफ पानी पिएं, खाना खाने से पहले और शौच के बाद हाथ धोएं। डायरिया से बचने के लिए साफ -सफाई सबसे बड़ा हथियार है। यह अभियान समुदाय में स्वास्थ्य शिक्षा बढ़ाने और समय पर उपचार उपलब्ध करवाने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने बताया कि इस अभियान की मुख्य गतिविधियां घर-घर जाकर ओआरएस व जिंक का वितरण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर द्वारा लोगों को जागरूक करना, स्कूलों व पंचायतों में जागरूकता शिविर लगाकर डायरिया के लक्षण और बचाव के उपायों पर विशेष जानकारी देना शामिल है। स्वास्थ्य विभाग आम जनता से अपील करता है कि वह इस अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और डायरिया से बचाव के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें। साफ पानी, स्वच्छता और समय पर इलाज डायरिया से बचाव का यही है इलाज। अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

अंबाला में पकड़ी गई लुटेरी हसीना, रातभर युवक के साथ होटल में रुकी

अंबाला (हरियाणा), 14 जून। प्यार के जाल में फंसाने के बाद लड़कों को पहले होटल में बुलाकर रातभर उनके साथ रुकती और सुबह होते ही पुलिस बुलाकर रेप के आरोप लगाते हुए गिरफ्तार करवा देती। बाद में अपने साथियों के साथ मिलकर समझौते की राशि लेकर रफूचक्कर हो जाती है। अंबाला के पडाव थाना पुलिस ने ऐसे ही एक हनी ट्रैप के मामले का खुलासा किया है। पहले तो मुंबई स्थित चेंबूर के इंदिरा नगर निवासी आरोपी आरती उर्फ मीना दिल्ली से युवक को बुलाकर उसके साथ होटल में रुकी। सुबह पुलिस को बुलाने के बाद शिकायत देने की जगह अपने साथियों संग मिलकर सेंटिंग करने लगी। पुलिस ने शक होने पर थाने से कुछ ही दूरी पर युवती सहित तीन आरोपियों को 50 हजार रुपये की राशि लेते मौके पर दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी आरती, मोहम्मद अली, दिनेश सहगल को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह कार्रवाई बीएनएस की धारा 61 आपराधिक साजिश, धारा-308-2 जबरन वसूली आदि धाराओं के तहत की गई है। सिटी के हरि पैलेस निवासी रजत ने बताया कि चाचा का बेटा अंकुश अपनी दोस्त दिल्ली निवासी आरती से बातचीत करता था। 12 जून को दोनों आपस में बातचीत करके होटल में रुके थे। सुबह के समय आरती ने अचानक फोन करने के बाद डायल-112 की टीम को मौके पर बुला लिया। युवती लगातार ब्लैकमेल करती रही व दिल्ली से अपनी मुंह बोले भाई मुन्ना उर्फ मोहम्मद अली व अंबाला सिटी निवासी दिनेश सहगल को बुला लिया। सभी मिलकर अंकुश को मिलकर फंसाने का दबाव बनाया और इसकी एवज में 3 लाख रुपये मांगे थे। उधर, पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि युवती द्वारा पहले भी इसी तरह से मामले दर्ज करवाए गए हैं। अंबाला सिटी में एक मामला आया था। फिलहाल युवती का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। इंस्पेक्टर धर्मबीर ने बताया कि रातभर अंबाला कैंट के एक होटल में रुकने के बाद युवती ने सुबह डायल- 112 को बुलाकर रेप होने की बात कहीं थी। दोनों पक्षों को पुलिस थाने में ले आई थी। थाने में आने के बाद युवती ने शिकायत न देकर बोला कि उसका उसका भाई दिल्ली से आएगा, उसके कहने पर ही वह आगे का निर्णय लेगी। युवती का भाई आरोपी मुन्ना आया व उसके साथ अंबाला सिटी निवासी दिनेश सहगल नाम का एक युवक आया। दोनों ने मिलकर सोची समझी साजिश के तहत अंकुश के चचेरे भाई से बातचीत कर तीन लाख की मांग की और एक लाख रुपये में इनकी सेटिंग कर ली थी। पुलिस को शक हुआ। जब तीनों आरोपी थाने से कुछ दूरी पर मामला खत्म करने के लिए लेनदेन कर रहे थे तो पुलिस ने दबिश देकर 50 हजार रुपये की राशि सहित तीनों को काबू किया।

बिजली निगमों के अधिकारियों को खराब ट्रांसफार्मर बदलने के दिए हुए हैं निर्देश

चंडीगढ, 14 जून। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी के चंदपुरा गांव में बिजली के खराब ट्रांसफार्मर को 15 दिन बाद भी नहीं बदलने वाले बिजली निगम के जेई (कनिष्ठ अभियंता) संजय कुमार को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज को अंबाला छावनी के गांव चंदपुरा के ग्रामीणों ने शिकायत दी थी जिस पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेई को निलंबित करने के निर्देश दिए थे। ग्रामीणों का आरोप था कि चंदपुरा में बिजली का ट्रांसफार्मर कई दिनों से खराब है और इस संबंध में उन्होंने इंडिस्ट्रयल एरिया के जेई को लगभग 15 दिन पहले शिकायत दी थी। मगर अब तक न तो ट्रांसफार्मर को ठीक किया गया और न ही इसे बदला गया है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मोदी सरकार ने 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखीः देवेंद्र अत्री

जींद। उचाना से भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी और वैश्विक मंच पर सशक्त राष्ट्र की पहचान बनाई। यही कारण है कि आज विकसित भारत और अमृतकाल जैसे संकल्प जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। इन 11 वर्षों में मोदी सरकार ने कांग्रेस के समय से चली आ रही तुष्टिकरण की राजनीति को बंद करके परफार्मेंस की राजनीति में बदला है। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री अपने आवास पर जनसमस्याओं को सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। विधायक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित में ऐतिहासिक और निर्णायक फैसले लिए हैं। देश की जनता कहने लगी है कि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी सरकार ने धारा 370 को हटाया, तीन तलाक का खात्मा किया और नया वक्फ कानून लेकर आई। पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में अब निर्णायकता और आक्रामकता एक न्यू नॉर्मल बन गई है। सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक छवि को दुनिया में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार, घोटालों और तुष्टिकरण की बात होती थी। सरकारी योजनाओं का लाभ बिचौलिए खा जाते थे। कांग्रेस के समय में देश की अर्थव्यवस्था हिचकौले लेती थी। जब से देश में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी है तब से घोटालों का अंधेरा दूर हुआ है और सुशासन का प्रकाश फैल रहा है।

सिरसा के समग्र विकास को दर्शाती पेंटिंग का एडीसी ने किया लोकार्पण

सिरसा। सिरसा के अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने सिरसा के समग्र विकास को दर्शाती पेंटिंग का लोकार्पण किया। जिला के राजकीय स्कूलों में आयोजित करवाई गई पेंटिंग प्रतियोगिताओं के आधार पर 200 से ज्यादा कलाकृतियों के आधार पर यह पेंटिंग बड़ागुढा स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की कला अध्यापिका प्रवीण रानी के नेतृत्व में छात्रा निशा व प्रियंका द्वारा तैयार की गई है। एडीसी ने बताया कि सिरसा के बारे में स्टूडेंट्स के विचार पेंटिंग के माध्यम से मांगे गए थे, जिसके बाद 200 से अधिक स्टूडेंट्स ने पेंटिंग के जरिए सिरसा के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया। उन्होंने बताया कि इस कलाकृति में सबसे ऊपर लड़ाकू विमान को दर्शाया गया है, जो सिरसा एयरफोर्स स्टेशन की हवाई ताकत को दर्शाता है। इसके बाद एस शब्द से किन्नू व सिरसा की बागवानी को शामिल किया है। आई शब्द से सरसाई नाथ मंदिर को दर्शाया गया है, क्योंकि सिरसा संत सरसाई नाथ जी की नगरी है। आर शब्द से हमारे किसानों की मेहनत को गेहूं-धान सहित अन्य फसलों की उन्नत खेती के रुप में दर्शाया गया है। एस शब्द से सफेद झींगा के रूप में सिरसा की प्रसिद्धि दर्शाई गई है।

मौसम की मार से बढ़ी डायरिया मरीजों की संख्या

जींद। भीषण गर्मी के चलते अस्पतलों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इन मरीजों में ज्यादातर उल्टी व दस्त की शिकायत लेकर आने वाले लोग शामिल हैं। उचाना नागरिक अस्पताल के डा. योगेश शर्मा ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण उल्टी व दस्त के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। बढ़ते तापमान का सबसे ज्यादा असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। बाहर काम करने वाले लोग भी गर्मी की वजह से बीमार पड़ रहे हैं। डा. शर्मा ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गर्मी से बचाव के लिए पूरे कपड़े पहनें और सिर को ढककर रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। स्वास्थ्य में किसी तरह की परेशानी होने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराएं। उल्टी व दस्त की समस्या गर्मी और खानपान की गड़बड़ी से हो रही है। नागरिक अस्पताल में सभी मरीजों का समुचित इलाज किया जा रहा है। दिन के समय अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहा। वहीं शहर में रात को तीन-चार लंबे-लंबे घोषित कट लगे जबकि अघोषित कटों का भी सिलसिल जारी रहा। शहर की कई कॉलोनियों में देर रात बिजली चली गई थी।

जुलाना के तालाब का नपा चेयरमैन ने किया निरीक्षण

जींद। जुलाना के तालाबों के सौंदर्यकरण के कार्य का जुलाना नगरपालिका के चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डा. संजय जांगड़ा ने ठेकेदारों से काम में तेजी लाने के आदेश दिए। डा. संजय जांगड़ा ने कहा कि जल्द ही कस्बे के लोगों को गंदे पानी की निकासी व्यवस्था में हो रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा। क्योंकि नपा द्वारा कस्बे के अटल पार्क के सामने बड़े तालाब का जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है। तालाब के जीर्णोद्धार पर साढ़े चार करोड़ की लागत आएगी। तालाब के सौंदर्यकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। तालाब के चारों ओर मिट्टी लगाई जा रही है। तालाब के साथ लगाई गई मिट्टी के कुछ हिस्से को पक्का भी किया जाएगा। कार्य को जल्द पूरा करने के लिए मशीनों की संख्या भी बढ़ाई गई है। तालाब के नीचे डिस्लिटिंग होने के कारण वाटर रिचार्ज नही हो पाता। पानी वहीं खड़ा रहता है। सरकार द्वारा अमृत सरोवर योजना के तहत जल संसाधनों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। तालाब के सोदर्यकरण के तहत तालाब पर पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। तालाब के चारों ओर घास भी लगाई जाएगी।

सीएम का दावा- योग दिवस पर 11 लाख साधक एक साथ करेंगे योगाभ्यास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य के 22 जिलों और 121 खंडों में एक साथ आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों में लगभग 11 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। इस वर्ष का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्म सरोवर पर आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है,जिससे एक नया विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया जा सके। मुख्यमंत्री पंचकूला में भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र, भानू में आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग और आईटीबीपी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर को में भाग ले रहे थे। सैनी ने भारत तिब्बत सीमा

पुलिस बल के जवानों के अद्भुत योगदान को नमन करते हुए कहा कि यह स्थान अनुशासन, सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की जीवंत परंपरा है। हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में उत्तर-पूर्वी सीमाओं की दिन-रात रक्षा करते हैं। आज का यह योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर विशेष महत्व रखता है,क्योंकि यह देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के लिए आयोजित किया गया है। योग हमें उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने के अतिरिक्त टीम भावना, आपसी सहयोग और अनुशासन भी सिखाता है, इसलिए योग और सैनिकों का गहरा संबंध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न योग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेशभर में अब तक लगभग 15 लाख 60 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी कर योग का अभ्यास किया है। योग कार्यक्रमों के दौरान 61 हजार से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। हरित योग अभियान के तहत 21 जून तक 10 लाख औषधीय पौधे बांटे जा रहे हैं। इसके अलावा, सरकार ने एक पोर्टल भी बनाया है, जिस पर अब तक 7 लाख 65 हजार 500 लोगों ने 21 जून के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है।आयुष एवं स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने प्रदेशभर में जिला स्तर पर योग मैराथन रैलियां, जागरूकता अभियान और सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सफाई का संदेश देने को शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने लगाई झाड़ू,किया पौधा रोपण

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने जिले के गांव उग्राखेड़ी में संकल्प से सिद्धि की और व सफाई अभियान के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ पौधारोपण किया व साफ-सफाई कर लोगों को नियमित रूप से सफाई करने का संदेश दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिये। इसमें हमें किसी भी प्रकार की कौताही नहीं बरतनी चाहिये। गांव के विकास को लेकर राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। हर गांव का सम्मानतर रूप से विकास किया जा रहा है। उन्होंने कई अन्य स्थानों पर भी पौधारोपण किया। उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों के साथ संवाद भी किया। महिपाल ढांडा ने अपने इस कार्यक्रम के दौरान कई अन्य स्थानों पर भी पौधारोपण किया व विकास कार्यो को लेकर अपने निजि कोष से चार लाख रूपये की राशि खर्च करने की घोषणा की। इसमें एक लाख रूपये की राशि क्रिकेट पिच बनाने, एक लाख रूपये की राशि स्टेडियम एसोसिएशन द्वारा मैंटेनेंस करने और दो लाख रूपये की राशि वरिष्ठ सिटिजन कल्ब को विकासात्मक कार्यो पर खर्च करने की घोषणा की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक रूप से मजबूत व सशक्त हो रहा है। आतंकवाद पर शिकंजा कसने के लिए ऑप्रेशन सिन्दूर के तहत जो कार्यवाही की है उससे भी आतंकवाद के फन को कुचला जा सकता है। यह ऑप्रेशन सिन्दूर भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने सरकार द्वारा 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात करते हुए कहा कि सरकार हमेशा किसान के हित में निर्णय लेती है।

चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना सुनिश्चित करें अधिकारी

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने भारत चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय हरियाणा द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त आज लघु सचिवालय के सभागार में मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए दिशा निर्देशों के उपरांत अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप नए मतदान केंद्र बनाने और प्रत्येक मतदान केंद्र पर 1200 मतदाता सुनिश्चित करने संबंधी प्राथमिक कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर 1200 मतदाताओं के हिसाब से खाका तैयार किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि 1 जनवरी 2026 को क्वालीफाइंग तिथि मानकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य किया जाना

है। पंकज अग्रवाल ने कहा कि नए मतदान केंद्र स्थापित होने की स्थिति में वहां पर बीएलओ की नियुक्ति चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार की जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों के साथ मीटिंग करने के बारे में भी दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई को राष्ट्रीय स्तर पर भारत चुनाव आयोग द्वारा बूथ लेवल अधिकारियों की प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में बूथ लेवल अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किए।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर ने युवा पीढ़ी से जीवन में योग को अपनाने का किया आह्वान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर योग के प्रति अपने दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता को दोहराया। यह प्रशिक्षण सत्र आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत आयुष विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रातःकालीन वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों योग साधकों, सामाजिक संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि योग न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत है, बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, समरसता और आत्मिक शांति का संदेश देने वाला विज्ञान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग वैश्विक पहचान

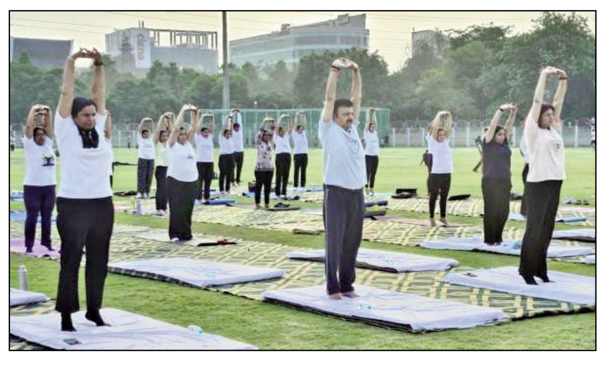

बना चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। आयुष विभाग द्वारा किए जा रहे ऐसे आयोजनों से प्रदेश में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। उन्होंने विशेष रूप से युवा पीढ़ी से आग्रह किया कि वे योग को अपने जीवन में अपनाएं और उसे एक अनुशासित जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। प्रशिक्षण शिविर में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू कुमारी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रोटोकॉल अभ्यास योग सहायक जोगिंदर सिंह द्वारा करवाया गया।

दिसंबर तक पूरी करें सीएम की बजट घोषणाएं, एपीएस ने की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की वित्त मंत्री के रूप में बजट की गई घोषणाओं को लागू करवाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि दिसंबर 2025 से पूर्व सभी घोषणाओं की ठोस प्रगति नजर आनी चाहिए। डॉ. साकेत कुमार हरियाणा निवास में बिजली, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, शहरी स्थानीय निकाय, माध्यमिक, उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा, पर्यटन एवं विरासत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, नगर एवं ग्राम आयोजना, अभिलेखागार तथा आवास विभाग से संबंधित 79 घोषणाओं की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। उन्होंने

कहा कि प्रत्येक विभाग को अपनी घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए ताकि कार्यप्रणाली में स्पष्टता और उत्तरदायित्व बना रहे। डॉ. कुमार ने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट में शिक्षा से जुड़ी सर्वाधिक 28 घोषणाएं की गई हैं। माध्यमिक, उच्चतर और तकनीकी शिक्षा विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अन्य संबद्ध विभागों के साथ समन्वय कर फाइल प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी करें, ताकि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सकें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सभी घोषणाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल पर अपलोड करें और जल्द से जल्द निविदा प्रक्रिया पूरी करें। डॉ.साकेत कुमार के नेतृत्व में हुई यह समीक्षा बैठक एक स्पष्ट संदेश देती है कि सरकार की घोषणाएं केवल भाषण तक सीमित नहीं, बल्कि जनहित के ठोस कदम हैं, जिन्हें तय समय में साकार किया जाएगा।

हरियाणा के गांवों में खुलेंगे सीएससी सेंटर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने गांवों में खुलने वाले कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना बनाई है। गांवों में सीएससी खोलने वाले युवाओं को छह हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य लोगों को गांव में ही ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध करवाना और युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांवों में बनाए जा रहे कॉमन सर्विस सेंटर में लैपटॉप व प्रिंटर का प्रबंध करें। इन सेंटर्स के लिए जगह और वहां के स्टाफ के बैठने का प्रबंध ग्राम पंचायतों को करना होगा। युवाओं को ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाएं देनी होगी। उन्हें इस काम के लिए फीस भी दी जाएगी। पहले चरण में 4500 लैपटॉप खरीदने का निर्णय लिया है। सरकार की नोडल एजेंसी हारट्रोन के जरिये यह खरीद होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता वाली हाई पावर परचेज कमेटी ने 31 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से ये लैपटॉप खरीदने को हरी झंडी दे चुकी है।

समाधान प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में जींद प्रदेश में दूसरे स्थान पर

एजेंसी

जींद। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक में एडीसी विवेक आर्य ने संबंधित अधिकारियों को लंबित शिकायतों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने समाधान शिविरों में बेहतरीन कार्य के लिए अधिकारियों की सराहना की और कहा कि सभी को मिलकर और अधिक समर्पण के साथ धरातल पर कार्य करना चाहिए ताकि आमजन की हर समस्या को प्राथमिकता से हल किया जा सके। उन्होंने पंचायत एवं राजस्व विभाग को विशेष रूप से और अधिक तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए और लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने को कहा। एडीसी ने बताया कि समाधान प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में जींद जिला प्रदेशभर में द्वितीय स्थान पर है, जो कि गर्व का विषय है। इससे पूर्व चंडीगढ़ मुख्यालय से आयोजित साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक में उच्च अधिकारियों द्वारा समाधान शिविरों में जींद जिले के बेहतर कार्य की सराहना की गई

और प्रदेश के सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 9362 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनमें से 7825 का समाधान किया जा चुका है। शेष 212 लंबित शिकायतों के शीघ्र निपटान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। एडीसी ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे समाधान प्रकोष्ठ के कार्य को गंभीरता से लें और जिम्मेदारी के साथ एटीआर समयबद्ध तरीके से पोर्टल पर अपलोड करें। इस अवसर पर एएसपी सोनाक्षी सिंह, एसडीएम सत्यवान सिंह मान, डीएमसी सुरेंद्र सिंह, जिला परिषद के सीईओ अनिल दून, सीटीएम डा. आशीष देशवाल, डीआरओ राजकुमार, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एससी-एसटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

एजेंसी

झज्जर। लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1999 के अंतर्गत उप मंडल स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम नसीब कुमार ने की। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत विभिन्न कार्यो के क्रियान्वयन, पीड़ितों को दी गई सहायता राशि, पुनर्वास सुविधाएं और संबंधित मामलों की समीक्षा की गई इस दौरान कमेटी के समक्ष दो मामलों को रखा गया, जिनके तथ्यों पर चर्चा हुई। अनुसूचित जातियों एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग की ओर से इन दो मामलों में पीड़ितों को आर्थिक सहायता दी गई। एसडीएम ने सभी अधिकारियों व उपमंडल स्तरीय विजिलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए उनका फीडबैक लिया और कहा कि मीटिंग में यह सुनिश्चित करना है कि एससी-एसटी एक्ट के तहत

दर्ज अत्याचार के मामलों में त्वरित न्याय और सहायता प्रदान की जाए। यह बैठक न केवल पीड़ितों को समय पर राहत और पुनर्वास सुनिश्चित करने का मंच है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही को भी सशक्त करती है। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर तहसील कल्याण अधिकारी सुमित्रा, संदीप ग्राम सचिव, रमन पार्षद, शशि कुमार पूर्व पार्षद, संदीप कुमार पूर्व पार्षद सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तीन गांवों में पंचायत चुनाव से पहले झज्जर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

एजेंसी

झज्जर। रविवार को होने वाले तीन गांव के पंचायत चुनाव को लेकर झज्जर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर है। जिला पुलिस द्वारा तीनों गांव में फ्लैग मार्च निकाला गया। बादली के एसीपी प्रणय कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने आम नागरिकों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वतन्त्र रुप से चुनाव प्रक्रिया में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। बहादुरगढ़ के पुलिस उपायुक्त मयंक मिश्रा ने बताया कि गांव बादली, पाहसौर और एमपी माजरा में पंचायती चुनाव को शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष करवाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला झज्जर की पुलिस टीम ने तीनो गांव में फ्लैग मार्च निकाला गया। उन्होंने कहा कि मतदाता पूरी निडरता के साथ अपने विवेक व स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। झज्जर पुलिस द्वारा सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। जिला पुलिस के खुफिया विभाग द्वारा संदिग्ध किस्म के लोगों पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य अराजक तत्वों में भय व्याप्त करना तथा आमजन में सुरक्षा की भावना

पैदा करना है, ताकि वे निर्भीक होकर अपना मतदान कर सके। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों को बिना किसी डर भय के चुनाव प्रकिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। फ्लैग मार्च के दौरान आम जन से यह भी अपील की गई है कि मतदान के दौरान अगर कोई व्यक्ति उन्हें प्रभावित करें तो तुरंत उसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान गड़बड़ी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस उपायुक्त ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव में भाग लें। यदि उन्हें किसी भी तरह की समस्या का सामना करना पड़े तो वे तुरंत पुलिस प्रशासन को 112 पर सूचित करें।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के लिए निर्वाचन विभाग हुआ सक्रिय

एजेंसी

झज्जर। चुनाव आयोग द्वारा करवाए जाने वाले मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान को लेकर राज्य चुनाव आयुक्त पंकज अग्रवाल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित मीटिंग में डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल रविंद्र पाटिल शामिल हुए। वीसी उपरांत डीईओ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जल्द मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत की जाएगी। इसे लेकर सभी सहायक निर्वाचन अधिकारी जरूरी तैयारी जल्द पूरी करें। उन्होंने बीएलओ की नियुक्ति आदि की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी बीएलओ भारतीय निर्वाचन

आयोग(ईसीआई) एवं राज्य चुनाव आयोग (सीईओ हरियाणा) के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो करना सुनिश्चित करें। यहां चुनाव आयोग द्वारा महत्वपूर्ण गतिविधियां व जरूरी सूचना साझा की जाती हैं। इन सूचनाओं के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक भी करें। डीईओ ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार मीटिंग आयोजित करें। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार ट्रेनिंग भी दी जाएगी। मीटिंग में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सीटीएम रविंद्र मलिक, एसडीएम बादली सतीश यादव, एसडीएम बहादुरगढ़ नसीब कुमार, तहसीलदार (चुनाव) सुरेंद्र रंगा, एआईपीआरओ मनप्रीत सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मेमोरियल सेंटर ने विशाखापट्टनम में

उन्नत कैंसर केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी

● आईसीआईसीआई बैंक ने शहर में कैंसर देखभाल सुविधा का विस्तार करने के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर को ?550 करोड़ से अधिक की राशि देने की प्रतिबद्धता जताई ● बैंक द्वारा टाटा मेमोरियल सेंटर को दिए गए 1,800 करोड़ के योगदान के तहत, यह ब्लॉक पूर्वी भारत में बाल और रक्त कैंसर के उपचार के लिए सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक होगा

विशाखापट्टनम , एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी में आज विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में एक नए भवन के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। बैंक ने लगभग 3.9 लाख वर्गफुट क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त भवन के निर्माण के लिए ?550 करोड़ से अधिक की राशि समर्पित की है।

निर्माणाधीन आठ मंज़िला भवन – आईसीआईसीआई फाउंडेशन ब्लॉक फॉर चाइल्ड एंड ब्लड कैंसर – प्रति वर्ष लगभग 3,000 मरीजों का उपचार करेगा। वर्तमान में एचबीसीएचआरसी, विशाखापट्टनम की क्षमता 6,200 मरीजों की है।

यह नया भवन पूर्वी भारत के सबसे बड़े विशेषीकृत कैंसर उपचार केंद्रों में से एक होगा, जिसमें 215 से अधिक बेड होंगे। इसके 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है, जो अनुमोदनों के अधीन है। इस परियोजना का संचालन आईसीआईसीआई

बैंक की सीएसआर शाखा, आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ द्वारा किया जाएगा।

इस भवन की आधारशिला आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने रखी। इस अवसर पर श्री संदीप बत्रा, कार्यकारी निदेशक, आईसीआईसीआई बैंक; और डॉ. सुदीप गुप्ता, निदेशक, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई भी उपस्थित थे।

श्री सिन्हा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एन.के. राव ऑडिटोरियम का भी उद्घाटन किया। आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने नए ऑडिटोरियम के लिए बुनियादी ढांचे और उपकरणों के साथ टीएमसी को सपोर्ट दिया है।

आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने कहा, हमें कैंसर देखभाल के लिए टीएमसी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो देश में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की हमारी फिलोस्फी के अनुरूप है। यह परियोजना जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल को सक्षम करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह प्रोजेक्ट बाल और रक्त कैंसर के लिए पूर्वी गलियारे में सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इसके जरिये आंध्र प्रदेश और आसपास के पूर्वी राज्यों के रोगियों की सेवा की जाएगी, जिससे कैंसर के इलाज की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर, आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री संदीप बत्रा ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक में, स्वास्थ्य सेवा हमारे सीएसआर प्रयासों का एक प्रमुख हिस्सा है। दो वर्ष पूर्व हमने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी कर 1,200 करोड़ की प्रतिबद्धता के साथ विशाखापट्टनम, नवी मुंबई और न्यू चंडीगढ़ में तीन नए कैंसर ब्लॉक्स के निर्माण की घोषणा की थी। टीएमसी की नवीनतम आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अब हमने इस प्रतिबद्धता को ?1,800 करोड़ तक बढ़ा दिया है।

तनाएरा पहली बार साड़ियों पर लेकर आई 40 फीसदी छूट

भोपाल। टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने वित्तीय वर्ष 25 में 930 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की और वित्तीय वर्ष 26 में भी शानदार शुरूआत की है। अपने उपभोक्ताओं को शादी-ब्याह की खरीददारी का बेजोड़ अनुभव प्रदान करते हुए तनाएरा विकास के इन रूझानों को लगातार जारी रखे हुए है। इसी क्रम में ब्राण्ड देश भर में अपनी पहली सेल लेकर आई है, जिसके तहत शुद्ध एवं प्राकृतिक फैब्रिक से बने परिधानों की सभी कैटेगरीज़- साड़ियों, रैडी-टू-वियर एन्सेम्बल्स, अनस्टिच्ड कुर्ता सेट और फेस्टिव लहंगा पर 40 फीसदी तक की छूट की घोषणा की गई है। देश के 41 शहरों में 80 स्टोर्स के नेटवर्क के साथ तनाएरा ने उपभोक्ताओं के पसंदीदा एथनिक वियर डेस्टिनेशन के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बना लिया है। त्योहारों की शुरूआत के साथ इस सेल की घोषणा से उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं प्रमाणित फैब्रिक से बने प्रोडक्ट्स खरीदने का मौका मिलेगा, ऐसे में वे तनाएरा के विशेष डिज़ाइनों के साथ-साथ बेजोड़ कीमतों पर खरीददारी का भी अनुभव पा सकेंगे।इस अवसर पर श्री सोमप्रभ कुमार सिंह, चीफ़ सेल्स एण्ड मार्केटिंग ऑफिसर ने कहा, ''हम पहली बार इतनी व्यापक रेंज पर छूट के ऑफर लेकर आए हैं, जहां हमारे प्रोडक्ट्स 40 फीसदी तक के डिस्काउन्ट पर उपलब्ध हैं। इस ऑफर के साथ-साथ हमारे उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं समृद्ध प्रोडक्ट्स तो मिलते ही हैं, जिनके लिए तनाएरा को जाना जाता है। प्रमाणित स्रोतों से खरीदे गए हस्तनिर्मित उत्पादों की व्यापक रेंज तथा हर पीस में शुद्धता एवं गुणवत्ता के वादे के साथ हम अपने समझदार उपभोक्ताओं को सही मायनों में खास अनुभव प्रदान करना चाहते हैं।'

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की स्नातक सोनाक्षी ने पेश किया 'ज़ात' - महिलाओं की अनकही कहानियों को धातु और यादों से उकेरने वाली मूर्तिकला प्रदर्शनी

नई दिल्ली। ब्रिटिश काउंसिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग की गैलरी में ज़ात प्रदर्शनी पेश की जाएगी, जो सोनाक्षी की एक गहरी और प्रभावशाली मूर्तिकला कृति है। यह प्रदर्शनी मां–बेटी की पीढ़ियों की यादों को पारिवारिक चीजों, धातु और उनके अर्थों के ज़रिए सामने लाती है। यह प्रदर्शनी 11 जून से 31 जुलाई 2025 तक स्टडी यूके- क्रिएटिव कनेक्शन्स सेकंड के हिस्से के रूप में चलेगी। आगरा में जन्मी और अब लंदन में रहने वाली सोनाक्षी चतुर्वेदी अपनी पेंटिंग, इनैमलिंग और रत्नों की जानकारी को मिलाकर यह सवाल उठाती हैं कि महिलाओं की कहानियां कैसे याद रखी जाती हैं—या जानबूझकर भुला दी जाती हैं। यह प्रदर्शनी दुल्हन, मां और दादी जैसे पारंपरिक रोल्स पर सवाल उठाती है और भारतीय उपमहाद्वीप की हस्तकला परंपराओं में छिपी अनकही इच्छाओं को उजागर करती है। 2024 में मशहूर रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट से ज्वैलरी और मेटल में एमए पूरा करने वाली सोनाक्षी नई पीढ़ी की कलाकार हैं, जो पुरानी हस्तकला को आधुनिक कला के साथ जोड़ रही हैं। रत्न विशेषज्ञ होने के साथ–साथ इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (संस्कृति मंत्रालय) में शोधकर्ता के रूप में उनका अनुभव उन्हें दक्षिण एशियाई समाजों में गहनों और विरासत के सांस्कृतिक मायने समझने की गहरी समझ देता है।

अल्पेनलिबे ने भारत का पहला लिक्विडचोको से भरा पॉप लॉन्च किया!

मुंबई, एजेंसी। अल्पेनलिबे एकलेयर्स लंबे समय से घर–घर में पसंदीदा रहा है, जो अपने सिग्नेचर रिच, लिक्विड चोको जैसेसेंटर के लिए जाना जाता है – आनंद की वह पहचान जिसे उपभोक्ता पसंद करते हैं और इसकी उम्मीद करते हैं। इसी प्रतिष्ठित अनुभव को आगे बढ़ाते हुए, अल्पेनलिबे अब अल्पेनलिबे एकलेयर्स पॉप लॉन्च कर रहे हैं, जिसमें उसी चोको जैसे आनंद को बिल्कुल नए रूप मे पेश किया गया

है। यह चोको जैसेलिक्विड से भरा भारत का पहला लॉलीपॉप है। सिर्फ़ ?5 में, एकलेयर्स पॉप प्रीमियम स्वाद का अनुभव कराता है – जिसका बाहरी हिस्सा परिचित चबाने वाले कैरेमल है, तो वहीं इसके मध्य मे समृद्ध चोको जैसे स्वाद है। यह एक बहुत पसंद किए जाने वाले फॉर्मेट को सुविधाजनक, चलते–फिरते प्रारूप में लाता है। इसे किशोरों और युवा वयस्कों के लिए कभी भी, कहीं भी अपनी लालसा को संतुष्ट करने के लिए तैयार किया गया है। चाहे आप इसे धीरे–धीरे चखें या एक बार में ही चबा जाएं, एक्लेयर्स पॉप रोज़ाना की स्नैकिंग को शुद्ध चोको जैसे आनंद में बदल देता है। परफ़ेटी वैन मेले इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टरगुंजन खेतान ने कहा, अल्पेनलिबे एक्लेयर्स पॉप के साथ, हमारा उद्देश्य एक बहुत पसंद किए जाने वाले अनुभव को एक नए, सुविधाजनक प्रारूप में विस्तार देना था। हम जानते हैं कि एक्लेयर्स के चोको जैसे सेंटर को कितना पसंद किया जाता है – और यह उत्पाद हर तरह से उस आनंद को आगे बढ़ाता है। किशोर और युवा वयस्क रोज़मर्रा के प्रारूपों में भी अधिक समृद्ध, अधिक इमर्सिव ट्रीट की तलाश कर रहे हैं – और एक्लेयर्स पॉप बस यही है। कोई ट्विस्ट नहीं, बल्कि जो वे पहले से ही पसंद किया जाता है, उसी का यह स्वाभाविक विकास है।

भारत-ईयू व्यापार समझौते में प्रगति

विदेश नीति पर जयशंकर ने कही यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत यूरोपीय संघ के साथ अपने संबंधों को उच्च प्राथमिकता देता है। यह बात विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यह टिप्पणी की। जर्मन मार्शल फंड (जीएमएफ) फोरम में फाइनेंशियल टाइम्स के ब्रसेल्स ब्यूरो प्रमुख हेनरी फॉय से बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौता अच्छी प्रगति पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस साल के अंत तक यह समझौता पूरा हो जाएगा। विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर जोर डाला। यह केवल व्यापार तक सीमित नहीं है बल्कि रक्षा , गतिशिलता, प्रतिभा प्रभाव और शिक्षा जैसे पहलुओं के लिए लाभदायक है।

यूरोपीय आयोग सदस्यों का भारत दौरा सकारात्मक कदम– उन्होंने बताया कि जब यूरोपीय आयोग के सदस्य हाल ही में सामूहिक रूप से भारत आए थे, तो यह एक असाधारण और सकारात्मक कदम था। यह हमारे बीच रिश्तों को गहरा करने की मांशा का संकेत है। मुक्त व्यापार समझौता इस संबंध में केंद्र बिंदु है।

भारत हर परिस्थितियों से निपटने लिए है तैयार– इस उच्चस्तरीय वार्तालाप सत्र में भारत की विदेश नीति से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें अमेरिका के साथ उसके संबंध पर बात हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत के पास परिस्थितियों और चुनौतियों से निपटने की क्षमता है। भारत खुद के बारे में सोच सकता है। हम दुनिया से क्या लाभ उठा सकते हैं, इसके आधार पर निर्णय लेने के लिए तैयार हैं।यूरोप के इतिहास और अनुभवों के साथ इसकी तुलना करते हुए, मंत्री ने कहा कि भारत बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और दृष्टिकोण में उभरने वाले किसी भी ट्रांस-अटलांटिक मतभेद से निपटने का आदी है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ अपने संबंधों को उतना ही महत्व देता है, जितना यूरोपीय संघ के साथ देता है। भारत प्रत्येक के साथ उन शर्तों पर व्यवहार करेगा जो दोनों के लिए लाभदायी हो।

टर्म इंश्योरेंस: समय सीमा से अधिक मायने रखती है सही टाइमिंग

मुंबई । टर्म इंश्योरेंस को आज भी वित्तीय सुरक्षा की सबसे सरल और असरदार नींव माना जाता है। इसमें न बोनस होता है, न निवेश पर रिटर्न—बस एक सीधा और स्पष्ट वादा होता है– अगर पॉलिसी अवधि के दौरान बीमाधारक की मृत्यु होती है, तो उसके परिवार को एकमुश्त राशि मिलेगी। लेकिन अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया है कि टर्म इंश्योरेंस होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण हो गया है कि इसे कब तक रखा जाए।

इस संदर्भ में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर - अल्टरनेट और इमर्जिंग चैनल्स, जिलानी बाशा ने कहा, आज के उपभोक्ता टर्म इंश्योरेंस को लेकर अधिक जागरूक और विचारशील हैं। वे अब सामान्य दृष्टिकोण से हटकर, अपनी व्यक्तिगत ज़रूरतों और जिम्मेदारियों के अनुरूप फैसले ले रहे हैं। वे पूछ रहे हैं कि कवरेज की सही अवधि क्या है, क्यों जरूरी है और किस समय सबसे ज्यादा प्रासंगिक है। यह सोच एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है, जहां बीमा अब सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनता जा रहा है।

उन्होंने आगे जोड़ा, लोग अब ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो न केवल वर्तमान में प्रासंगिक हों, बल्कि भविष्य के जोखिमों से भी सुरक्षा दें। बीमाकर्ता के रूप में हमारी भूमिका अब केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सही जानकारी और मार्गदर्शन देना भी उतना ही जरूरी है।

टर्म इंश्योरेंस का मूल्य इसकी लाइफटाइम कवरेज में नहीं, बल्कि उस समयबद्ध सुरक्षा में है जब परिवार को आपकी आमदनी पर सबसे ज़्यादा निर्भरता होती है। सोच-समझकर किया गया चुनाव ही इसे एक स्मार्ट वित्तीय योजना बनाता है।

एयर इंडिया हादसे के बाद

बीमा कंपनियों को चुकानी होगी मोटी रकम, बन सकता है नया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे से बीमा कंपनियों पर बड़ा असर पड़ेगा। यह भारत में अब तक का सबसे महंगा एविएशन इंश्योरेंस क्लेम हो सकता है। जानकारों का कहना है कि बीमा कंपनियों को 120 मिलियन डॉलर (करीब 1000 करोड़ रुपये) से ज्यादा का भुगतान करना पड़ सकता है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस भुगतान में विमान की कीमत का नुकसान लगभग 80 मिलियन डॉलर हो सकता है। विमान की कीमत को हल लॉस कहा जाता है। यात्रियों को मुआवजा देने में 30 से 50 मिलियन डॉलर और लग सकते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यात्रियों से जुड़े दावे 100 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा हो सकते हैं। क्योंकि विमान में कई अमीर लोग सवार थे। इसलिए मुआवजे की राशि बढ़ सकती है।

किन कंपनियों का बीमा?

टाटा एआईजी इस बीमा पॉलिसी की मुख्य कंपनी थी। न्यू इंडिया एश्योरेंस जैसी अन्य कंपनियों ने भी इसमें हिस्सा लिया था। इस विमान का बीमा लंदन के बाजार में करवाया गया था। इसे ग्लोबल रीइंश्योरेंस प्रोग्राम कहते हैं। इसमें ज्यादातर जोखिम विदेशी बीमा कंपनियों को दिया जाता है। भारत की बीमा कंपनियों जैसे टाटा एआईजी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया, ओरिएंटल और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल ने 10 प्रतिशत से भी कम जोखिम रखा है। सरकारी रीइंश्योरेंस कंपनी जीआईसी रे के पास रीइंश्योरेंस पर 5 प्रतिशत हिस्सा है।

अब तक का सबसे बड़ा क्लेम– एलायंस इंश्योरेंस ब्रोकर्स के एविएशन बिजनेस हेड सौरव बिस्वास ने कहा कि यह किसी भारतीय एयरलाइन से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा दावा होगा।

पहले भारत में विमान हादसे कम ही हुए हैं। साल 2010 में दुबई से आ रहा एक बोइंग 737 विमान मंगलौर में उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें 158 लोगों की जान चली गई थी। वहीं साल 2020 में कोझीकोड में हुए एक और हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी। बीमा उद्योग के जानकारों के अनुसार, इन दोनों घटनाओं में बीमा कंपनियों ने लगभग 60-70 मिलियन डॉलर का भुगतान किया था।

प्रति यात्री कितना मुआवजा?

टाटा एआईजी के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया के मुख्य बीमाकर्ता होने के नाते, कंपनी स्थिति पर नजर रख रही है। एक बीमा अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया की देनदारी की सीमा 1.5 बिलियन डॉलर तक है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक यात्री के लिए शारीरिक चोट या मृत्यु होने पर लगभग 250,000 डॉलर का मुआवजा दिया जा सकता है।

क्या कहा जानकारों ने?

जीआईसी रे के सीएमडी रामस्वामी नारायणन ने कहा कि इस घटना से विमान के पूरी तरह से नष्ट होने और लोगों की मृत्यु होने के कारण कई दावे किए जाएंगे। ऐसे नुकसान का असर कई रीइंश्योरेंस कंपनियों पर पड़ता है। क्योंकि विमान बेड़े की नीतियों को अक्सर कई कंपनियों के साथ बांटा जाता है। हालांकि नुकसान की वजह से बीमा की कीमतों पर क्या असर होगा, यह अभी कहना मुश्किल है।

यूएस क्रैनबेरीज़ के साथ बच्चों को गर्मियों में रखें हाइड्रेटेड और हेल्दी

मुंबई, एजेंसी। जैसे–जैसे गर्मी का पारा चढ़ता जा रहा है, बच्चों को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखना हर माता–पिता की प्राथमिकता बन गया है। इस मौसम में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन एक आम समस्या है, जो अक्सर बच्चों में अपच, दस्त, पेट फूलना और पेट दर्द जैसी पाचन से जुड़ी तकलीफों का कारण बनती है। प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. इमरान पटेल बताते हैं कि अत्यधिक खेलकूद, पसीना, कम पानी पीना और फाइबर व पोषण से रहित डाइट बच्चों की आंतों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती

है। इन सभी कारणों से आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया—जिसे गट फ्लोरा कहा जाता है—का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे गर्मियों में बच्चों को पाचन संबंधी समस्याएं होने लगती हैं, वे समझाते हैं।

इस मौसमी चुनौती से निपटने के लिए डॉ. पटेल बच्चों की डेली डाइट में स्क्रैनबेरीज़ शामिल करने की सलाह देते हैं। स्क्रैनबेरीज़ में प्राकृतिक रूप से एंटीऑक्सिडेंट्स और डाइटरी फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं और गट फ्लोरा को फिर से संतुलित करने में सहायता करते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इनका खट्टा–मीठा स्वाद बच्चों को बेहद पसंद आता है, वे बताते हैं।

अविका गौर और उनके मंगेतर मिलिंद ने कलर्स के नए रियलिटी शो के लिए कहा 'हां!'

मुंबई, एजेंसी। क्या आपको बालिका वधू की छोटी आनंदी याद है – वह बाल वधू जिसने उस समय हमारा दिल चुरा लिया था? अब वही अविका गौर पूरी तरह से बड़ी हो चुकी हैं और प्यार में सिर से पांव तक डूबी हुई हैं! टेलीविजन की यह चहेती कलाकार अब उस चैनल पर वापसी कर रही हैं जिसने उन्हें घर–घर का नाम बना दिया था—कलर्स। लेकिन इस बार, वह अकेली नहीं आ रही हैं। इस खास मौके पर उनके साथ हैं उनके मंगेतर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलिंद चंदवानी।

यह प्यारा जोड़ा कलर्स के बिल्कुल नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आने वाला है—एक ऐसा शो जो प्यार, हंसी और रिश्तों की जादुई उलझनों का खूबसूरत उत्सव है। अभी हाल ही में जब अविका ने अपने लंबे समय से साथी मिलिंद के साथ रोका सेरेमनी की ड्रीमी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, तो इंटरनेट पर जैसे भावनाओं की बाढ़ आ गई। फैन्स ने ऑ कहकर अपना प्यार जताया और अब समझ में आता है क्यों—वह तो बस एक झलक थी, असली कहानी अब सामने आ रही है। 'पति पत्नी और पंगा' उन छोटे–छोटे लम्हों को उजागर करेगा जो किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाते हैं—एक साथ की गई कोशिशें, साझा की गई मुस्कानें, रोज़ाना की छोटी–छोटी चीजें।

एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस ने कांतार के साथ मिलकर किए अध्ययन के सातवें संस्करण से मिले आंकड़े जारी किए

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने मार्केटिंग डाटा एवं एनालिटिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी कांतार के साथ मिलकर किए गए अपने महत्वाकांक्षी इंडिया प्रोटेक्शन कोशेंट (आईपीक्यू) अध्ययन के सातवें संस्करण से मिले आंकड़े जारी करने की घोषणा की है। 25 भारतीय शहरों में करीब 6,360 परिवारों से मिलकर किए गए आईपीक्यू 7.0 से वंचित समुदायों, विशेष रूप से एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय और कामकाजी महिलाओं के बीच भविष्य की वित्तीय तैयारियों को लेकर बड़ी कमी सामने आई है।

एक्सिस मैक्स लाइफ के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत त्रिपाठी ने कहा, 'आईपीक्यू 7.0 से मिले नतीजों ने वंचित समुदायों के बीच वित्तीय सुरक्षा में असमानता की की तस्वीर सामने रखी है। एलजीबीटीक्यूआईए+समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट मात्र 35 और महिलाओं का प्रोटेक्शन कोशेंट 48 पर है, जो दिखाता है कि सिर्फ चाहने से तैयारियां मजबूत नहीं हो जाती हैं। इस अंतर को भरने के लिए उद्योग को भरोसा कायम करने, टार्गेटेड तरीके से जागरूकता लाने और पहुंच बढ़ाने पर फोकस करना होगा। एक्सिस मैक्स लाइफ में हमारा मानना है कि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हो गया है कि एक ऐसा समावेशी फाइनेंशियल इकोसिस्टम बनाया जाए, जो सहानुभूति पर आधारित हो और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के अनुरूप हो।'

एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय: इच्छा के बावजूद फाइनेंशियल प्रोटेक्शन में कमी– एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट स्कोर 35 (0 से 100 के पैमाने पर) रहा है। यह डिजिटल रूप से सतर्क शहरी भारतीयों के 56 के औसत से बहुत कम है, जो इस वर्ग की वित्तीय अनिश्चितता की तस्वीर दिखाता है। एलजीबीटीक्यूआईए+समुदाय का नॉलेज इंडेक्स स्कोर भी 61 है, जो डिजिटल-सैवी अर्बन इंडियंस (डीएसयूआई) के 74 की तुलना में काफी कम है, जो इस समुदाय में जीवन बीमा को लेकर जागरूकता की कमी को दिखाता है।

हंगामा ओटीटी लेकर आया है डबल रोल वाली नई सस्पेंस थ्रिलर सीरीज 'जुड़वा जाल'

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे प्रमुख एंटरटेन्मेंटप्लैटफ़ॉर्म में शामिल हंगामा ओटीटी ने आज अपनी नई ओरिजनल सीरीज 'जुड़वा जाल' के रिलीज की घोषणा की। यह जबरदस्त सस्पेंस से भरी क्राइम थ्रिलर सीरीज है जिसमें रोचकता, ड्रामा और कदम कदम पर नए मोड़ लेने वाली कहानी है। सीरीज छह एपिसोड की है और हर एपिसोड आपकी उत्सुकता को बढ़ाएगा और आपको अंदर सीरीज को आखिर तक देखने की दिलचस्पी पैदा करेगा। इस सीरीज में दर्शकों को हत्या, चीजों को अलग तरह से दिखाने की कोशिश, धोखे और सच तक पहुंचने की कशमकश देखने को मिलेगी। 'जुड़वा जाल' को बेहद प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने अभिनय से तैयार किया है। इसमें मोनालिसाडबल रोल में नजर आएंगी और उनके साथ अंकित भाटिया, पलक सिंह, कार्तिक जैन अहम भूमिकाओं में होंगे। इस सस्पेंस थ्रिलर की कहानी अनामिका की रहस्यमयी स्थितियों में हुई मौत के इर्द–गिर्द बुनी गई है। अनामिका एक ऐसी लड़की है जिसकी जिंदगी और मौत दोनों एक पहेली की तरह दर्शकों के सामने आती है। क्या उसकी मौत एक्सीडेंट में हुई है या फिर किसी ने उसकी हत्या की है? इंस्पेक्टर कुणाल इस केस को सुलझाने के लिए जब गहराई में जाकर पड़ताल करते हैं, तो शक की तमाम सुई एक ही व्यक्ति की ओर इशारा करती हैं और वो है अनामिका की उससे अलग रहने वाली जुड़वा बहन शुचि।

आखिरकार इजरायल द्वारा ईरान पर रणनीतिक हमला किए जाने के वैश्विक मायनों को ऐसे समझिए

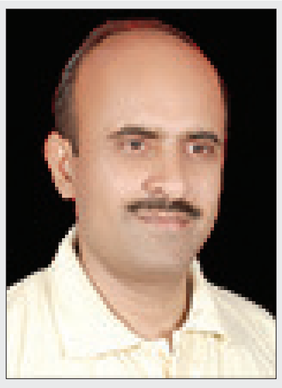

कमलेश पांडेय

समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है।

ली जिए एक और युद्ध का आगाज हो गया। इससे हथियार निमार्ता कम्पनियों की बाछें पुनः खिल गई। कहते हैं कि मरता क्या नहीं करता? आखिरकार बत्तीस दांतों के बीच घिरी जिह्वा की तरह मुस्लिम देशों से घिरे एकमात्र यहूदी मुल्क इजरायल ने अपने रणनीतिक हिफाजत के लिए मुस्लिम वर्ल्ड के सरगना देश ईरान पर निर्णायक हमला बोल दिया है, ताकि उसके परमाणु कार्यक्रमों पर ब्रेक लगाकर संभावित परमाणु हमलों से इजरायल के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है। इससे महंगाई और बबार्दी दोनों बढ़ेगी। वहीं, गुटीय युद्ध से बचने के लिए अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया है कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। वहीं, अब यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि रूस और चीन की रजामंदी के बाद ईरान भी पुरजोर जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे तीसरा विश्वयुद्ध भी भड़क सकता है।

दरअसल, इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।

वहीं, ईरान ने भी यह माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कॉप्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। इससे ईरान ने जवाबी कार्रवाई का इरादा भी जता दिया है। वहीं, इस्त्राइली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13% बढ़ गई। जबकि कुछ शेयर बाजार रॉकेट की तरह भागे, और कुछ धराशायी हो गए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस्त्राइल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। क्योंकि उसका यह कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह 15 परमाणु बम बना सकता था। जो इजरायल के खिलाफ ही उपयोग होता। ऐसे में उसने निर्णायक हमले किए।

यह बात दीगर है कि इस्त्राइल के इन आरोपों की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। वहीं यह बात भी सत्य है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। 15 जून रविवार को भी दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इस्त्राइल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई का स्वरूप कैसा और उसका दायरा कितना बड़ा होता है। क्या वह खुद को इस्त्राइल के खिलाफ सांकेतिक कार्रवाई तक सीमित रखता है या फिर अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी अपनी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता है जहां से 21% ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है।

गौरतलब है कि इजरायली हमले के बाद वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा, परमाणु विज्ञानियों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाया। उन्होंने ईरान पर हमले के बाद यह साफ कर दिया कि ऑपरेशन राइजिंग लॉयन अभी खत्म नहीं हुआ है। इजरायली हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के प्रमुख हुसैन सलामी के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान पर हुए इजरायली हमलों में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान को अमेरिकी हितों और कर्मियों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। जबकि इजरायली रक्षा अधिकारी ने दावा किया कि हमलों में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और उनके कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे जा चुके हैं।

ईरान पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई। डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आगे की एहतियाती रणनीति तय की गई। चूंकि तेहरान में हुए धमाकों के बाद इराक और ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे वैश्विक वायुयान सेवाओं पर भी असर पड़ना लाजिमी है।

वहीं, इजरायल ने ईरान में हमले के बाद देशभर में इमरजेंसी लागू की। इसके अलावा इस्त्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। साथ ही इस्त्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्त्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है।

मालूम हो कि विगत कई दशकों से गाजा पट्टी में इजरायल के खिलाफ संघर्षरत फिलिस्तीनियों और हमास के आतंकियों को जहां ईरान, सीरिया, जॉर्डन आदि मुस्लिम देश खुला समर्थन दे रहे हैं, वहीं पाकिस्तान-तुर्किये-अजरबैजान जैसे कुख्यात मुस्लिम देश भी उन आतंकियों को गुप्त शह प्रदान कर रहे हैं। लिहाजा इजरायल ने अब तय कर लिया है कि उसके खिलाफ षड्यंत्र में शामिल मुस्लिम देशों को अब बारी-बारी से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

शायद इसलिए इजरायल ने अब ऐसे मुल्कों की जड़ों पर ही हमला बोलने का निश्चय किया है, जिसकी खौंफनाक शुरूआत भी कर दी है। जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

जानकारों की मानें तो पहाड़ों में भी ईरान के परमाणु ठिकाने हैं, जिसे अमेरिकी मदद के बिना इजरायल खत्म नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि इजरायल सिर्फ ईरानी परमाणु ठिकाने को ही नहीं, बल्कि उसकी खुमैनी सरकार को भी हटाना चाहता है। इसलिए इतना खतरनाक हालात पैदा किए हुए है। जाहिर है कि बिना अमेरिका, यूरोप व एशिया के नाटो देशों के इशारे के वह ऐसी हिमाकत कदापि नहीं कर सकता है।

वहीं, हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि ईरान लगातार इजरायल के खिलाफ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और अपने प्रॉक्सी गुटों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैला रहा है। इससे साफ है कि देर सबेर वह दूसरे मुस्लिम सरगना देश तुर्किये और तीसरे इस्लामिक आतंकवादी सरगना देश पाकिस्तान के ऊपर भी हमला अवश्य करेगा। फिलवक्त चूंकि पाकिस्तान व तुर्किये अमेरिका के सरपरस्त देश हैं, इसलिए इनकी बारी कब आएगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सिर्फ वक्त का इंतजार करना ही श्रेयस्कर होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो इजरायल-ईरान विवाद से जुड़े इस पूरे मसले पर वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) के लगभग 56 मुस्लिम सदस्य देश भी आपस में विभाजित हैं, क्योंकि जो अमेरिका के सरपरस्त हैं, वो चुप्पी साधे बैठे हैं। वहीं जो रूस-चीन-उत्तर कोरिया के समर्थक हैं, वो ईरान के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका ने बड़ी सफाई से खुद को अलग कर लिया है, इसलिए अब यह रूस-चीन के ऊपर है कि वो खुलकर मैदान में आएंगे या नहीं। जबकि गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह इजरायल-ईरान युद्ध में भी अपनी तटस्थता बरकरार रखी है।

संपादकीय

निष्पक्ष हो तफ्तीश

मेडे, ये वो आपात संदेश था जो बृहस्पतिवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने उड़न भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को भेजा था, लेकिन एटीसी जब तक कोई प्रतिक्रिया करता तब तक दूसरी ओर सुनने वाला कोई बचा नहीं था। विमान टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हवाई अड्डे के बाहर सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार देशी विदेशी यात्रियों और क्रू सहित 242 लोगों में से सिर्फ एक खुशकिस्मत यात्री के सिवा कोई नहीं बचा। मेडिकल कॉलेज होस्टल, कैफेटेरिया को भी भारी क्षति पहुंची और 10 से अधिक लोगों की भी मौत हुई है जिनमें कुछ प्रशिक्षु चिकित्सक थे। लंदन जा रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मृत्यु हो गई। स्वाभाविक तौर पर यह कभी न भूलने वाला गम है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता तो जांच के बाद ही लग सकेगा, लेकिन कुछ तथ्यों पर तुरंत गौर करना जरूरी है। वह क्या कारण थे कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) उड़ान भरने के बाद 625 फुट से ऊपर नहीं उठ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के लैंडिग गेयर भी तब तक सिमटे नहीं थे कि पायलट को आपात पुकार लगानी पड़ी, लैंडिग गेयर समेटने की प्रक्रिया स्वचालित होती है। क्या विमान टेक ऑफ के लिए जरूरी गति नहीं पकड़ पाया था। विमान को तेजी से नीचे आते देखा गया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा भी नहीं है कि पायलट कम अनुभवी रहे हों। उड़ान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के हाथों थी। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। हादसे की परिस्थितियां विमान के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या उड़ान से पहले जरूरी जांचों में लापरवाही बरती गई थी? बोइंग कंपनी के विमानों को लेकर बीते वर्षो में इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। कई बार ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोका जा चुका है। कंपनी अभी तक तो सभी आरोपों से इनकार करके बचती रही है। अब वक्त आ गया है कि अहमदाबाद हादसे में मारे गए पायलट की आपात पुकार को हर वक्त सुना जाए और विमानों के मेंटिनेंस में लापरवाही को आपराधिक कृत्य माना जाए ताकि अब कोई और हादसा न हो और देश की छवि पर कोई धब्बा न लगे।

चिंतन-मनन

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक।

अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। उसकी वजह है कि इस समय धरती आपके सिस्टम के अनुसार काम करती है। अगर आप खास तरीके से जागरूक हो जाते हैं, आपके भीतर एक खास स्तर की जागरूकता आ जाती है तो आपको इस समय का सहज रूप से अहसास हो जाता है। अगर आप सही वक्ति पर सोने चले जाते हैं तो आपको उठने के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको हमेशा पता चल जाएगा कि कब 3.40 का वक्ति हो गया है, क्योंकि यह वक्ति होते ही आपका शरीर एक अलग तरीके से व्यवहार करने लगेगा।

अनकहा और अपरिभाषित होता है पिता का प्रेम

विनोद कुमार विक्की

जून माह का तीसरा रविवार पिता के सम्मान प्रेम और योगदान को समर्पित किया गया है। इस वर्ष यह दिवस 15 जून को मनाया जा रहा है।

मातृत्व की महत्ता से अभिभूत तथा मदर्स डे के उपदेशों से प्रेरित होने वाली सोनोरा स्मार्ट डोड ने अपने पिता के सम्मान में 19 जून 1910 को वाशिंगटन के स्पोकेन में पहली बार फादर्स डे मनाने की परंपरा का आगाज किया। पितृत्व त्याग और प्रेम को समर्पित इस दिवस को माता के सम्मान में मनाये जाने वाले मदर्स डे का पूरक माना जाता है। स्मार्ट डोड के पिता विलियम जैक्सन स्मार्ट, अमेरिकी गृह युद्ध के एक जांबाज योद्धा थे। पहली पत्नी एलिजाबेथ और दूसरी पत्नी एलेन विक्टोरिया चीक की मृत्यु के उपरांत विलियम ने अकेले पिता के रूप में कठिन परिस्थितियों के बावजूद नवजात शिशु सहित अपने छः बच्चों के परवरिश की गहन जिम्मेदारी का निर्वाह किया। अपनी संतान के प्रति उनका अटूट प्रेम, संघर्ष और त्याग ही फादर्स डे के पीछे की प्रेरणा बन गया।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि लौकिक ईश्वर का दर्जा प्राप्त माता-पिता के त्याग, समर्पण और प्रेम को शब्दों एवं समय की परिधि से बांधा नहीं जा सकता। इनके योगदान के प्रति भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए संभवतः संपूर्ण जीवन भी कम पड़ जाए। भाग-दौड़ भरी व्यस्तता और परिवार के मुखिया के लिए अव्यक्त अभिव्यक्ति के बीच जून का तीसरा रविवार यह मौका देता है कि फादर्स डे के बहाने पिता के योगदान और भूमिका का अहसास कर अपने पिता के प्रति प्रेम, सम्मान और आभार को खुल कर व्यक्त कर सकें। फादर्स डे पिता के महत्व को पहचानने और उनके योगदान को सराहने का अवसर देता है। यह विशेष दिवस पारिवारिक बंधन को मजबूत करने में पिता की भूमिका का मार्मिक अहसास कराने के साथ ही पिता और बच्चों के बीच के रिश्ते को और भी प्रगाढ़ करने में मदद करता है। परिवार एवं समाज में पिता की भूमिका और उनके महत्व को बढ़ावा देने के साथ ही उनके योगदान को सराहने का अवसर भी प्रदान करता है।

जून के तीसरे रविवार को फादर्स-डे के रूप में मनाये जाने हेतु अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने वर्ष 1966 में इसे आधिकारिक मान्यता प्रदान की थी। वर्ष 1972 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने फादर्स डे को एक स्थायी राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। हालांकि सोनोरा स्मार्ट डोड द्वारा प्रारंभ फादर्स-डे मनाये जाने को 1924 में राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज ने समर्थन देने की घोषणा की थी, किंतु आधिकारिक तौर पर इसे वर्ष 1966 में ही मान्यता मिल पायी।

पिता के प्रेम को परिभाषित कर पाना काफी मुश्किल है, क्योंकि यह प्रेम अनकहा और अक्सर अल्प व्यक्त होता है, लेकिन इसका प्रभाव बच्चों के जीवन पर गहरा होता है। पिता का प्रेम एक माँ के प्रेम से अलग होता है। यह प्रेम एक मार्गदर्शक प्रकाश है, जो हर बच्चे के लिए प्रेरणा और शक्ति का स्त्रोत है। परिवार में पिता की भूमिका संरक्षक एवं मार्गदर्शक का होता है। परिवार के लिए आदर्श स्थापित करने वाले पिता से उनकी संतान ज्ञान, शक्ति और साहस प्राप्त करते हैं। मुश्किल समय में सहारा और भावनात्मक शक्ति पिता से प्राप्त होती है। अनुशासन मिश्रित पिता का प्रेम बच्चों को सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। पिता अपने बच्चों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत होता है। वो हमेशा अपनी मेहनत और समर्पण से उन्हें प्रेरित करते हैं। पिता अपनी संतान को ना केवल दैहिक और आर्थिक सुरक्षा देता है, बल्कि उन्हें सामाजिक पहचान, प्रतिष्ठा और भावनात्मक समर्थन भी प्रदान करता है। प्रेरणा और मार्गदर्शन तथा जीवन के मूल्यों से परिचय कराते हुए बच्चों में साहस, ज्ञान और आत्मविश्वास उत्पन्न करता है। हालांकि यह एक कड़वा सच है कि अक्सर पिता परिवार की आर्थिक जरूरतों एवं संतान की जरूरत को पूरा करने के लिए परिवार एवं बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाता है। जिस कारण माता की अपेक्षा पिता का प्रेम प्रायः अव्यक्त और अपरिभाषित ही रह जाता है।

माँ है ममता की फर्श, पिता छत और दीवार होता है
माँ से होता है घर जनाब, तो पिता से संसार होता है।

सरल शब्दों में कहा जाय तो सामाजिक दायित्व और पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा सामान्य ऊर्जा और साधारण व्यक्तित्व वाला पिता अपने बच्चों के लिए उसके जीवन का आदर्श और उसका सुपर हीरो होता है।

ईरान-इजरायल संघर्ष से खतरे में वैश्विक शांति

डॉ. एस.डी. वैष्णव

ईरान और इजरायल के बीच सीधे तौर पर युद्ध की शुरूआत हो चुकी है। दोनों ओर से एक-दूसरे पर बम बरसाए जा रहे हैं और हालात दिन-प्रतिदिन बदतर हो रहे हैं।

चूंकि इजरायल के साथ अमेरिका भी है तो जाहिरैहै, ईरान के लिए मौजूदा वक्त काफी चुनौतीपूर्ण है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका और इजरायल लगातार ईरान को चेतावनी दे रहे थे। पिछले वर्ष तेहरान पर अपने बम वषर्क विमानों से हमला करके इजरायल ने वहां हड़कंप मचा दिया था। ऑपरेशन ह्यनेशन ऑफ लायंसह्व के तहत एक बार फिर इजरायल ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल साइट्स पर बारूद बरसाकर अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। इस बार तेहरान पर हुए हमले में इजरायल ने ईरान के आर्मी चीफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड क्रॉप्स के कमांडर-इन-चीफ हुसैन सलामी के साथ परमाणु वैज्ञानिक डॉ. फारेदून अब्बासी-दावानी और डॉ. तेहरांची के मारे जाने की पुष्टि की है। इजरायल हमेशा सुनियोजित और पूरी तैयारी के साथ हमले करता है, जिसमें मोसाद की अहम भूमिका रहती है, यह उसी का परिणाम है।

ईरान पर किए गए हमले के बाद ईरान की जवाबी करवाई की आशंका के चलते इजरायल में इमरजेंसी घोषित की गई है। ईरान के लिए यह हमला निश्चित रूप से बड़ी क्षति है। और उसने इजरायल पर जवाबी कार्रवाई शुरू भी कर दी है। ईरान के साथ इराक ने भी अपना एयर स्पेस बंद कर दिया है। उधर इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्स ने कहा है कि हम ईरान के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगे। इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जो जुबानी जंग चल रही थी; वह अब बारूदी जंग में बदल गई है। ईरान के इतने महत्त्वपूर्ण लोगों का एक साथ हमले में मारा जाना ईरान के सुरक्षा और खुफिया तंत्र पर सवाल खड़े करता है। इजरायल के लिए निश्चित रूप से यह एक रणनीतिक जीत कही जाएगी। ईरानी सेना प्रमुख जनरल मोहम्मद बाघेरी को ईरानी रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स (आईआरजीसी) के साथ रणनीतिक और परमाणु नीति निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते देखा जाता रहा है। ईरान के इतने बड़े और महत्त्वपूर्ण पद पर बैठे अधिकारी के मारे जाने से मध्य-पूर्व में युद्ध की आग निश्चित रूप से और बढ़ेगी। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु संवर्धन संधि को लेकर अलग-अलग देश में बैठकें जारी थीं और यह बातचीत किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रही थी।

अमेरिका इजरायल को ईरान के परमाणु साइट्स पर हमले न करने के लिए लगातार रोक रहा था। हमले के बाद अमेरिका ने कहा है कि इस हमले में उनका कोई हाथ नहीं है, लेकिन ईरान इस हमले को अमेरिका की ओर से उकसावे की रणनीति मानता है। आज जिस युद्धाक्रांत समय के साये में हम जी रहे हैं, वहां से सिर्फ भय और टकराहट की लपटें उठती नजर आती है। उधर रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत होता दिख नहीं रहा है। गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया पर इजरायली बारूद लगातार बरस रहा है। मेरे जेहन में इजरायल का अरब देशों के साथ हुआ 6 दिन का संघर्ष जिसमें इजरायल की जीत हुई थी और इजरायल द्वारा अपने अपहत नागरिकों को वापस लाने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन थंडरबोल्ट' की याद ताजा है। इजरायल अपने विरोधियों के खिलाफ हर मोर्चे पर आक्रामक रुख अख्तियार करता रहा है। इस बार मध्य-पूर्व में यदि युद्ध विस्तारित हुआ, तो वैश्विक महाशक्तियां इस जंग में अपने कदम अवश्य रखेगी। आईडीएफ, मोसाद और अमेरिकी बैकअप इजरायल की ताकत है, इसलिए मध्य-पूर्व में इजरायल किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा।

बहरहाल, विचलित करने वाला यह समय हमें भीतर तक झकझोरता है। वैश्विक शांति के लिए महाशक्तियों को अपनी साम्राज्य विस्तार की नीतियों पर भी लगाम लगानी होंगी। जय-पराजय का यह समर किस मोड़ पर जाकर रुकेगा, अभी कहा नहीं जा सकता, लेकिन दो महायुद्धों के बीच जन्मी जयशंकर प्रसाद की कामायनी का यह छंद मनुष्यता के पक्ष में खड़ा नजर आता है- 'दुख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात' इस बात का यकीन दिलाता है कि दुख की पिछली रजनी को लांघकर, कभी-न-कभी सुख का नवल प्रभात अवश्य खिलेगा और उसदिन सारा विश्व समरसता की गूंज से भर उठेगा।

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत: आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

गैस से राहत दिलाता है पवनमुक्तासन

पीएम नरेंद्र मोदी की योगासनों की एनिमेटे सीरीज में शुक्रवार को पवनमुक्तासन के बारे में जानकारी दी गई। इस आसन को करने से पेट की कई तकलीफों से राहत मिलती है

और कमर व रीढ़ की हडड्ी के लिए भी यह आसन फायदेमंद है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बना रहता है। विभिन्न योगासनों पर आधारित सीरीज में पीएम मोदी के एनिमेटेड वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं, जिसमें वह हर दिन अलग-अलग योगासनों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हैं। आज जारी वीडियो सुबह 8.00 बजे शेयर किया गया। पीएम के इस वीडियो को अब तक 80 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसे 15 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले चुके हैं और 3200 से ज्यादा बार रीट्वीट किया जा चुका है। पिछले साल भी योग दिवस से पहले पीएम ने योगासन करते हुए अपने कई वीडियो ट्वीट किए थे।

क्या है पवनमुक्तासन

पवनमुक्त का अर्थ है पवन या हवा को मुक्त करना। इस आसन पेट की वायु निकालने में मदद करता है, इसलिए इस आसन का नाम पवनमुक्तासन है।

पवनमुक्तासन के लाभ

पीठ व पेट कि मासपेशियों को मजबूत बनाता है। हाथों व पैरों की मासपेशियों को मजबूत बनाता है। पेट एवं दूसरे इन्द्रियों की मालिश करता है। पेट में से वायु को निकलता है और पाचन क्रिया में मदद करता है। रक्त परिसंचरण को बढ़ाता है और पीठ व कूल्हे के जोड़ के हिस्से को तनाव मुक्त करता है।

बारिश में छोटे बच्चों की देखभाल

बरसात यानी मॉनसून के मौसम में शिशु को की तरह की बीमारियों का खतरा होता है, जैसे- खांसी, जुकाम, बुखार, त्वचा पर दाने, त्वचा पर रैशेज, चकत्ते, इंफेक्शन आदि। इन सभी से बचाव के लिए जरूरी हैं कुछ मॉनसून स्पेशल बेबी केयर टिप्स, जानें इन्हें।

बारिश के मौसम (मॉनसून) में छोटे बच्चे बहुत ज्यादा बीमार होते हैं। इस मौसम में शिशुओं को बहुत ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। दरअसल तेज गर्मी के बीच अचानक बारिश के कारण तापमान जल्दी-जल्दी कम-ज्यादा होता रहता है और मौसम में नमी आ जाती है, जिसके कारण छोटे बच्चों में बुखार, खांसी, जुकाम, बैक्टीरियल एलर्जी, फंगल इंफेक्शन, दाद-खाज आदि का खतरा बढ़ जाता है। आइए आपको बताते हैं मॉनसून सीजन में छोटे बच्चों की देखभाल के लिए जरूरी टिप्स।

बच्चे को गीला न होने दें

मॉनसून के मौसम में बैक्टीरिया और वायरस बहुत ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप बच्चों को गीला न होने दें। शिशु को बरसात के पानी में भीगने से बचाएं। इसके अलावा घर के बिस्तर, कपड़े, फर्श आदि को भी गीला होने से बचाएं। थोड़े-थोड़े समय में शिशु की नैपी/लंगोट चेक करते रहें। शिशु के पेशाब या पॉटी करने के बाद थोड़े समय में ही बैक्टीरिया एक्टिव हो जाते हैं और शिशु की नाजुक त्वचा पर हमला कर सकते हैं। कई बार गीलेपन के कारण बच्चों को जुकाम-बुखार जैसी समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा अगर आपका बच्चा थोड़ा बड़ा है, तो उसे पानी में खेलने, कपड़े गीले करने, पांव और सिर गीला करने से रोकें। कुल मिलाकर कोशिश करें कि आपका बच्चा हमेशा सूखा रहे।

मच्छरों से बचाएं

बारिश के मौसम में शाम से ही मच्छर एक्टिव हो जाते हैं। ऐसे में शिशु को मच्छरों से बचाने के लिए दिन से ही घर के खिड़की-दरवाजों को बंद रखें और घर में पानी न जमा होने दें। अगर आपके आसपास मच्छर हैं, तो शिशु के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें। ध्यान रखें कि शिशु के कमरे में कॉइल या मॉस्कीटो रिपलेंट का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे निकलने वाले धुंए शिशु के नाजुक फेफड़ों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। अगर लगा भी रहे हैं, कोशिश करें कि धुंए वाले ये प्रोडक्ट शिशु से अधिकतम दूरी पर हो और उसका धुंआ सीधे शिशु के नाक या मुंह के संपर्क में न आए।

शिशु के आसपास सफाई रखें

बारिश के मौसम में शिशु के शरीर के अलावा उसके आसपास सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। दरअसल मौसम में नमी होने के कारण बैक्टीरिया की प्रजनन क्षमता काफी तेज हो जाती है। इसलिए उन्हें पनपने से रोकने के लिए साफ-सफाई बहुत जरूरी है। शिशु के कमरे में दिन में 2-3 बार पोछा लगाएं, ताकि मच्छर और दूसरे कीट-पतंग वहां न आएं। घर के कूड़ेदान, कूलर, किचन का सिंक, गैस आदि को अच्छी तरह साफ करें। इसके अलावा ध्यान रखें कि बचे हुए खाने को घर में जमा करके न रखें, बल्कि तुरंत बाहर फेंक दें या जानवर को खिला दें। घर के आसपास और घर के अंदर पानी न जमा होने दें, वर्ना डेंगू-मलेरिया फैलाने वाले मच्छर पनप जाएंगे।

घर की दीवार, खिड़कियां चेक कर लें

मॉनसून से पहले ही घर की दीवार और खिड़कियां जरूर चेक कर लें। दीवारों या छत पर आने वाली सीलन से भी कई तरह की बीमारियां फैलती हैं। बरसात के बाद यदि दीवारों में फफूंद और फंगस लग रही है, तो इसे तुरंत हटाएं और दीवार की मरम्मत करवाएं। गीले माहौल में रहने के कारण शिशु को सर्दी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियों का खतरा तो होता ही है। इसके साथ ही कई बार वे किसी गंभीर बीमारी का भी शिकार हो सकते हैं।

एलर्जी चेक करते रहें

बारिश के मौसम में एलर्जी होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इसलिए बच्चों के शरीर पर दिखने वाले छोटे मोटे रैशेज, दाद, खुजली आदि को नजरअंदाज न करें, क्योंकि ये तेजी से फैल सकता है। एलर्जी होने पर अपने मन से या मेडिकल स्टोर से खुद ही कोई क्रीम खरीदकर न लगाएं, क्योंकि शिशु की त्वचा वयस्कों से बहुत अलग और सेंसिटिव होती है। वयस्कों की क्रीम शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

रेसिपी

कटहल का अचार

सामग्री

■ कटहल-500 ग्राम ■ नमक- 1/2 कप ■ चीनी-1/2 कप ■ सिरका-1 कप ■ लहसुन की कलियां- 6-8 ■ लाल मिर्च पाउडर- 3 टीस्पून ■ राई- 2 टीस्पून ■ जीरा-1/2 टीस्पून ■ सौंठ पाउडर-1 टीस्पून ■ इलायची- 2 ■ लौंग- 2, दालचीनी-1 इंच का टुकड़ा

विधि

सबसे पहले हाथ में तेल लगाकर कटहल को धोकर छिल लें और उसमें नमक लगाकर दो से तीन दिन तक धूप में रखकर सूखा लें। तीसरे दिन एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें लहसुन डालकर फ्राई कर लें। अब उसमें सूखा हुआ कटहल और सभी मसाले डालकर मिक्स करें। इसके बाद इसमें सिरका डालकर अच्छे से मिक्स करके दो मिनट तक पका लें। फिर इसे ठंडा करके जार में भरकर 7-8 दिनों तक धूप में रख दें। इसके बाद इसे सर्व करें।

दही कबाब

सामग्री

■ चार कप गाड़ा दही ■ दो प्याज
■ एक अदरक का टुकड़ा ■ 3 हरी मिर्च
■ आधा चम्मच हल्दी पावडर ■ आधा चम्मच लाल मिर्च पावडर, गर्म मसाला, कसूरी मैथी
■ दो चम्मच धनिया पत्ती
■ एक कप कॉर्नफ्लोर
■ दो टमाटर के स्लाइस
■ एक कप ब्रेड क्रम्ब्स
■ तेल ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

दही कबाब बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में दही के साथ बारीक कटा हुआ प्याज, अदरक और हरी मिर्च डाल लें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पावडर, कसूरी मैथी, गर्म मसला और धानिया पत्ती डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब कॉर्नफ्लोर डालें और बराबर भाग में बांटकर मनचाहा आकार दें। कबाब को ब्रेड क्रम्ब्स में रोल करें। सभी कबाब को तेल में सुनहरा होने तक तल लें। अब प्लेट में निकालकर मनपसंद चटनी के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4085

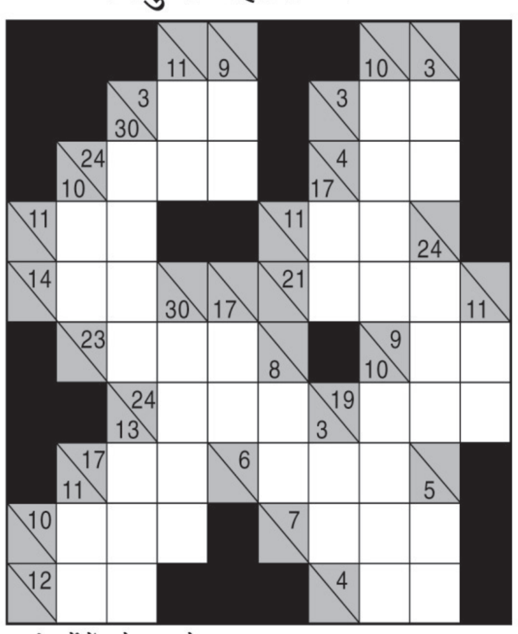

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

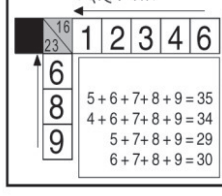

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4084 का हल

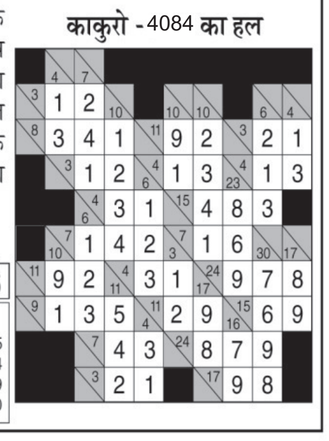

फिल्म वर्ग पहेली- 4085

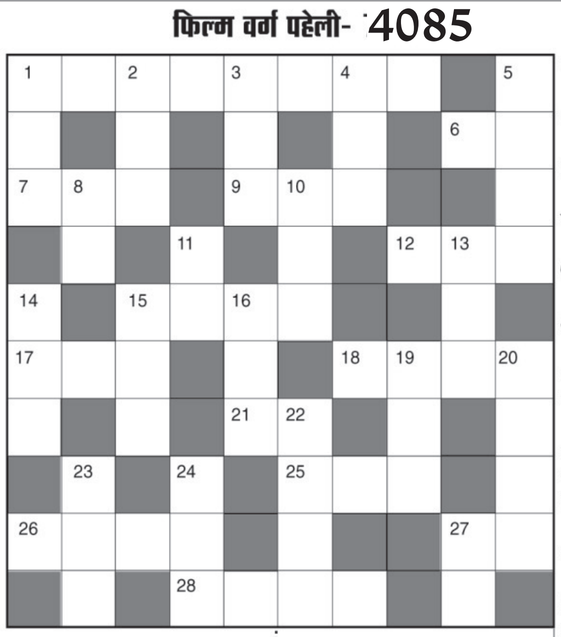

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4084

सूडोकु 4085

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4084 हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 4085

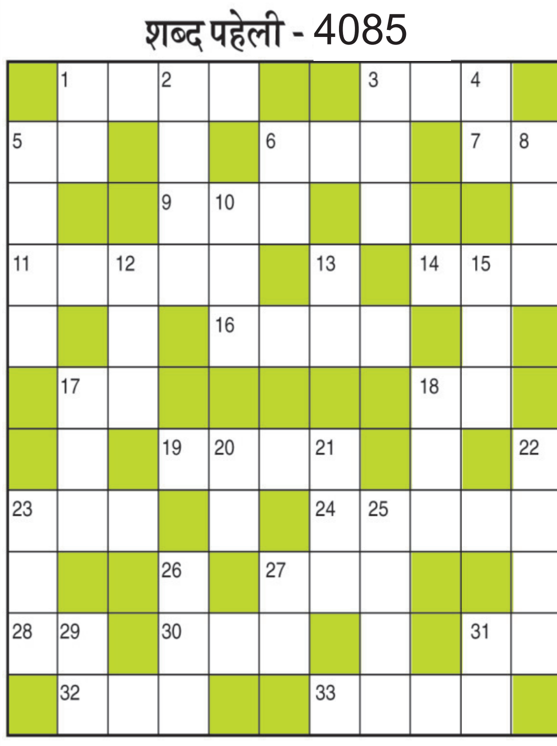

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -4084 का हल

सीडीओ ने फार्मर रजिस्ट्री कार्यों की समीक्षा की, अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

वाराणसी। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) हिमांशु नागपाल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी (कृषि) शामिल हुए। सीडीओ ने समस्त उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि जिन कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री अभी तक नहीं हो पाई है, उन्हें चिन्हित कर कैंप मोड या जनसेवा केंद्रों के माध्यम से तत्काल रजिस्ट्री कराई जाए। तहसील राजातालाब और सदर में प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित उप जिलाधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिन लेखपालों के पास अत्यधिक डाटा लंबित है, उनकी प्रतिदिन फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की जाए। उप जिलाधिकारी पिंडरा ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री पोर्टल पर कुछ ग्रामों का डाटा अन्य ग्रामों के साथ मिश्रित होने से रजिस्ट्री में समस्या आ रही है। इस पर सीडीओ ने मुख्य राजस्व अधिकारी को तहसील सदर और राजातालाब में लेखपालों की समीक्षा करने और लंबित डाटा वाले लेखपालों को चिन्हित कर समस्याओं का कारण पता लगाने के निर्देश दिए। साथ ही, लेखपाल स्तर पर सत्यापन के लिए लंबित फार्मर रजिस्ट्री के तत्काल लेखपाल की आईडी से सत्यापित कराने का निर्देश दिया गया। सीडीओ ने सभी अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और किसानों को सुविधा प्रदान करने पर जोर दिया।

नक्सलियों ने स्वीकारा-इंद्रावती टाइगर रिजर्व में मारे गए थे उनके 7 सहयोगी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगल में हुई मुठभेड़ को लेकर नक्सलियों की पश्चिम बस्तर डिविजन के सचिव मोहन ने पर्चा जारी कर 7 नक्सली साथियों के मारे जाने की बात स्वीकार किया है। गौरतलब है कि बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में 5, 6 और 7 जून को अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने सात नक्सलियों को ढेर किया था। इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़े कैडर के नक्सलियों में सेंट्रल कमेटी मेंबर गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य भास्कर सहित कुल 7 नक्सलियों को मार गिराने में सफलता मिली थी।

लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आर.सी. तिवारी ने असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा से शिष्टाचार भेंट की। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि उनके साथ 101 एरिया के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल संजय मलिक (एसएम) और मेजर जनरल आरडी शर्मा भी मौजूद थे। भेंट के दौरान सैन्य और

नागरिक प्रशासन के बीच सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श हुआ। बातचीत में पूर्व सैनिकों के कल्याण, राज्य में शांति और विकास को मजबूती देने तथा साझा पहलों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सेना के राष्ट्र सुरक्षा में अहम योगदान और राज्य के विकास व कल्याणकारी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका की सराहना की। यह मुलाकात असम में नागरिक-सैन्य समन्वय को और प्रगाढ़ करने की दिशा में भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने किया जयपुर का दौरा

जयपुर। श्रीलंका आर्मी के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएमएल रोड्रिगो 12-13 जून को सप्त शक्ति कमान के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। जनरल ऑफिसर का स्वागत दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने किया। श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर और अधिकारियों के साथ बातचीत की तथा बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभवों को साझा किया। दोनों जनरल अधिकारियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, संयुक्त प्रशिक्षण पहल, क्षमता विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विस्तृत चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल को के जी एम एल रोड्रिगो ने एक उपकरण प्रदर्शन और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर एक युद्ध प्रदर्शन भी देखा। अपने सैन्य कार्यक्रमों के अलावा लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने सैन्य और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा किया, जहां उन्होंने राजस्थान की समृद्ध सैन्य और सांस्कृतिक विरासत को देखा। लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो का दौरा श्रीलंका और भारत दोनों देशों के बीच अपने मजबूत रक्षा सहयोग को गहरा करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो दशकों के साझा इतिहास, आपसी विश्वास और क्षेत्रीय सद्भावना से निर्मित हुआ है। यह दौरा सेनाओं के बीच सौहार्द और व्यक्तिगत संबंधों, क्षमता निर्माण, सैन्य प्रशिक्षण और क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा।

मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर : राजीव रंजन सिंह

जेंसी

इन्दौर। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि दुनिया में मछली उत्पादन में भारत का स्थान दूसरा है। मछली उत्पादन मुनाफे का व्यवसाय है, जिसमें मछली उत्पादक अपनी आमदनी को कई गुना ब?ा सकता है। इसके लिए मत्स्य उत्पादकों को शिक्षण और प्रशिक्षण के साथ तकनीकी जानकारी भी देना होगी। साथ ही उन्हें अच्छा बीज भी उपलब्ध कराना होगा। यदि हमें विटामिन और प्रोटीन उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ना है तो हमें मछली उत्पादन को अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है। देश में मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार की कई ऐसी योजनाएं है जिसका लाभ उठाकर मछली उत्पादक अपने व्यवसाय को एक नई ऊंचाई दे सकता है। बीते 10 वर्षों में भारत में मछली का उत्पादन

61 लाख टन से बढ़कर 147 लाख टन हुआ है। इसी अवधि में भारत ने मत्स्य उत्पाद का निर्यात 30 हजार करोड़ से बढ़कर 60 हजार करोड़ रुपये का हो गया है। केन्द्रीय मंत्री इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में आयोजित इनलैंड फिशरीज एण्ड एक्वाकल्चर मीट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अहमदाबाद में हुई विमान त्रासदी में मृत यात्रियों एवं अन्य को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन राज्यमंत्री जार्ज कुरियन, केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, उत्तरप्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा, मप्र के मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार, केन्द्र सरकार के पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी और संयुक्त सचिव सागर मेहरा सहित छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड आदि राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि असंगठित क्षेत्रों में जो मछली उत्पादक है, उन्हें संगठित क्षेत्रों में लाना है। मत्स्य सहकारी समितियों को और मजबूत करना होगा। सभी मत्स्य उत्पादकों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेना चाहिए। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित विभिन्न राज्य सरकार की योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री मीनाक्षी योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना, अनुग्रह सहायता योजना, शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ मत्स्य उत्पादक उठायें। इन योजनाओं के माध्यम से मत्स्य उत्पादक अपने व्यवसाय को कई गुना आगे बढ़ा सकते हैं। हर राज्य मत्स्य किसानों को एक विस्तृत कार्य योजना बनाकर एनएफडीबी द्वारा प्रदाय निन्शुल्क प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करायें ताकि मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी हो।

पंजाब पुलिस ने दो तस्कर पकड़े, 4.5 किलोग्राम हेरोइन और 11 लाख ड्रग मनी बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। अमृतसर की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बार्डर रेंज ने दो तस्करों को गिरफ्तार करके सरहद पार से नारकोटिक्स तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इनके कब्ज़े से 4.5 किलो हेरोइन और 11 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ़्तार तस्करों की पहचान गांव धनोए खुर्द निवासी गुरभेज सिंह उर्फ भेजा और गांव माहल निवासी अभिजीत सिंह उर्फ हैपी के तौर पर हुई है। प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गुरभेज पाकिस्तानी तस्कर राणा के संपर्क में था और खेप की डिलीवरी के लिए तालमेल कर रहा था। उन्होंने कहा कि अपनी गिरफ़्तारी से कुछ दिन पहले उसने इस हेरोइन की खेप को ड्रोन के जरिये पहुंचाने का प्रबंध किया था। गुरभेज ने इसमें अपने अन्य साथियों समेत अभिजीत सिंह को भी शामिल किया था। डीजीपी ने कहा कि ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर एएनटीएफ बार्डर रेंज अमृतसर की टीमों ने दोनों मुलजिमों को उस समय गिरफ़्तार किया, जब वह हेरोइन को आगे बेचने

की कोशिश कर रहे थे। उनके कब्ज़े से हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के इलावा पुलिस टीमों ने उनका स्कूटर भी ज़ब्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि पूरी स्पलाई चेन को ख़त्म करने के लिए आगे जांच जारी है और आगामी दिनों में और गिरफ़्तारियां और बरामदगियां होने की संभावना है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को यूपी सरकार देगी एक लाख का अनुदान

एजेंसी

लखनऊ । कैलाश मानसरोवर की तीर्थ यात्रा पर जाने वाले उत्तर प्रदेश के मूल निवासियों को राज्य सरकार एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता देगी। इसके लिए श्रद्धालुओं को धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा।यह जानकारी धर्मार्थ कार्य विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने दी है। धर्मार्थ कार्य विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि भारत सरकार की ओर से आयोजित की जाने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा में सम्मिलित होने वाले यात्रियों को एक लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी। इसयात्रा पर जाने वाले उप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त अपने व्यक्तिगत स्रोतों अथवा प्राइवेट ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियों को भी अनुदान दिया जायेगा। इसके लिए यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियों को धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट पर 90 दिवस के भीतर आवेदन करना होगा। इस आवेदन के साथ नवीनतम फोटोग्राफ, आधारकार्ड, पेनकार्ड, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट एवं वीजा, बैंक खाते का विवरण, यात्रा पूर्ण करने का प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेख ऑनलाइन अपलोड करना होगा। कोई भी आवेदन पत्र भौतिक रूप से स्वीकार नहीं किया जायेगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि यात्रा अनुदान के लिए आवेदन पत्र के साथ अपलोड अभिलेखों का परीक्षण धर्मार्थ कार्य निदेशालय उप्र लखनऊ करेगा। परीक्षण के उपरांत आवेदन सही पाये जाने पर धर्मार्थ निदेशालय अनुदान की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानान्तरित करेगा। आवेदन पत्र एवं अभिलेखों में किसी प्रकार की त्रुटि व कूटरचित होने पर आवेदन निरस्त करते हुए आवेदक को रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर/ई-मेल पर मैसेज के माध्यम से सूचित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि श्रीकैलाश मानसरोवर यात्रा अनुदान देने से संबंधित किसी भी शिकायत का निवारण निदेशक धर्मार्थ कार्य निदेशालय करके शासन को अवगत कराया जायेगा। जीवनकाल में किसी यात्री को एक बार ही अनुदान दिया जाएगा। मुकेश मेश्राम ने बताया कि यात्रियों को सहायता राशि की सम्पूर्ण धनराशि निदेशक धर्मार्थ कार्य निदेशालय उप्र लखनऊ के निवर्तन पर रखी जायेगी। किसी यात्री की मौत होने की दशा में पति या पत्नी या आश्रित के आवेदन पर अनुदान की प्रतिपूर्ति विचारोपरान्त निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि अनुदान संबंधी आवेदन पत्र धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट पर समस्त निर्देशों के साथ अपलोड है। आवेदक को समस्त निर्देशों का अनुपालन करते हुए सुसंगत अभिलेखों को स्कैन कर अपलोड कराना होगा। जिस वर्ष में आवेदन किया गया है, उसी वित्तीय वर्ष के बजट प्रावधान से ही अनुदान दिया जायेगा। अगले वित्तीय वर्ष में अनुदान के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

आबकारी घोटाला:कांग्रेस नेता कवासी लखमा व उनके बेटे की संपत्ति समेत कांग्रेस जिला कार्यालय की इमारत अटैच

एजेंसी

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के चर्चित आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा की संपत्ति को अटैच कर दिया है। अटैच की गई संपत्ति में सुकमा स्थित कांग्रेस जिला कार्यालय की इमारत भी है। यह पहली बार है जब किसी राजनीतिक पार्टी के कार्यालय को अटैच किया गया है।

ईडी ने यह कार्रवाई 11 जून को की थी, लेकिन इसकी आधिकारिक जानकारी दी गई। ईडी के अनुसार जांच में सामने आया है कि हरीश लखमा ने आबकारी घोटाले से अर्जित कालेधन का निवेश अचल संपत्तियों में किया था। अटैच की गई संपत्तियों में सुकमा स्थित बहुमूल्य भूमि, भवन और बैंक खातों में जमा राशि भी शामिल है। इस कार्रवाई में सुकमा स्थित जिस कांग्रेस कार्यालय को अटैच किया गया है, वह संपत्ति हरीश लखमा के नाम पर दर्ज है। यह भवन लंबे समय से कांग्रेस का जिला कार्यालय रहा है। जांच में पाया गया कि भवन की खरीद-फरोख्त में शराब घोटाले की रकम का इस्तेमाल किया गया। ईडी ने

इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत कार्रवाई करते हुए इसे अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए जब्त किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ आदिवासी नेता कवासी लखमा पहले से ही आबकारी घोटाले में गिरफ्तार होकर 16 जनवरी से न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के के अनुसार, हरीश लखमा पर अपने पिता के प्रभाव का उपयोग कर सरकारी शराब ठेकों और टेंडर प्रक्रिया में घोटाले को अंजाम देने का आरोप हैं। इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि यह केंद्र सरकार की राजनीतिक बदले की कार्रवाई है और विपक्षी दलों को दबाने की कोशिश है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईडी की कार्रवाई को 'लोकतंत्र पर हमला' बताया है।

राष्ट्र के परम वैभव का आधार ही संस्कारयुक्त लोक हितकारी परिवार : डॉ. रविंद्र शंकर जोशी

एजेंसी

अयोध्या। परिवार में हमें मोबाइल पार्किंग की भी व्यवस्था बनानी होगी। हम तकनीकी गुलाम हो रहे हैं। आपस में संवाद का अभाव, मोबाइल का अधिक प्रयोग, सांस्कृतिक सम्बंधों का अभाव, अहंकार, तनाव आपस में असहयोग परिवार और राष्ट्र की प्रतिष्ठा के स्थान पर अपनी प्रतिष्ठा, धैर्य की कमी और पीढ़ी का अंतराल इन सभी को दूर करना है। उक्त बातें गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि के मंगल संवाद कार्यक्रम में अखिल भारतीय संयोजक डॉ. रविंद्र शंकर जोशी ने व्यक्त की। उन्होंने परिवार की छोटी-छोटी बातों का उल्लेख करते हुए इन दुर्गुणों से दूर रहने का आह्वान किया। डॉ जोशी ने यह भी उल्लेख किया की संस्कारयुक्त बालक हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए हमें परिवार को समय देना होगा और केवल आवश्यक कार्य के लिए ही मोबाइल का

सदुपयोग हो, यह भी तय करना पड़ेगा। परिवार के सभी सदस्य एक दूसरे के हित का चिंतन करें। मैं नहीं तू ही का भाव हो और यही भाव समाज और राष्ट्र के लिए भी बने तभी राष्ट्र परम वैभव की ओर जाएगा। समाज की विकृतियां अपने परिवार में न आए तथा अपना समाज ही विकृत हीन हो जाए, ऐसा हमारा प्रयास हो।उन्होंने कहा कि परिवार में हंसी-ठहाके लगें, खेलकूद के साथ पढ़ाई-लिखाई एवं तनाव मुक्त परिवार बने, यही आधार ही राष्ट्र के परम वैभव का आधार होगा। परिवार में छोटे-छोटे कैसे खेल हो सकते हैं। इस पर भी उद्घाटन सत्र में चिन्मय मिशन की प्रमुख माता शाश्वती चैतन्य ने गीता और रामायण के उदाहरण से राष्ट्र और समाज के उन्नयन के कार्य करने हेतु सभी को प्रेरित किया। उन्होंने सभी को मीठी बोली बोल कर बनो मित्र अनमोल दोहरवाया। इस अवसर पर क्षेत्र संयोजक कुटुंब प्रबोधन अशोक उपाध्याय, संयुक्त क्षेत्र संयोजक ओमपाल, अवध प्रांत सहसंयोजक डॉ. रमापति मिश्रा, जिला संघचालक डॉ. विक्रमा प्रसाद पांडेय, प्रांतीय टोली सदस्य डॉ दुर्गेश,संयोजक अयोध्या महानगर संयोजक चन्द्र भान शुक्ला, सहसंयोजक अयोध्या महानगर पवन पाण्डेय, विभाग संघ चालक मुकेश तोलानी, महानगर प्रचारक सुदीप, अवनी कुमार शुक्ला, डॉ. उपेंद्र मणि त्रिपाठी, श्वेता सिंह, अनामिका त्रिपाठी, मंजरी श्रीवास्तव आदि कार्यकर्ता एवं बड़ी मात्रा में महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

नए कलेवर में नजर आ रहे सीमा प्रहरी, ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीएसएफ की वर्दी में हुआ बदलाव

एजेंसी

जैसलमेर। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में भी बदलाव का दौर जारी हो चुका है। फ्रंट लाइन ऑफ डिफेंस कही जाने वाले बीएसएफ के जवान अब नए कलेवर में नजर आ रहे हैं। बीएसएफ की वर्दी में अब बदलाव किया गया है। नई ड्रेस दिखने में आकर्षित होने के साथ-साथ काफी सुविधाजनक भी है। बीएसएफ नार्थ के डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि नई ड्रेस डिजिटल पैटर्न की है। इसे लूज और टाइट आसानी से किया जा सकता है। इसके अलावा पुरानी ड्रेस के कपड़े की मोटाई बहुत ज्यादा थी। इस कपड़े की मोटाई कम है, जिससे भीषण गर्मी में ये कपड़ा आरामदायक रहेगा। इस ड्रेस की खासियत है कि इसे रजिस्टर्ड पेटेंड करवाया गया है

ताकि कोई इसकी कॉपी तथा सिलाई नहीं करवा पाएंगे। इसके अलावा इसे तीन पैटर्न में बांटा गया है जोकि अलग-अलग परिस्थितियों में अलग अलग पहनी जाएगी। अभी इस ड्रेस में और भी कई बदलाव किए जाएंगे।

मप्र सरकार का किसानों के हित में बड़ा निर्णय, केन्द्र को भेजा मूंग और उड़द के उपार्जन का प्रस्ताव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की बेहतरी के लिये सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही है। सरकार ने किसानों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किए जाने संबंधी निर्णय लेकर प्रस्ताव केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजा है। किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द के उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन 19 जून से प्रारंभ होगा। इस संबंध में संबंधित विभाग एवं एजेंसियों को निर्देश जारी कर दिये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार देर शाम एक बयान में कहा कि राज्य सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये कृषि

आधारित उद्योग लगाने में भी मदद कर रही है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम दिलाने के लिये प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने किसान संघों से हुई चर्चा में आश्वस्त किया कि हम सब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य की बेहतरी के लिये डबल इंजन की सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार किसानों को अगली फसल के लिये भी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को उन्नत बीज और उन्नत कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश में निरंतर कृषि मेलों का आयोजन कर रही है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग भारत सरकार द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8682 रुपये प्रति क्विंटल और उड़द का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7400 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। राज्य किसान कल्याण एवं कृषि विभाग द्वारा शुक्रवार को केन्द्र को भेजे गये प्रस्ताव में किसानों का पंजीयन, उपार्जित फसल की गुणवत्ता, परिवहन, भुगतान के साथ प्रचार-प्रसार की कार्य-योजना भी प्रेषित की गई है।

मप्र के ग्वालियर में दो मंजिला मकान की दीवार गिरने से मलबे में दबे पांच लोग, चार की मौत

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के शंकरपुर इलाके में शाम तेज आंधी-बारिश के दौरान एक दो मंजिला मकान की दीवार भरभराकर गिर गई, जिससे मलबे में पांच लोग दब गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। इस हादसे में मलबे में दबे चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस के अनुसार, शंकरपुर में महेंद्र सिंह इंगले के दो मंजिला मकान के पास में ही उनका एक प्लॉट है। उस पर टीन शेड है। शाम ग्वालियर में तेज आंधी और बारिश हुई। इसी दौरान महेंद्र के दो मंजिला मकान की दीवार ढहकर टीन शेड पर गिर गई। हादसे के समय नीचे महेंद्र के साथ पांच लोग और

बैठे थे। ये सभी दीवार के मलबे में दब गए। घटना का पता चलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू किया और सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मकान मालिक समित चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक का गंभीर हालत में उपचार जारी है।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लगभग पांच बजे तेज बारिश और आंधी शुरू हुई। इस दौरान बिजली चमकने के कुछ ही देर बाद शंकरपुर निवासी महेंद्र इंगले के अधूरे दो मंजिला मकान की दूसरी मंजिल की पतली दीवारें ढह गईं। मकान की छत अभी नहीं डाली गई थी। हवा का दबाव इतना ज्यादा था कि एक के बाद एक तीन दीवारें ढह गईं। बारिश से बचने के लिए पांच लोग इस टीनशेड के नीचे बैठे हुए थे। जब मकान की दीवारें गिरीं तो पूरा मलबा सीधे टीनशेड पर गिरा। टीनशेड में लगे लोहे के एंगल टूटकर लोगों के ऊपर जा गिरे। मलबे में दबने से चीख-पुकार मच गई। लगभग आधे घंटे तक लोगों को बाहर निकालने की कोशिशें जारी रहीं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया।बहोड़ापुर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मकान की दूसरी मंजिल पर दीवारें खड़ी थीं।

केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर टिकटों की कालाबाजारी के आरोप में युवक गिरफ्तार

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा में हेलीकॉप्टर के टिकट के नाम पर यात्रियों को झांसा देने और टिकट के ओवर रेटिंग के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपित को कोर्ट में पेश करने के बाद पुरसाड़ी जेल भेज दिया गया है। इस मामले में पुलिस की ओर से दो आरोपितों को बीते 30 मई को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। केदारनाथ हेलीकॉप्टर टिकट की कालाबाजारी के मामले में पुलिस ने जांच करते हुए गुप्तकाशी थाना पुलिस ने आकाश शर्मा, निवासी गागलहेडी, दीनापुर, जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष कुलदीप पंत के अनुसार, आरोपित ने पूछताछ में बताया है कि उसके ओर से मैखंडा-फाटा में एक होटल छह माह के लिए लीज पर लिया हुआ है। वह और उसके साथ के कुछ लोग केदारनाथ यात्रा में आने वाले यात्रियों को हेलीकॉप्टर टिकट दिलाने का झांसा देकर होटल में लाते हैं। यहां, यात्रियों से मनमाफिक रुपये लेकर उन्हें हेलीकॉप्टर की टिकट बेची जाती है। आरोपित ने बताया कि मई माह में उसने भोपाल निवासी हिमांशु राय को हेलीकॉप्टर के दो टिकट दिलाने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को अतिरिक्त रुपये दिये थे। आरोपित ने बताया कि फाटा में भी अन्य कई होटल संचालक भी हेलिकॉप्टर की टिकट की कालाबाजारी कर रहे हैं।

बीस दिनों से चल रहे उत्तर-पूर्व क्षेत्र कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम का समापन

एजेंसी

पटना/सीतामढ़ी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सीतामढ़ी में पिछले 20 दिनों से चल रहे उत्तर पूर्व (बिहार-झारखंड) क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम का विधिवत समापन हो गया। शिक्षार्थियों द्वारा वर्ग में सीखे गए शारीरिक एवं घोष का प्रदर्शन हुआ, जिसमें दंड युद्ध, नियुद्ध दंड, पद विन्यास एवं घोष सम्मिलित रहे।

यह समापन शस्त्र और शास्त्र के संतुलन को दिखाने-सिखाने वाला रहा। विभिन्न प्रकार के योगासन, जिससे मन, बुद्धि, शरीर और आत्मा को स्वस्थ, शांत एवं एकाग्र रखने के कौशल का प्रदर्शन भी हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पटना उच्च न्यायालय के महाधिवक्ता डॉ. कृष्णानंद सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में पुनौरा धाम के महंत कौशल किशोर दास जी तथा मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक बिहार-झारखंड रामनवमी प्रसाद और वर्ग के सर्वाधिकारी सकलदेव चौरसिया की उपस्थिति रही। इस मौके पर महंत कौशल किशोर दास जी ने सभी शिक्षार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि संघ का प्रशिक्षण सभी युवाओं को लेना चाहिए । इससे हमें राष्ट्रीय भावना और उसकी रक्षा के लिए कार्य करने का बल मिलता है। मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णनंदन सिंह ने कहा कि समाज में संघ के बारे में विरोधियों ने कई भ्रांतियां फैला रखी हैं, उन्होंने संघ के कार्यक्रम में सम्मिलित होने को अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक प्रतिज्ञा लेते हैं, उस प्रतिज्ञा मे ही निस्वार्थ सेवा-भाव, राष्ट्रीय तत्व को आत्मसात करने और हिंदू धर्म की रक्षा करने कि तत्परता देता है। उन्होंने कहा कि हिंदू शब्द की व्याख्या, जो सर्वोच्च न्यायलय ने दे रखी है, उसके अनुसार हिंदू एक जीवन पद्धति है, यह पद्धति हमें किसी से घृणा नहीं सिखाती। हिंदू कहीं भी पूरे विश्व में खतरा नहीं है, उसका कारण उसकी जीवन पद्धति एवं हिंदू संस्कार है, जो सबका आदर करना सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि संघ के संस्थापक ने जो संकल्प हिंदुओं को इकट्ठा करने लिया, वह महान विचार आज देश-दुनिया को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि डॉक्यूमेंट-2047 के लीक होने से जिहादी और ईसाइयों के राजनीतिक मंसूबे का पता चला, जो कि भारत के लिए खतरनाक है। एक ओर हिंदू जहां अपने जीवन शैली जी रहा है, वहीं दूसरी ऐसे लोग भारत को हिंदू मुक्त करने की नीति पर काम कर रहे हैं। संघ के क्षेत्र प्रचारक सह मुख्य वक्ता रामनवमी प्रसाद ने गुरुवार को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि हादसे एकाएक होते हैं, लेकिन जो भाव सेवा का होता है, वह ऐसे कई संकटों मे भी राह दिखाता है।

हिंदुओं के गौरव की पहचान
स्वामीनारायण मंदिर

भारत ही नहीं पूरी दुनिया के अलग–अलग देशों में ऐसे हिन्दू देवस्थान हैं, जो सनातन संस्कृति से पूरी दुनिया के लोगों को जोड़ते हैं। यह मंदिर मात्र धर्म और आस्था के ही स्थान नहीं है, बल्कि अपनी अद्भुत और अनूठी वास्तुकला के लिए भी पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। इन मंदिरों में से एक है कनाडा देश के टोरंटो शहर में स्थित स्वामीनारायण संप्रदाय का स्वामीनारायण मंदिर।

यह मंदिर कनाडा में फिंच ऐवेन्यू के पास हाईवे नंबर 427 पर स्थित है। इस मंदिर की मुख्य विशेषता है कि इसके निर्माण में इस्पात या लोहे का उपयोग नहीं किया गया है। साथ ही इस मंदिर का अधिकांश भाग अलग–अलग प्रकार के पत्थरों से बना है। जिन पर भारत में ही हस्तशिल्प कार्य किया गया। यह मंदिर मात्र 18 माह की छोटी सी अवधि में बनकर तैयार हुआ। इसका निर्माण स्थानीय हिन्दु धर्मावलंबियों द्वारा किया गया। इसके निर्माण में लगभग 40 मिलीयन डॉलर खर्च हुए।

इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी अनेक रोचक बाते हैं।

- इस मंदिर के निर्माण में उपयोग किया गया लाईम स्टोन और संगमरमर क्रमशः टर्की और इटली से भारत लाया गया। बाद में इस पर हस्तशिल्प कर फिर से कनाडा ले जाया गया।
- इन पत्थरों पर भारत के 26 स्थानों पर लगभग 1800 हस्तशिल्पियों ने कार्य किया।
- यह मंदिर 18 एकड़ क्षेत्र में फैला है।
- मंदिर के 132 तोरण, 340 खंबो और छत के 84 भागों के लिए 24 हजार नक्काशीदार संगमरमर और लाईमस्टोन पत्थर के टुकड़े उपयोग किए गए।
- इस मंदिर का निर्माण 100 भारतीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों ने इन पत्थरों को जोड़कर किया।
- पत्थरों में की गई नक्काशी में भारतीय धर्म ग्रंथों और पुराणों से जुड़े देवी–देवता और चिन्ह दिखाई देते हैं। सनातन संस्कृति के अनुसार मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए मंदिर में अनेक नियम और व्यवस्थाएं हैं।
- मंदिर में भगवान के दर्शन सुबह 9 से 12 बजे के बीच और शाम को 4 से 6 बजे तक होते हैं।
- मंदिर का अध्यात्मिक वातावरण बनाए रखने के लिए शांत रहने का नियम बनाया गया है। साथ ही सुंदर नक्काशी को नुकसान न पहुंचे इसलिए दीवारों का छूना निषेध है। – मंदिर में वस्त्रों की भी मर्यादा नियत की गई है। शार्ट या घुटने से ऊपर तक ऊंचाई वाले कपड़े की अनुमति न होकर उसके स्थान पर धोती या लुंगी दी जाती है।
- जूते–चप्पल, धूम्रपान, मोबाईल आदि मंदिर में लाने और मंदिर के अंदर खान–पान पर पाबंदी है।
- यह मंदिर कनाडा में भारतीय वैदिक संस्कृति का पहला मंदिर माना जाता है।

गुणों की खान तिरूपति बालाजी

हिन्दु धर्मग्रंथों में भगवान के छः गुण बताए गए हैं – ऐश्वर्य, धन, यश, श्री, वैराग्य और मोक्ष। तिरुपति बालाजी मंदिर और यहां प्रतिष्ठित भगवान वेंकटचलापती की प्रतिमा में भगवान के ऐसे ही दिव्य गुणों और भव्य स्वरुप के साक्षात् दर्शन होते हैं।

तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान विष्णु की पूजा वेंकटचलापति के रुप में होती है। यहां भगवान विष्णु की कमल पाद पर खड़ी लगभग 10 फिट ऊंची प्रतिमा है। यहां भगवान अपने पूर्ण स्वरुप में विराजित हैं। यहां भगवान विष्णु लक्ष्मीपति का साक्षात् स्वरुप हैं। भगवान विष्णु अनेक प्रकार के स्वर्ण आभूषणों, हीरे मोतियों की मालाओं से श्रृगांरित होते हैं। इसलिए भगवान विष्णु के साथ ही प्रतिमा में दिखाई देने वाला वैभव देवी लक्ष्मी की दर्शन की अनुभूति भी देता है।

भगवान को पहनाए जाने वाले आभुषणों में लक्ष्मी माला शामिल होती है। जिसमें देवी लक्ष्मी की 108 छबियां होती है। इसी के साथ सोने में जड़ा गया सालगराम हार भी भगवान को पहनाया जाता है। भगवान की कटि या कमर पर उकेरा गया सुंदर दशावतार पट्टा भी दिखाई देता है। इस पट्टे पर लटकी हुई सोने से बनी सूर्यकटारी भी है। भगवान के वक्षस्थल पर सोने की नक्काशी से बनी लक्ष्मी और पद्मावती के दर्शन भी होते हैं। गर्भगृह में भगवान वेंकटचलपती की ही मूर्ति है। भारत में यही एक ऐसा विष्णु मंदिर है, जिसके गर्भगृह में भगवान विष्णु की एक मूर्ति है। मलयाप्पन स्वामी को उत्सव मूर्ति के नाम से पूजा जाता है। यह भगवान की मूल प्रतिमा की प्रतिकृति है। इस प्रतिमा के आसपास श्रीदेवी और भूदेवी की प्रतिमा हैं। मंदिर के मण्डप में उग्र निवास, कोलूवू निवास की प्रतिमाएं भी प्रतिष्ठित हैं। इनके अलावा भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां भी मंदिर में विराजित है। गर्भगृह में बनी सुदर्शन चक्र की आकृति भी देखी जा सकती है। तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की नियमित पूजा होती है। पहली पूजा प्रातः तीन बजे होती है, जो सुप्रभातम कहलाती है। इसका अर्थ होता है भगवान को शयन से जगाना। आखिर में एकांत सेवा नाम की पूजा होती है जिसका अर्थ है भगवान को शयन कराना। इस आरती का समापन रात्रि एक बजे होता है। भगवान के नियमित अंतराल से सेवा–उत्सव मनाए जाते हैं। भगवान की प्रार्थना–स्तुति हर दिन, सात दिन और पन्द्रह दिनों के अंतर से की जाती है।

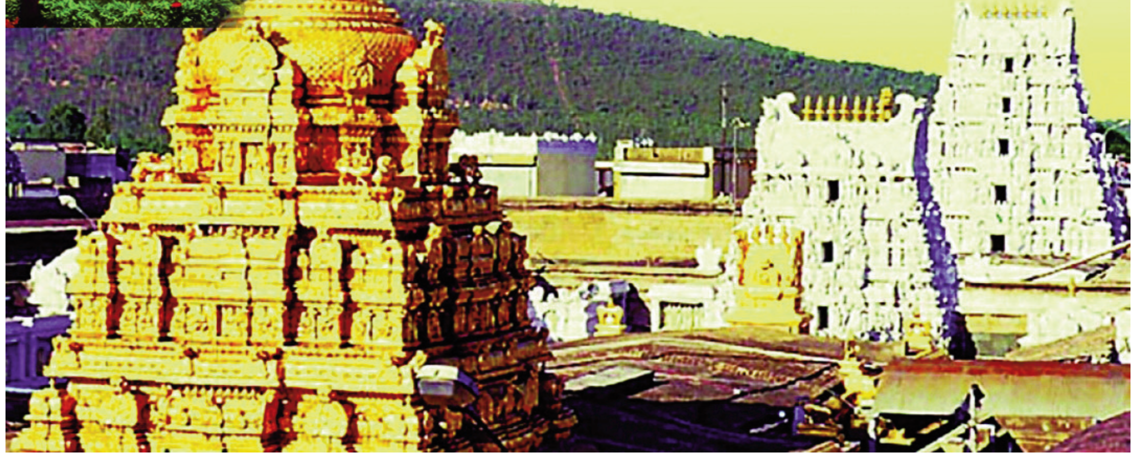

हिंदू धर्म में 33 करोड़ देवी देवता कैसे?

सामान्यतः कहा जाता है कि हिंदुओं के 33 करोड़ देवी–देवता हैं। इतने देवी–देवता कैसे? यह प्रश्न कई बार अधिकांश लोगों के मन में उठता है। शास्त्रों के अनुसार देवताओं की संख्या 33 कोटि बताई गई हैं। इन्हीं 33 कोटियों की गणना 33 करोड़ देवी–देवताओं के रूप में की जाती है। इन 33 कोटियों में आठ वसु, ग्यारह रुद्र, बारह आदित्य, इंद्र और प्रजापति शामिल है। इन्हीं देवताओं को 33 करोड़ देवी–देवता माना गया है। कुछ विद्वानों ने अंतिम दो देवताओं में इंद्र और प्रजापति के स्थान पर दो अश्विनीकुमारों को भी मान्यता दी है। श्रीमद् भागवत में भी अश्विनीकुमारों को ही अंतिम दो देवता माना गया है। इस तरह हिंदू देवी–देवताओं में तैंतीस करोड़ नहीं, केवल तैंतीस ही प्रमुख देवता हैं। कोटि शब्द के दो अर्थ हैं, पहला करोड़ और दूसरा प्रकार या तरह के। इस तरह तैंतीस कोटि को जो कि मूलत तैंतीस तरह के देव–देवता हैं, उन्हें ही तैंतीस करोड़ माना गया है।

भूत-पिशाच मार भगावे श्री मेंहदीपुर बालाजी

श्री मेंहदीपुर बालाजी मंदिर राजस्थान के दौसा जिले में स्थित है। मूलतः यह मंदिर पवनपुत्र हनुमान का मंदिर ही है। यहां श्री प्रेतराज सरकार, प्रेतराजा या आत्माओं के राजा के नाम से जाने जाते हैं। लोकमान्यता है कि पूर्व काल में श्री बालाजी राजस्थान की अरावली पहाडि़यों में बुरी आत्माओं के नाश हेतु प्रकट हुए। यह स्थान बुरी आत्माओं, काला जादू आदि से पीड़ित लोगों की कष्टों से छुटकारा दिलाने के लिए प्रसिद्ध है। पीड़ित लोग यहां आकर श्री प्रेतराज सरकार यानि मेंहदीपुर के बालाजी और श्री भैरवनाथ के दर्शन कर अपनी पीड़ा से मुक्ति के लिए प्रार्थना और पूजा करते हैं। भक्तों और श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास है कि श्री बालाजी दण्डाधिकारी के रुप में बुरी आत्माओं, भूत, चुडैल को दण्ड देकर भयंकर मानसिक और शारीरिक कष्ट भोग रहे व्यक्ति को पीड़ामुक्त कर देते हैं। मेंहदीपुर बालाजी का मंदिर श्री हनुमान की अदालत माना जाता है। इस मंदिर के साथ ही यहां पूजा गृह, भैरव मंदिर और राम दरबार मंदिर के दर्शन का भी महत्व है। जहां दुःखों से छुटकारा पाने के लिए जनसैलाब उमड़ता है।

यहां श्री मेंहदीपुर बालाजी के प्रति श्रद्धा और विश्वास के कारण अनेक धार्मिक कर्म और गतिविधियां चलती रहती है। यहां दान के साथ गरीब, अनाथ, बेसहारों, कमजोर और असक्षम लोगों के लिए भोजन कराया जाता है। गायों के लिए चारा और अन्य भूखे–प्यासे पशु–पक्षियों के लिए दाना–पानी उपलब्ध कराया जाता है।

राजस्थान में मेंहदीपुर बालाजी का मंदिर श्री हनुमान का बहुत जाग्रत स्थान माना जाता है। लोगों का विश्वास है कि इस मंदिर में विराजित श्री बालाजी अपनी देवीय शक्ति से बुरी आत्माओं से छुटकारा दिलाते हैं। इसमें मंदिर में हजारों भूत–पिशाच से त्रस्त लोग प्रतिदिन दर्शन और प्रार्थना के लिए यहां आते हैं, जिन्हें स्थानीय लोग संकटवाला कहते हैं। भूतबाधा से पीड़ित के लिए यह मंदिर अपने ही घर के समान हो जाता है और श्री बालाजी ही उसकी अंतिम उम्मीद होते हैं। यहां श्री बालाजी के सेवा और पूजा करने वाले मंहत सभी पीड़ितों को भूत बाधा से मुक्त करने के लिए सारी श्री बालाजी के सामने सभी उपचार करते हैं। इसके लिए वह पवित्रता का पूरा ध्यान रखते हैं। वह सादा और शाकाहार करते हैं। कभी भी इस कार्य को लोक कल्याण की भावना के साथ करते हैं।

यहां पीड़ाओं से मुक्त होने के लिए आस्था और विश्वास की ताकत को देखा जा सकता है। यहां पर प्रेतबाधाओं से लोगों को मुक्त करने के लिए अनेक असाधारण और असामान्य, कष्टप्रद भौतिक चिकित्सा के उपाय देखें जा सकते हैं। किंतु उनका उद्देश्य मात्र व्यक्ति के दुःख और कष्टों से मुक्ति होती है। इनमें कुछ उपायों में प्रेत बाधा से भयंकर पीड़ित व्यक्ति के शरीर पर हाथ, पैर और छाती पर भारी पत्थर रखे जाते हैं। बहुत ज्यादा पीड़ित और हिंसक व्यक्ति को मंदिर परिसर में ही जंजीरों से भी बांधा जाता है।

यह सारे तरीके पहली नजर में विभत्स और असहनीय दिखाई देते हैं। किंतु प्रेतबाधा से मुक्त होने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की इस तरह के तरीकों और उपचारों पर विश्वास और श्रद्धा है। श्रद्धा को ही देव शक्ति से कोई भी फल पाने की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान भूत प्रेत से ग्रसित व्यक्ति को रोगी मानता है। इसलिए श्री मेंहदीपुर बालाजी में भूतप्रेत से मुक्त करने के लिए अपनाए गए शारीरिक कष्ट देने वाले उपायों को अंध विश्वास मानता है। किंतु श्री मेंहदीपुर बालाजी और इस स्थान पर विश्वास और अगाध श्रद्धा रखने वालों की असंख्य है और उनके अनुभव के अनुसार श्री मेंहदीपुर बालाजी की शक्ति अद्भूत, अलौकिक है और भौतिक संसार से परे है।

अन्य दर्शनीय स्थान –

श्री मेंहदीपुर बालाजी में अन्य दर्शनीय देवस्थान भी हैं। जिनमें नीलकंठ महादेव मंदिर, माताजी का मंदिर, के लादेवी का मंदिर और प्रताप वाटिका प्रमुख है। पहुंच के संसाधन –

श्री मेंहदीपुर बालाजी दर्शन हेतु पहुंचने के लिए वायुमार्ग, रेलमार्ग और सड़क परिवहन की सुविधा उपलब्ध है।

वायुमार्ग – श्री मेंहदीपुर बालाजी पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा सांगानेर, जयपुर में है। जिसकी यहां से दूरी लगभग 113 किलोमीटर है।

रेल मार्ग – श्री बालाजी के दर्शन हेतु आने के लिए निकटतम रेल्वे स्टेशन बांदीकुई है। जिसकी यहां से दूरी 40 किलोमीटर है।

सड़क मार्ग – मेहंदीपुर बालाजी का मंदिर उत्तर भारत के सभी मुख्य शहरों से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा है। आगरा और जयपुर राजमार्ग पर तेज गति की बस सेवा उपलब्ध है। निजी वाहन द्वारा भी दिल्ली से अलवर–महवा या मथुरा–भरतपुर–महवा सड़क मार्ग से होते हुए श्री मेहंदीपुर बालाजी पहुंचा जा सकता है।

ऐसा आचरण करें –

- मंदिर में अन्य भूत–प्रेत पीड़ित लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें।
- मंदिर में स्नान कर, स्वच्छ कपड़े पहनकर, पंक्ति में लगकर ही प्रवेश करें।
- बच्चों को ऐसे सुरक्षित स्थान पर रखें, जहां शौच आदि की व्यवस्था हो, ताकि मंदिर की स्वच्छता भी बनी रहे और बच्चे भयभीत न हो।
- मंदिर में झूठ बोलना या कोलाहल करने की अनुमति नहीं है।
- मंदिर के केन्द्रस्थान में भगवान को चढ़ाने के लिए प्रसाद पुजारी को ही दें।
- भूत प्रेत से बाधित व्यक्ति और महिलाओं द्वारा दर्शन हेतु मंदिर में आने पर किसी को साथ होना आवश्यक है।
- मंदिर में आपत्तिजनक स्थिति में आना और धूम्रपान करना प्रतिबंधित है।
- भूतप्रेत बाधा से मुक्ति श्री बालाजी की कृपा और आशीर्वाद से हो सकती है। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट के जिम्मेदार प्रतिनिधि से संपर्क करें न ही किसी साधु,संन्यासी या फकीर के झांसे में आए।

एसएस राजामौली की फिल्म में आर माधवन की एंट्री?

फेमस एक्टर आर माधवन एक हजार करोड़ की फिल्म में एंट्री करने जा रहे हैं! जी हां, वो एसएस राजामौली की SSMB29 में बड़ा रोल निभा सकते हैं। इसमें महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये एक जंगल-एक्शन एडवेंचर मूवी होगी।

बाहुबली और RRR जैसी सुपरहिट फिल्मों को देखने के बाद अब फैंस को एसएस राजामौली की अगली फिल्म का इंतजार है। वो महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक जंगल एडवेंचर बना रहे हैं। अब खबर आई है कि इसमें रहना है तेरे दिल में एक्टर आर माधवन की एंट्री हो गई है। एसएस राजामौली की आने वाली फिल्म SSMB29 के फैंस के लिए ये एक बड़ी खबर है। 3 इडियट्स जैसी हिट फिल्मों के लिए फेमस आर माधवन को इस 1,000 करोड़ रुपये की एपिक मूवी में दमदार रोल निभा सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये पहली बार होगा, जब राजामौली और माधवन साथ में काम करेंगे।

फिल्म के बारे में सबकुछ सीक्रेट

बात करें राजामौली की फिल्म की तो इसके बारे में सबकुछ काफी सीक्रेट रखा जा रहा है। इसमें एक्शन-एडवेंचर होगा। राजामौली ने 2024 में केन्या में एक लोकेशन भी देखा था, जहां फिल्म का कुछ हिस्सा फिल्माया जाएगा। इस फिल्म के संगीत की कमान एमएम कीरवानी के हाथों में है।

महेश को जापान लेकर जाएंगे राजामौली

इससे पहले जापान में RRR की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान राजामौली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक छोटी लेकिन प्यारी सी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, उनका नाम महेश बाबू है, वे एक तेलुगु एक्टर हैं (लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं)। ऐसा लगता है कि आप में से कई लोग उन्हें पहले से ही जानते हैं। वे बहुत हैंडसम हैं। उम्मीद है कि हम फिल्म को थोड़ा जल्दी खत्म कर लेंगे और रिलीज के दौरान मैं उन्हें यहां लाऊंगा और आपसे उनका परिचय करवाऊंगा। मुझे यकीन है कि आप भी उन्हें पसंद करेंगे।

कुटिंग्स यूनिवर्स में दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी। सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था। सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क

23 मई को सिनेमाघरों में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चूक माफ रिलीज हुई। रिलीज के वक्त फिल्म विवादों में आ गई। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म को इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले डिजिटल रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआरआईनोक्स ने निर्माताओं के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया था। इसके बाद फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

बातचीत में वामिका ने इस बारे में बात की कि क्या उन्हें इस पूरे मामले से कोई फर्क पड़ा? इस पर वामिका गब्बी ने कहा इससे मुझ पर कोई असर नहीं पड़ा। मैंने जिंदगी में इतना कुछ देखा है कि इससे प्रभावित नहीं हुई! यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैं टूट सकती थी। मैं कई तरह की भावनाओं से गुजर सकती थी। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैंने बहुत कुछ देखा है। यह मेरे हाथ में नहीं था।

कई बार चीजें मेरे हाथ में नहीं होतीं

वामिका गब्बी ने आगे बताया कि मुझे कई बार अस्वीकार किया गया। मैंने देखा है कि वादे किए गए और फिर उन्हें पूरा नहीं किया गया। मैंने अपना पूरा भरोसा उन प्रोजेक्ट्स में लगाया, जिनके बारे में मुझे लगा कि यह मेरे करियर या मेरी जिंदगी को बदल देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे समझ में आया कि यह मेरे हाथ में नहीं है। इन सबके बावजूद, मेरी तरक्की हो रही थी।

रणबीर और रणवीर के बीच में है ईगो क्लैश? करण जौहर ने बताई पूरी सच्चाई

रणबीर कपूर और रणवीर सिंह बॉलीवुड के दो नए सुपरस्टार हैं। दोनों ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फैंस दोनों की ही फिल्मों का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। हालांकि, दोनों को लेकर तरह-तरह की खबरें भी सामने आती रहती हैं। बीच में इन दोनों स्टार्स के बीच में ईगो क्लैश की खबरें भी सामने आई थीं। अब निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने इन खबरों और दोनों के बीच ईगो की लड़ाई को लेकर असलियत बताई है।

दोनों के बीच में कोई ईगो नहीं

बॉलीवुड हंगामा के साथ अपनी हालिया बातचीत में करण जौहर ने रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीत ईगो क्लैश को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने इस बारे सच्चाई बताते हुए कहा, 'हर कोई एक-दूसरे को बहुत समझता है। दोनों के बीच में कोई अहंकार नहीं है। यह सब उस नजर या लेंस से देखने का बहुत पुराना तरीका है। मैं नहीं देखता और मुझे यकीन है कि वे भी नहीं देखते हैं। मुझे नहीं लगता दोनों के बीच में किसी तरह का कोई ईगो है।'

दोनों एक-दूसरे के काम पर फीडबैक देते हैं

करण जौहर ने दोनों एक्टर्स के बीच एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट देने और सलाह देने के समय को भी याद किया। निर्माता ने बताया कि कैसे दोनों ने एक-दूसरे की फिल्म के बाद उन्हें फीडबैक दिया। करण ने कहा, मुझे याद है कि 'ऐ दिल है मुश्किल' देखने के बाद रणवीर सिंह मेरे घर आए और मुझे फिल्म को लेकर अपना व्यू बताया ।जो कि वाकई में काफी कमाल था। फिर रणबीर ने मुझे 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पर फीडबैक दिया। मुझे लगता है कि हम सभी किसी भी चीज से बढ़कर दोस्त हैं।

'रामायण' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे रणबीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों अपनी एपिक सागा फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चओं में हैं। फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रणबीर कपूर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर में भी नज़र आएंगे। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं।

'धुरंधर' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

इसके अलावा अगर रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह एक्शन थ्रिलर 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे। फिल्म की घोषणा 2023 में की गई थी, लेकिन अभी तक फ्लोर पर नहीं आई है।

मेरे लिए अपनी बेटी को बड़े होते देखना सबसे खूबसूरत सिनेमा है

एक्टर अली फजल अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन दिनों की रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने अपने सबसे खास सिनेमाई पलों को लेकर खुलासा किया और कहा कि उनके लिए सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी बेटी को बड़े होते हुए देखना है। इंटरव्यू के दौरानजब अली से सवाल पूछा, जिज्ञासा और अवलोकन, क्या आप इन्हें किसी कलाकार की असली पूंजी मानते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अली फजल ने कहा, हां, मैं ऐसा मानता हूं। मैं हाल ही में पिता बना हूं और मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी 10 महीने की बेटी को बड़ा होते देखना है। इसमें वही दो बातें हैं, जो कलाकार के लिए जरूरी होती हैं, जिज्ञासा और अवलोकन। एक छोटे बच्चे में जो मासूमियत और अनजानापन होता है, वही उसे खास बनाता है।

अच्छे और सच्चे एक्टर्स ये नहीं सोचते कि मैं उसको खा जाऊं या उसकी लाइन कटवा दूं

वेब सीरीज ट्रिपलिंग के बिदांस चितवन के रूप में दर्शकों का दिल चुराने वाले एक्टर अमोल पराशर डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे और सरदार उधम जैसी फिल्मों में गंभीर किरदारों में भी अपनी अदायगी का चटख रंग दिखा चुके हैं। हाल ही में वह दो वेब सीरीज कुल और ग्राम चिकित्सालय को लेकर चर्चा में रहे।

आप आईआईटी रैंक होल्डर थे, अच्छी खासी पैकेज वाली नौकरी थी, वो सब छोड़कर आपने एक्टिंग को चुना। यह रिस्क कैसे लिया? और घरवालों का रिएक्शन क्या था?

ऐसा कोई हीरोइक पल नहीं था कि एक्टिंग के लिए पैशन जागा और सब छोड़-छाड़ के चल दिए। मुझे थिएटर करना था और नौकरी के साथ वह नहीं हो पा रहा था, तो मैंने सोचा कि जो करने का मन है, उसे करके देखते हैं। बेशक, थोड़ी गरीबी होगी, पैसे नहीं होंगे, पर मैनेज कर लेंगे। ऐसा कुछ नहीं था कि मैं तो हीरो बनकर दिखाऊंगा। फिल्मों और टीवी का तो सोचा भी नहीं था। मेरी सोच बस ये थी कि स्टेज पर जाने का मौका मिलता रहे, नए-नए किरदार करने को मिलते रहें। शुरू के 2-3 साल मैंने वही किया।

ट्रिपलिंग में आपका किरदार चितवन बहुत पसंद किया गया, मगर आपने खुद को टाइपकास्ट नहीं होने दिया। डॉली किट्टी और वो सितारे, सरदार उधम जैसी फिल्मों से उस इमेज को ब्रेक कर दिया। यह कितना मुश्किल या आसान रहा?

आपने सही कहा, हमारी इंडस्ट्री में एक्टर्स आसानी से टाइपकास्ट हो जाते हैं। मेरे साथ एक फायदा ये रहा कि मैं थिएटर करता था। ऑडिशन देता था, तो फिल्में बनाने वाले, लिखने वाले जो लोग हैं, उन्हें पता था कि अमोल सिर्फ ये किरदार नहीं है। वह और बहुत कुछ कर सकता है। उन्होंने मेरे कोई नाटक, ऑडिशन देखे थे। हालांकि, उसके बावजूद 10 में से 5 चीजें ऐसी थीं जो एक जैसी थीं। पांच चीजें अलग भी थीं। उसमें चुनना भी एक चुनौती होती है, क्योंकि कई बार आपको भी लगता है कि लोगों को यही पसंद आ रहा है तो यही करता हूं, लेकिन मेरी सोच ये थी कि खुद को मजा आना चाहिए। बाकी, लोग पसंद करेंगे या नहीं करेंगे, वह देखा जाएगा।

आपने रॉकेट सिंह सेल्समैन में रणबीर कपूर, डॉली किट्टी में कोंकणा सेन शर्मा, ट्रैफिक में मनोज बाजपेयी, सरदार उधम में विक्की कौशल जैसे मंझे हुए एक्टर्स के साथ काम किया है। उनसे बतौर एक्टर कोई गुण अपनाया?

सच कहूं, मेरा मानना है कि एक्टिंग को कोई शब्दों में नहीं समझा सकता। यह ऑब्जर्व करने की चीज है, पर एक बात मैंने इन सबमें देखी कि अच्छे एक्टर सिर्फ अपने लिए काम नहीं करते। वो ऐसे नहीं सोचते कि मैं अच्छा लगूं, बाकियों का मुझे नहीं पता या मैं उसको खा जाऊं या उसकी लाइन कटवा दूं। ये चीज किसी में नहीं है। यह मैंने अपने अन्दर भी लाने की कोशिश की कि हम यहां अच्छा शो बनाने आए हैं। फिल्म अच्छी होगी, तो उसकी चर्चा होगी, वो हिट होगी, तो सबको फायदा होगा, पर अगर आप ईगो में रहो कि मैं ही मैं रहूं, तो चीजें थोड़ी करप्ट हो जाती हैं। उसमें मजा नहीं होता है। जैसे, जब मैं विक्की, कोंकणा सेन शर्मा या मनोज सर के साथ काम कर रहा था, वहां पर कोई बड़ा छोटा नहीं था कि तू मत बोल। तू उधर पीछे खड़ा रह। यह कॉमन चीज सबमें रही, तो जो अच्छे एक्टर होते हैं, वो सीन को ऊपर रखते हैं। वो खुद को या अपनी इमेज को सर्व नहीं करते कि यार, मेरी तो बॉडी की तारीफ होती है तो शर्ट उतार दूं। ये चीजें कहानी को खराब कर देती हैं।

इन दिनों कई एक्टर्स ने बॉलीवुड में टॉक्सिसिटी को लेकर काफी खुलासे किए हैं। आपका इस बारे में क्या अनुभव रहा? आप खुद आउटसाइडर रहे हैं। ऐसी चीजें झेलनी पड़ी हैं?

मैं इन चीजों से दूर रहता हूं। सबके अपने-अपने अनुभव हैं। मेरी सोच यह रहती है कि अगर आप अच्छे हैं तो आपको अच्छे लोग मिल जाते हैं। हो सकता है कि मुझे भी कभी किसी के कनेक्शन की वजह से रोल नहीं मिला हो, पर मैं ये नहीं सोचता कि अरे, यह तो साजिश हो गई और मैं घर बैठकर रोने लगूं। मेरा मानना है कि कोई आपका बुरा नहीं चाहता, सब अपना-अपना देख रहे हैं। मैं कई ऐसे लोगों से मिलता हूं, जो दूर से लगता है कि वो बहुत अच्छा कर रहे हैं। सब चीजें वही कंट्रोल कर रहे हैं, मगर पास से मिलो तो पता चलता है कि उसका अलग संघर्ष चल रहा है। मैं ये मानकर चलता हूं कि पर्सनली कोई मेरा बुरा नहीं चाहता है।

हाल ही में एक हफ्ते के भीतर आपकी दो वेब सीरीज कुल और ग्राम चिकित्सालय आई हैं। दोनों में आपके किरदार भी बिल्कुल अलग हैं। इन दोनों किरदारों को निभाने का अनुभव कैसा रहा?

अनुभव बहुत अच्छा रहा। दोनों की शूटिंग मैंने अलग-अलग की थी, वह इत्तेफाक की बात है कि दोनों सीरीज एक हफ्ते के भीतर आ गईं। हालांकि, अच्छी बात ये है कि इस वजह से लोगों को मेरे किरदारों का अंतर ज्यादा महसूस रहा रहा है। लोग बोल रहे हैं कि दोनों के रंग बहुत ही अलग है। इन दोनों किरदारों में ढलने का प्रॉसेस अलग रहा। कुल के अभिमन्यु की सोच और मनोदशा समझने के लिए रिसर्च करना पड़ा कि वो ऐसे टेढ़ा क्यों है? क्योंकि वह मेरी पर्सनैलिटी से काफी दूर है, तो उसे समझने में वक्त लगा। जबकि, सीरीज ग्राम चिकित्सालय में प्रभात के किरदार के लिए सिर्फ सुर पकड़ना था। उसे रियल रखना था।

27 साल का लंबा इंतजार खत्म कर साउथ अफ्रीका ने रचा इतिहास ऑस्ट्रेलिया को हराकर बनी डब्ल्यूटीसी 2025 चैंपियन

लंदन(एजेंसी)। 27 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार साउथ अफ्रीका टीम ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में चोकर्स का दाग हटा दिया है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की चैंपियन बनी है।

इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने 27 साल बाद कोई आईसीसी खिताब जीता है। इससे पहले इस टीम ने साल 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जीती थी जो अब चैंपियंस ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। जीत के लिए साउथ अफ्रीका को 282 रनों की जरूरत थी। एडेन मार्करम के बेहतरीन शतक और कप्तान बावुमा की चोट के बाद जुझारू 66 रनों की पारी के दम पर साउथ अफ्रीका ने ये टारगेट 83.4 ओवरों में हासिल कर ऑस्ट्रेलिया के खिताब बचाने के अरमानों पर पानी फेर दिया।

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉपी जीती थी। इसके साथ ही प्रोटियाज टीम आईसीसी के दो टाइटल के बीच सबसे लंबा इंतजार करने वाली टीम बन गई है। उन्होंने वेस्टइंडीज को पीछे छोड़ दिया है।

ये जीत साउथ अफ्रीका के लिए आसान नहीं थी। उसके गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रनों पर ढेर कर दिया था। लेकिन बल्लेबाज पहली पारी में सिर्फ 138 रनों पर ढेर हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 74 रनों की बढ़त थी। लॉर्ड्स की पिच को देखते हुए बड़ी बात थी। साउथ अफ्रीका हार मानने के मूड में नहीं थी वो जानती थी कि ऑस्ट्रेलिया बड़े स्कोर की फिराक में होगी। बावुमा ने अपनी रणनीति से ऐसा जाल बिछाया कि कंगारू टीम के लिए रन बनाना मुश्किल हो गया। दूसरी पारी में 73 रनों पर ही ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट खो दिए। आखिर में मिचेल स्टार्क ने नाबाद 58 रनों की पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया को मैच में वापस ला दिया। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 207 रनों पर ढेर हो गई।

साउथ अफ्रीका को मिला मजबूत लक्ष्य जिसे बनाना आसान नहीं था। साथ ही मिचेल स्टार्क ने रियान रिकेल्टन को तीसरे ओवर में ही पवेलियन भेज साउथ अफ्रीका को झटका दे दिया। स्टार्क ने ही वियान मुल्डर को 70 के कुल स्कोर पर आउट कर दिया।

इसके बाद तीसरे दिन जिम्मेदारी एडेन मार्करम और बावुमा पर थी। दोनों ने विकेट पर पैर जमाए और रन बनाने शुरू किए। इस बीच बावुमा को मांसपेशियों में खिंचाव हुआ लेकिन वह रुके नहीं। मार्करम के साथ उन्होंने शतकीय साझेदारी को अंजाम दिया। मार्करम को कप्तान का साथ मिला और इसका फायदा उन्होंने उठाते हुए शतक जमा दिया। तीसरा दिन जब खत्म हुआ तो साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 69 रन चाहिए थे और उसकी जीत पक्की लग रही थी।

फिर चौथे दिन यानी शनिवार को शुरआत साउथ अफ्रीका को दो विकेट का झटका लगा। बावुमा चोट के कारण अपना विकेट गंवा बैठे उन्हें पैट कमिंस ने उनकी पारी को विराम दिया। इस दौरान बावुमा ने 134 गेंदों में 66 रन की बेहतरीन और अहम पारी खेली। इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स भी महज 8

रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन मार्करम क्रीज पर जमे थे और उन्होंने पूरी कोशिश करते हुए आखिर तक टीम को जीत की राह पर ले गए। हालांकि, 136 रन बनाकर मार्करम भी अपना विकेट गंवा बैठे इस दौरान उन्होंने 14 चौके जड़े।

आखिर में डेविड बेडिंघम ने नाबाद 21 रन और काइल वेरीयेने ने नाबाद चार रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इसी केसाथ साउथ अफ्रीका और टेम्बा बावुमा वो टीम और कप्तान बन गए हैं जिन्होंने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात दी है।

हार के बाद पैट कमिंस बोले- जीत की हकदार थी साउथ अफ्रीका, उन्होंने मौकों का फायदा उठाया

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब बचाने की उम्मीदें शनिवार को लॉर्ड्स में दिल टूटने के साथ खत्म हो गईं। कप्तान पैट कमिंस ने हार को स्वीकार करते हुये कहा कि दक्षिण अफ्रीका सही मायनो में जीत की हकदार थी। अंतिम क्षणों में धैर्य बनाए रखने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम से कमिंस की टीम पांच विकेट से हार गई। शुरुआती नियंत्रण के बावजूद यह मुकाबला निर्णायक रूप से आस्ट्रेलिया के पक्ष में नहीं गया। इस परिणाम ने दक्षिण अफ्रीका को उसका पहला डब्ल्यूटीसी खिताब और 27 वर्षों में उसकी पहली आईसीसी पुरुष ट्रॉफी दिलायी।

मैच के बाद के कमिंस ने कहा 'चीजें बहुत जल्दी बदल सकती हैं। हमेशा कुछ चीजें होती हैं। हमारे पास पहली पारी में अच्छी बढ़त थी और हमने उन्हें आउट करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।'' ऑस्ट्रेलिया ने मैच की शुरुआत मज़बूती से की, पहली पारी में 67 रन की अहम बढ़त हासिल की। लेकिन दूसरी पारी में उनके पतन ने दरवाज़ा खोल दिया, और प्रोटियाज़ ने एडेन मार्करम की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत चौथे दिन शानदार तरीके से जीत दर्ज की। कमिंस ने कहा '' ऐसा लग रहा था कि विकेट सपाट हो गया है, लेकिन उम्मीद थी कि यह बदल सकता है और दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। लियोनो (नाथन लियोन) खतरनाक लग रहे थे, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। एडेन शानदार थे। दक्षिण अफ्रीका चैंपियन बनने के हकदार थे।'

ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी चक्र में शानदार प्रदर्शन किया है जिसमें एशेज रिटेंशन और कई विदेशी जीत शामिल हैं। कमिंस ने कहा '' लॉर्ड्स में यह सब एक साथ नहीं हुआ। यह दो साल शानदार रहे हैं, लेकिन शायद यह दोनों ही चीजें निष्पादन और परिस्थितियाँ इस खेल में काम नहीं आईं।' उन्होंने प्रतियोगिता में बने रहने और मौकों का फ़ायदा उठाने की दक्षिण अफ़्रीका की क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने प्रोटियाज़ के जोशीले प्रदर्शन की तारीफ करते हुये कहा, '' उन्होंने खुद को खेल में बनाए रखा और मौकों का फ़ायदा उठाया।''

भारतीय टीम के साथ सीरीज में क्रॉली और ओली की परीक्षा होगी : बॉयकॉट

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने कहा है कि युवा बल्लेबाजों जैक क्रॉली और ओली पोप के लिए भारत के खिलाफ सीरीज में खेलना आसान नहीं होगा। बॉयकॉट के अनुसार क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी मुश्किल रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे रनों के लिए तरसते दिखे। उनका औसत 9 से कम रहा और वह सभी छह पारियों में मैट हेनरी का शिकार बने। वहीं ओली के साथ भी ऐसा ही हुआ। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की पारी खेलने के बाद भी आगे के मैचों में उनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही।

बॉयकॉट ने कहा, 'हम अभी कह नहीं सकते कि ये दोनो ही अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं से उबर गये हैं। जिम्बाब्वे में दोनो ने शतक जरुर लगाये पर तब गेंदबाजी बेहद औसत दर्जे की रही थी। बॉयकॉट ने कहा, ' जिम्बाब्वे के पास मध्यम गति के गेंदबाज थे, इसी कारण वे क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की कमी को सामने नहीं ला पाये। वहीं अब भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज से ही इनकी बल्लेबाजी का स्तर पता चलेगा। तभी ये देखा जा सकेगा कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वह वास्तव में खेल पाते हैं या नहीं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की सीरीज का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है : प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है।

प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें।' उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है, यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है।'

प्रसिद्ध ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है।' गुजरात टाइटंस की तरफ से आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करके भारतीय टीम में जगह बनाने वाले प्रसिद्ध ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले यहां कुछ अभ्यास मैच खेलने से टीम को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, '''हम सभी के लिए मैदान पर कुछ समय बिताना बेहद महत्वपूर्ण है। आज भी हमने यही किया। यह एक अच्छी, बढ़िया और सख्त पिच लग रही है। गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की जबकि बल्लेबाजों ने भी जज्बा दिखाया। जब आप अपने आपस में ही मैच खेलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है।' बीसीसीआई के अपडेट के अनुसार अभ्यास मैच के पहले दिन कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने अर्धशतक बनाए, जबकि शार्दुल ठाकुर विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल थे।

भारतीय गेंदबाजी का उभरता सितारा है प्रणव राघवेंद्र

बेंगलुरु ।भारतीय अंडर 19 टीम में शामिल 17 साल के उभरते हुए तेज गेंदबाज प्रणव राघवेंद्र आजकल जमकर अभ्यास में लगे हैं।प्रणय ने हाल ही में अभ्यास सत्र में 147.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी को प्रभावित किया था।ऐसे में उन्हें भविष्य का सितारा बताया जा रहा है। प्रणव ने 6 साल की उम्र में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ के मार्गदर्शन में शुरुआत की थी।139 किमी प्रति घंटे की उनकी रफ्तार देखकर मैकग्राथ भी प्रभावित हुए थे।प्रणव का सपना कई अन्य तेज गेंदबाजों की तरह पाकिस्तान के शोएब अख्तर का 161.3 किमी प्रति घंटे का रिकॉर्ड तोड़ना है।प्रणव ने तमिलनाडु के लिए 2024 में असम और रेलवेज के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए।इसके बाद उन्होंने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया।प्रणव भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा हैं और इंग्लैंड दौरे के लिए तैयार है।इस गेंदबाज को बल्लेबाजों को बाउंसर व सटीक लाइन व लेंथ से परेशान करना अच्छा लगता है।वह तेजी के लिए स्पीड गन नहीं अपनी फिटनेस पर ध्यान देता हैं।

पहली बार पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा, नया रिकॉर्ड बनाने पर नजर

नई दिल्ली।भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरच चोपड़ा 20 जून को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में खेलने उतरेंगे।नीरज आठ साल बाद इस टूर्नामेंट के पेरिस चरण में हिस्सा लेंगे। नीरज लगातार दो टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रहे हैं और उनकी नजरें अब इस प्रतियोगिता में टॉप पर रहने की होगी।नीरज ने पिछले साल ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण इसमें हिस्सा नहीं लिया था।नीरज ने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है लेकिन उन्होंने घोषणा की है कि नीरज और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं।पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में नरीज के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।वहीं नीरज ने 2025 सत्र की शुरुआत साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब के साथ की।ये एफ श्रेणी की मामूली प्रतियोगिता थी जिसमें उन्होंने 84.52 मीटर का थ्रो किया।

अगले साल आईपीएल ट्रॉफी जीतेगी पंजाब : शशांक

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स की ओर से अच्छी बल्लेबाजी करने वाले शशांक सिंह ने कहा है कि इस बार उनकी टीम भले ही 6 रनों से खिताब नहीं जीत पायी है पर अगले सत्र में वह विजेता बनेगी। शशांक ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ फाइनल में शानदार बल्लेबाजी कर सबसे अधिक रन बनाये थे। आखिरी क्षणों में खेली उनकी आक्रामक पारी की बदौलत ही पंजाब टीम 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 184 रनों तक पहुंची थी। शशांक ने कहा कि अंतिम ओवर में जोश हेजलवुड की फुल टॉस पर शॉट नहीं लगा पाने की बात से वह अब भी निराश हैं। साथ ही कहा कि पंजाब किंग्स अगले साल भी फाइनल में पहुंचेगी और ट्रॉफी जीतकर ही रहेगी।

शशांक ने में कहा, मैंने अंतिम दो ओवरों का हिसाब लगाया था, भुवनेश्वर कुमार को यॉर्कर पसंद है, इसलिए मैंने उनसे कम से कम 16 से 17 रन बनाने की योजना बनाई थी। मेरा हिसाब था कि आखिरी ओवर में हमारा लक्ष्य 6 गेंदों में 24 रन होना चाहिए पर भुवनेश्वर के ओवर में मुझे केवल 13 रन ही मिले, इसलिए अंतिम ओवर में 30 रन चाहिए थे।

उन्होंने कहा, मानसिक रूप से, मेरा दिमाग हेजलवुड की पहली गेंद पर यॉर्कर लेने के लिए तैयार था। इसलिए मैंने अपने को तैयार किया था पर मैंने कभी भी फुल टॉस की उम्मीद नहीं की। वहीं अब मुझे लगता है, अगर मैं इसे कनेक्ट कर लेता, भले ही यह बल्ले के हैंडल पर लग जाता, तो मैं अधिकतम रन बना सकता थाक्योंकि फाइन-लेग पास था। मैं उनसे वाइड की उम्मीद कर रहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब मैंने स्कोरबोर्ड देखा, जिसमें बताया गया था कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए, तो मुझे पता था कि अब कुछ नहीं हो सकता है। फुल टॉस पर रन नहीं बनाने से वह

परेशान हैं। उन्होंने कहा, मैं एक मजबूत व्यक्ति हूं, लेकिन जब मैंने पांचवीं गेंद पर छक्का मारा और मैंने देखा कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे, तो मैं खुद को नियंत्रित नहीं कर सका। मुझे एहसास हुआ कि सब खत्म हो गया है। जब मैं ड्रेसिंग रूम में आया, तो हर कोई आया और पूछा, मैं क्यों रो रहा हूं? मैंने उनसे कहा, मुझे अपने आप आंसू आ रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं जहां भी गया, लोगों ने मेरी बल्लेबाजी की सराहना कीपर सभी मुझे उस एक फुल टॉस मिस की याद दिला रहे थे। मुझे बहुत बुरा लगा। गेंद मेरे कूल्हे पर थी, स्क्वायर लेग ऊपर था, मुझे बस उसे बल्ले को हिट करना था, जो मैं नहीं कर सका।।

यूएई और अफगानिस्तान के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेलने की योजना बना रहा पीसीबी

लाहौर।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) यूएई और अफगानिस्तान के साथ अगस्त में त्रिकोणीय सीरीज आयोजित करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए उसने अफगानिस्तान बोर्ड के साथ बातचीत भी शुरू कर दी है।अफगानिस्तान को सीमित ओवरों की सीरीज के लिए अगस्त में पाकिस्तान का दौरा करना है।पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, ''पाकिस्तान और भारत के बीच खराब होते संबंधों के कारण अब एशिया कप के सितंबर में भारत में होने की संभावना नहीं है, इसलिए पीसीबी एक और त्रिकोणीय सीरीज के प्रस्ताव पर काम कर रहा है।''उन्होंने कहा, '' वहीं अगर एशिया कप का आयोजन अगर यूएई में होता है तो पाकिस्तान अगस्त में अफगानिस्तान और यूएई के साथ दुबई में त्रिकोणीय सीरीज खेलेगा। यह अफगानिस्तान के पाकिस्तान दौरे की जगह पर खेली जाएगी।'' उन्होंने कहा कि पीसीबी त्रिकोणीय सीरीज के आयोजन के लिए दोनों क्रिकेट बोर्ड के साथ पहले से ही बातचीत कर रहा है।साथ ही कहा, ''अगर

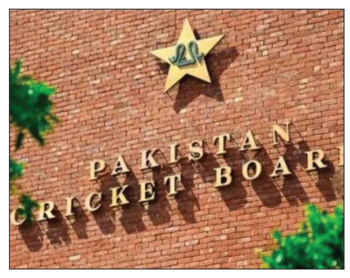

एशिया कप रद्द या स्थगित होता है तो पीसीबी चाहता है कि अफगानिस्तान और यूएई की टीमें अगस्त में पाकिस्तान में त्रिकोणीय सीरीज खेलें।'' पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के मौजूदा अध्यक्ष है।एसीसी एशिया कप पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही बैठक करेगी।उन्होंने कहा, ''भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक घरेलू मैदान पर एशिया कप की मेजबानी करने की अपनी इच्छा की पुष्टि नहीं की है।ऐसे में यह देखना होगा कि एसीसी टी20 प्रारूप में प्रस्तावित एशिया कप को लेकर क्याफैसला लेती है।''एशिया कप को सितंबर में खेला जाना है और इसकी मेजबानी का अधिकार भारत के पास हैं।इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी से पहले तय किये गये हाइब्रिड मॉडल के अनुसार पाकिस्तान इस टूर्नामेंट के लिए भारत की यात्रा नहीं करेगा।

सबसे ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी विजेता देश ऑस्ट्रेलिया, भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली ।दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक देश आज एक और आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर लेगा।पहले तीन दिन के खेल के बाद द.अफ्रीका का पलड़ा भारी है।शनिवार को चौथे दिन पहले ही सेशन में रिजल्ट आ जाएगा।अगर द. अफ्रीका जीतता हैं, तब यह उसकी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी। और ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी तब उसके नाम 11वीं ट्रॉफी होगी। आईसीसी यानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, जो पूरी दुनिया में इस खेल को संचालित करती है।इसमें पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों शामिल हैं। 1973 में पहला आईसीसी वर्ल्ड कप (महिला) खेला गया, इस इंग्लैंड ने जीता था। पुरुष क्रिकेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी 1975 में वेस्टइंडीज ने जीती थी।पुरुष क्रिकेट में आईसीसी चार कैटेगरी में वैश्विक टूर्नामेंट आयोजित करती है।वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और चैंपियंस ट्रॉफी।इन सभी को मिलाकर ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 10 खिताब जीते हैं।उसके नाम ही सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी का रिकॉर्ड है।ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 6 वनडे वर्ल्ड कप और एक टी20 वर्ल्ड कप जीता है।साथ ही एक-एक चैंपियंस ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी टाइटल भी जीता है।लेकिन अगर आज दक्षिण अफ्रीका मैच जीत जाता हैं तब 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम करेगा।इसके पहले सिर्फ एक बार आईसीसी टूर्नामेंट जीता है।

शुभमन गिल की कप्तानी पर अश्विन ने कहा: 'उम्मीद है कि उन्हें अच्छी शुरुआत मिलेगी ताकि कोई सवाल न उठे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ से पहले शुभमन गिल की भारत के नए टेस्ट कप्तान के रूप में नियुक्ति पर अपने विचार साझा किए। वरिष्ठ खिलाड़ियों रोहित शर्मा के संन्यास के बाद यह सीरीज़ भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत है और विराट कोहली टेस्ट से और अश्विन खुद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से। अश्विन ने कहा, 'मुझे लगता है कि गिल पहले से ही उस ध्यान और जिम्मेदारी से बहुत अभिभूत हैं जो उन्हें मिल रही है। अगर मैं उनकी जगह होता और इतने दबाव वाले काम पर होता, तो मैं बल्लेबाज के तौर पर बहुत अच्छी शुरुआत करना चाहता।' उन्होंने बताया कि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और गिल को कप्तान और बल्लेबाज दोनों के तौर पर खुद को साबित करना होगा।

उन्होंने कहा, 'बल्लेबाज के तौर पर, उनके स्थान को लेकर कई सवाल उठेंगे, क्योंकि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना बहुत मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर वह रन बनाते हैं, तो रन बनाने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और यह कप्तानी पर भी असर डालेगा।' गिल को 'बहुत खास खिलाड़ी÷ बताते हुए अश्विन ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह किसी भी सवाल से बचने के लिए बहुत अच्छी शुरुआत करेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि ऋषभ शुभमन की तुलना में सीरीज में बहुत अधिक निश्चितता के साथ उतरेंगे। टेस्ट क्रिकेट में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ती और विकसित होती है। हाल ही में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में शुभमन की दूसरी पारी में 50 रन की पारी ने उनके रवैये और बदलाव की क्षमता को दर्शाया।'

अश्विन ने विराट कोहली के संन्यास पर भी बात की, जिन्होंने इंग्लैंड सीरीज से कुछ ही हफ्ते पहले 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से बाहर होने की घोषणा की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को आगामी सीरीज में कोहली की कमी खलेगी, अश्विन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि जिसने भी खेल खेला है या खेलेगा, वह खेल से बड़ा है। मैदान पर कोई भी व्यक्ति खेल के लिए अच्छा नहीं करता - खेल उनके लिए अच्छा या बुरा करता है। मुझे विराट पसंद है, लेकिन वह आया, खेल खेला, खेल को छोड़ा, इसे एक बेहतरीन जगह पर छोड़ा। इसे आगे ले जाने का काम किसी और का है।' उन्होंने उम्मीद जताई कि गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे युवा खिलाड़ी इस अवसर पर खरे उतरेंगे। 'अब शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे प्रतिभाओं के रवैये और इच्छा को आगे बढ़ाने का इंतजार है।

अब यह देखने का समय है कि क्या वे विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों द्वारा इन सभी वर्षों में मैदान पर दिखाई गई तीव्र ऊर्जा को दोहरा सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'यह कहने के बाद, टीम में हर किसी की जिम्मेदारी है कि वह उस ऊर्जा और इच्छा को दिखाए।' यह श्रृंखला जून से अगस्त 2025 तक आयोजित की जाएगी, जिसके मैच लीड्स में हेडिंग्ले, बर्मिंघम में एजबेस्टन, लंदन में लॉर्ड्स और द ओवल और मैनचेस्टर में ओल्ड ट्रैफर्ड में निर्धारित हैं।

इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

हरभजन बोले नंबर तीन पर सुदर्शन को उतारें, शुभमन चौथे नंबर पर उतरें

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम आजकल युवा कप्तान शुभमन गिल के साथ इंग्लैंड दौरे पर है जहां उसे 20 जून से पहला टेस्ट खेलना है।इस सीरीज में किस खिलाड़ी को नंबर तीन पर उतारा जाये।ये अभी तक साफ नहीं हुआ है।इस स्थान के लिए शुभमन गिल और करुण नायर के नाम सामने आ रहे हैं।अभी तक शुभमन तीसरी नंबर पर उतरते थे जबकि विराट कोहली चौथे नंबर पर उतरते थे लेकिन रोहित और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने से भारतीय टीम में अब अधिकतर युवा खिलाड़ी हैं। ऐसे में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की भी जरुरत है।इसको देखते हुए दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि साई सुदर्शन को तीसरे जबकि शुभमन गिल को चौथे नंबर पर उतरना चाहिये।हरभजन सिंह ने कहा कि साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए।ऐसा इसलिए क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और वह जबरदस्त फॉर्म में हैं।उन्होंने आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें उन्होंने ऑरेंज कैप जीती थी।हरभजन ने कहा, मेरे हिसाब से साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर खेलना चाहिए।वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और बेहतरीन फॉर्म में हैं।उन्होंने घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी तकनीक अच्छी है और मेरा मानना है कि वह इस स्थान के लिए सही विकल्प हो सकते हैं। हरभजन ने यह भी कहा कि इंग्लैंड दौरा नए कप्तान शुभमन गिल के लिए बड़ी चुनौती होगा क्योंकि टीम में अनुभवी खिलाड़ी नहीं हैं। इस पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, शुभमन नए कप्तान हैं और टीम काफी युवा है।इसमें रोहित, विराट, पुजारा या यहां तक कि अजिंक्य रहाणे भी नहीं हैं।यह चुनौतीपूर्ण होने वाला है पर मुझे उम्मीद है कि हमारे युवा खिलाड़ी इस अवसर का लाभ उठाएंगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे।